



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 6, 1976 (फाल्गुण 16, 1897)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1976 (PHALGUNA 16, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० ए० 12022/2/74-प्रशा०—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी तथा स्थानापन्न परीक्षा नियन्त्रक श्री डी० आर० कोहली को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1 जनवरी, 1976 के पूर्वार्द्ध से 2 फरवरी, 1976 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए डा० डी० एस० कोठारी की अध्यक्षता में स्थापित भर्ती नीति एवं चयन पद्धति समिति के सचिव के पद पर कार्य करते रहने की अनुमति सहर्ष प्रदान की जाती है।

दिनांक 7 फरवरी, 1976

सं० पी०/197-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निदेशक (तथ्य संसाधन) श्री पी० चटर्जी की सेवा अवधि को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-2-1976 से एक वर्ष के लिए बढ़ाने की स्वीकृति सहर्ष प्रदान की गई है।

इस स्वीकृति के लिए कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग में राज्य मंत्री का अनुमोदन प्राप्त हो चुका है।

दिनांक 10 फरवरी, 1976

सं० पी० 1763/प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4-4-1975 के अनुक्रम में डाक तथा 1-486GJ/75

तार महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री के० एन० वोहरा को 1-1-1976 से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

सं० पी० 1763/प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4-4-1975 के अनुक्रम में निर्माण, आवास और नगर विकास मंत्रालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० बी० माथुर को 1-1-1976 से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17-11-75 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित तीन अधिकारियों को आयोग के कार्यालय में 1-1-1976 से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो,

अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	के० सं० से० संवर्ग में पद
सर्वश्री :		
1.	बी० एस० कपूर	अनुभाग अधिकारी
2.	बी० एन० अरोड़ा	—वही—
3.	के० एल० कतवाल	—वही—

2. उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० शा० सं० एफ० 10 (24)-ई०-III/60, दिनांक 4-5-1961 में निहित शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव,
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1976

के नोटिस म संशोधन

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मार्च, 1976

शुद्धि-पत्र

सं० फा० 5/2/75-ई I (बी) —10 जनवरी, 1976 को भारत के राजपत्र के भाग III, खंड I में प्रकाशित स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1976 से संबद्ध संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० फा० 5/2/75-ई-I (बी) दिनांक 10 जनवरी, 1976 में निम्नलिखित संशोधन किया जाय :—

पृष्ठ 348—कालम III के पैरा (I) की अंतिम पंक्ति में “नियुक्त,, शब्द के स्थान पर” “निर्मुक्त” शब्द पढ़ा जाए।

बी० एस० जाली,
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग,

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 फरवरी, 1976

सं० 2/20/75 प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री जी० जी० तुलसी, कार्यपालक अभियन्ता, डाकतार महानिदेशालय, को 15 जनवरी, 1976 के पूर्वार्ह से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० 2/34/74 प्रशासन(I)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री राजेन्द्र नाथ गुप्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियन्ता को 12 जनवरी, 1976 के अपराह्न से

अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० 2/34/74-प्रशासन(II)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री बी० एस० छटवानी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियन्ता को 15 जनवरी, 1976 के पूर्वार्ह से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० पी० एफ०/जी०/14 जी०—श्री के० जी० गुप्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियन्ता तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में तकनीकी परीक्षक ने, नेशनल फटिलाइजर्स लिमिटेड में नियुक्ति के लिए चुने जाने पर 12-1-1976 के अपराह्न को आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री निवास
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली 110001, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० ओ० II-1276/75 स्थापना—श्री टी० के० नायक, उप पुलिस अधीक्षक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने उनके खुफिया व्यरो (गृह मंत्रालय) में परावर्तन होने के फलस्वरूप अपने कार्यालय का कार्यभार 11-10-1975 के अपराह्न छोड़ा।

दिनांक 11 फरवरी 1976

सं० पी० VII-4/75 स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित सूबेदारों/सूबेदार मेजरों, के० रि० पु० दल, को आगामी आदेश जारी होने तक के० रि० पु० दल में पुलिस उप अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थाई तौर पर पदोन्नति करते हैं।

2. उन्होंने उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से बटालियनों/ग्रुप सेक्टरों में अपने पद का भार संभाला।

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की बटालियन/ग्रुप सेक्टर	कार्यभार संभालने की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री :			
1.	बीरपाल सिंह	12 बटा०	15-10-75 पूर्वा०
2.	एस० पी० सिंह	1 बटा०	20-10-75 पूर्वा०
3.	एम० एम० बाबा	2 बटा०	29-10-75 अप०

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
सर्व श्री				सर्व श्री			
4. सुमेर सिंह	.	3 बटा०	15-10-75 पूर्वा०	26. रामपत यादव	.	60 बटा०	25-10-75 अप०
5. भ्रमर नाथ	.	7 बटा०	15-10-75 पूर्वा०	27. महल सिंह मुलतानी	.	आर०टी०सी० I	8-11-75 पूर्वा०
6. के० राघवन	.	8 बटा०	20-11-75 अप०	28. बलबीर सिंह	.	57 बटा०	15-19-75 पूर्वा०
7. ईश्वर सिंह	.	19 बटा०	22-10-75 पूर्वा०	29. शेर सिंह	.	14 बटा०	15-10-75 पूर्वा०
8. वी० पी० एस० गौतम	.	15 बटा०	27-10-75 पूर्वा०	30. जागीर सिंह	.	30 बटा०	10-11-75 पूर्वा०
9. सोहन लाल बुधाकोटी	.	9 बटा०	22-10-75 अप०	31. अक्षवार मिश्रा	.	56 बटा०	25-10-75 अप०
10. पी० के० रोहिला	.	16 बटा०	1-11-75 पूर्वा०	32. जिले सिंह	.	27 बटा०	23-10-75 पूर्वा०
11. ओ० पी० यादव	.	23 बटा०	10-11-75 पूर्वा०	33. पी० एस० नेगी	.	44 बटा०	25-10-75 पूर्वा०
12. पी० एच० पान्डे	.	16 बटा०	25-10-75 पूर्वा०	34. रघुनाथ सिंह	.	48 बटा०	18-10-75 अप०
13. जयवन्त सुर्वे	.	10 बटा०	6-12-75 अप०	35. चमन लाल	.	29 बटा०	10-11-75 पूर्वा०
14. शम्भु नाथ ओमा	.	37 बटा०	18-10-75 अप०	36. जगत राम	.	18 बटा०	22-10-75 पूर्वा०
15. रनजीत सिंह	.	30 बटा०	15-10-75 अप०	37. हरनारायण सिंह	.	54 बटा०	23-10-75 पूर्वा०
16. सोहन लाल	.	24 बटा०	31-10-75 अप०	38. सुलतान सिंह	.	55 बटा०	15-10-75 अप०
17. कृष्ण प्रकाश काला	.	47 बटा०	29-10-75 पूर्वा०	39. गंगा सिंह रावत	.	60 बटा०	27-10-75 पूर्वा०
18. सत्यपाल सिंह मन्न	.	34 बटा०	15-10-75 पूर्वा०	40. सत्य देव	.	51 बटा०	20-10-75 अप०
19. एन० एस० बर्मा	.	40 बटा०	28-10-75 अप०	ए० के० बन्धोपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)			
20. हरि सिंह	.	28 बटा०	17-10-75 पूर्वा०				
21. भवर सिंह	.	37 बटा०	17-10-75 अप०	महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल			
22. महल सिंह राना	.	43 बटा०	3-11-75 अप०				
23. प्यारा सिंह	.	17 बटा०	31-10-75 पूर्वा०	नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 फरवरी 1976			
24. रघुबीर सिंह	.	46 बटा०	1-11-75 पूर्वा०				
25. काका राम	.	ग्रुप सेंटर, रामपुर	27-10-75 पूर्वा०	सं० ई-38013(3)/1/76-प्रशा०-1—नैनी (इलाहाबाद) से स्थानान्तरित होने पर श्री शिवराज सिंह ने दिनांक 27 जनवरी, 1976 के पूर्वार्द्ध से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बम्बई, हवई पत्तन, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सभाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।			

सं० ई-31013(2)/3/75-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, श्री
श्यामल राँय को दिनांक 3 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी
आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारी
इंजीनियरी निगम लिमिटेड, रांची, का स्थानापन्न रूप से सहायक
कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी दिनांक से पद का
कार्यभार रांची में संभाल लिया।

एल० एस० बिष्ट
महानिरीक्षक

कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1976

सं० 2/2/76-ए० डी०-1—श्री एच० रणबीर सिंह मनीपुर के
जनगणना निदेशक के कार्यभार को, जिसे वे पदेन रूप से संभाले हुए
थे, दिनांक 9 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से सौंप दिया।

सं० 25/8 2/72-म० प० (प्रशा०-1)—भारतीय प्रशासनिक
सेवा के अधिकारी श्री पी० एल० सौधी ने अधिवर्षिता की आयु
पर पहुँचने से सेवा निवृत्त हो जाने पर 31 जनवरी, 1976 के
अपराह्न से जनगणना कार्य, पंजाब में जनगणना निदेशक और
पदेन क्षमता में धारित जनगणना कार्य के पदेन अधीक्षक के पद का
कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 11 फरवरी 1976

सं० 12/5/74-म० प० (प्रशा०-1)—राष्ट्रपति, इस
कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म० प० (प्रशा०-1),
तारीख 7 नवम्बर, 1975 के अनुक्रम में श्रीमती कृष्णा चौधरी
की भाषा विद के पद पर, तदर्थ नियुक्ति को, सहायक महापंजीकार
(भाषा) के कार्यालय में 8 जनवरी, 1976 से 11 जुलाई, 1976
तक या जब भी उक्त पद नियमित रूप से भरा जायगा, इनमें जो भी
पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

बद्री नाथ
भारत के उप-महापंजीकार तथा
पदेन उप-सचिव

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० बी० (3)/ए-II—राष्ट्रपति, भारत सरकार मुद्रणालय,
मिंटो रोड, नई दिल्ली के सहायक प्रबन्धक, श्री जे० एस०
विर्दी को 31-1-76 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक भारत
सरकार मुद्रणालय, नासिक के कार्य प्रबन्धक के पद पर स्थानापन्न
रूप में नियुक्त करते हैं।

श० म० जाम्शीलकर
मुद्रण निदेशक

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मंत्रालय

नासिक रोड, दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० 1834/ए०—दिनांक 21 जुलाई, 1975 के क्रम में
श्री आर० डी० कुलकर्णी को प्रशासन अधिकारी के पद पर भारत
प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में उन्होंने शर्तों के साथ 31 मार्च,
1976 तक नियुक्त करते हैं।

वि० ज० जोशी
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय, महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, प्रथम

इलाहाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1976

सं० प्रशासन 1/11-144 (XI)/317—महालेखाकार,
उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधि-
कारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश
पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया
है :

सर्वश्री :

1. कपूरचन्द्रश्रीवास्तव . . . 7-1-76
2. राजकुमार सोमी . . . 15-1-76

यू० रामचन्द्र राव
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार, पश्चिम बंगाल का कार्यालय

कलकत्ता-1, दिनांक 1 अक्टूबर 1975

सूचना

सं० एल० ए०/14(प्रशासन)—महालेखाकार, पश्चिम बंगाल
ने सर्वश्री सुकुमार भट्टाचार्य, स्थायी अनुभाग अधिकारी को स्थानीय
लेखा परीक्षा विभाग के स्थानापन्न लेखा परीक्षक अधिकारी के
पद पर पहली अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से या अगला आदेश जारी
होने तक बहाल करने की कृपा की है।

(इ०) अपठनीय
स्थानीय लेखा परीक्षक
पश्चिम बंगाल

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक पूर्वी रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० एल०/8/74—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर
श्री ए० के० दास, लेखा परीक्षा अधिकारी को 31 जनवरी, 1976
(अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जाएगा
और उनका नाम विभाग की नोकरी से निकाल दिया जाएगा।

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1976

(स्थापना)

सं० 6/396/56-प्रशा० (राज०)/1800—मूल नियमावली के 56 के नियम अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री वी० वी० सबनीस ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्य भार छोड़ दिया।

सं० 6/645/61-प्रशा० (राज०)/1014—मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री एच० टी० आत्मारवानी ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

सं० 6/706/63-प्रशा० (राज०)/1020—मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री ए० एन० कपूरिया ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/844/68-प्रशा० (राज०)/1028—मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री एच० आर० सूद ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 7 फरवरी 1976

सं० 6/594/60-प्रशा० (राज०)/1034—मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री जे० ई० शेख ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 10 फरवरी 1976

सं० 6/652/62-प्रशा० (राज०)—मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री डी० पी० बोरकर ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० के० कौल,

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० 6/1040/74-प्रशा० (राज०)—मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, एतद् द्वारा उद्योग निदेशक, के कार्यालय, उत्तर

प्रदेश, कानपुर में सहायक उद्योग निदेशक श्री एस० के० मिश्र को दिनांक 6-1-1976 के दोपहर पूर्व से अगले प्रदेशों के होने तक, उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात (लोहा तथा इस्पात) के कार्यालय, फरीदाबाद में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए, नियन्त्रक, आयात-निर्यात, द्वितीय श्रेणी (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के रूप में नियुक्त करते हैं।

नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री एस० के० मिश्र नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी,

उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात,
कृते मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 8 फरवरी 1976

सं० ई० एस० टी० 1-2(576)—वस्त्र आयुक्त का कार्यालय बम्बई के सहायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रथम श्रेणी, श्री रमणिकलाल जमनादास चितलिया 13 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, स्वैच्छया, सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

राजेन्द्र पाल कपूर,
वस्त्र आयुक्त

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० सी० ई० आर०/2-76—सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/75, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1976 से प्रभावी होगी।” इन शब्दों, अंकों और चिह्नों के स्थान पर “यह अधिसूचना 1 मार्च, 1976 से प्रभावी होगी।” ये शब्द, अंक और चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

अनिल कुमार चन्ना,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० प्र० I/1(630)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री एस० डी० चटर्जी, दिनांक 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-1 (994)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्-द्वारा उप निदेशक निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में अधीक्षक, अधीक्षण स्तर II के श्री ए० बी० एस० पी० सिन्हा को दिनांक 6 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में स्थानीय तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, (प्रशासन) (ग्रुप-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सिन्हा की सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रुप-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर होगी और उन्हें इस पर नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा।

दिनांक 10 फरवरी 1976

सं० प्र० 1/1 (971)—इस महानिदेशालय की दिनांक 2 जनवरी 1976 की इसी संख्या की अधिसूचना के अंग्रेजी रूप के पैरा 1 में “दिनांक 14 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से सेवा मुक्त कर दिए गए” के स्थान पर कृपया “4 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से सेवा मुक्त कर दिये गए हैं” पढ़ा जाए।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० सी०-5043/707—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में, 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में उनके सामने दिखायी गयी तिथि से अधिकारी सर्वेक्षण (ग्रुप 'बी' सेवा) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	तिथि से
सर्वश्री :		
1. डी० के० मंडल सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड	संख्या 11 पार्टी (ग्रु० सं०)	29-12-75 (पूर्वाह्न)
2. सत्येन्द्र मोहन दत्त सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड	संख्या 38 पार्टी (ग्रामा० मा० उ०)	6-1-76 (पूर्वाह्न)

दिनांक 9 फरवरी 1976

सं० सी०-5044/718-ए—श्री आर० एन० शर्मा, स्थानापन्न अधीक्षक, भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या सी-5031/718-ए, दिनांक 9-12-75 के अधीन मानचित्र प्रकाशन कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून में स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार

पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, को श्री हरिदेव, रजिस्ट्रार, भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय, जोकि सेवा निवृत्ति से पूर्व छुट्टी पर चले गये हैं, के स्थान पर 840/- रु० प्रतिमाह वेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में रजिस्ट्रार, भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय, के पद पर दिनांक 21-1-1976 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० फा० 20(सी० 3)/61-ए-1—श्री पी० आर० शर्मा अधीक्षक को दिनांक 9 फरवरी, 1976 से आगामी आदेश पर्यन्त सर्वथा तदर्थ आधार पर प्रशासन-अधिकारी के पद पर (श्री एल० डी० अजमानी के स्थान पर जो अवकाश पर हैं) स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये नियुक्ति किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये कोई अधिकार नहीं प्रदान करती और वरिष्ठता के प्रयोजनार्थ तथा अगले ऊँचे पद क्रम (ग्रेड) में पदोन्नत होने की पात्रता के लिये नहीं गिनी जाएगी।

श्री नन्दन प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी, 1976

सं० 4/107/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री एन० एम० ए० खाम्पती को 30 दिसम्बर, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी तेजु में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/114/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद् द्वारा श्री पन्नालाल को 24 जनवरी, 1976 से पहले आदेश होने तक आकाशवाणी, शिमला में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/20/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद् द्वारा श्री सुनील कुमार साहा को 5 दिसम्बर, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, कलकत्ता में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी, 1976

सं० 30-10-74 सी०जी०एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, के अन्तर्गत होम्योपैथिक चिकित्सक डा० सरेन्द्र बहादुर सिंह का इस्तीफा 25 जनवरी, 1975 के अपराह्न से मंजूर कर लिया है। डा० सिंह ने 25 जनवरी, 1975 के अपराह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० वेणुगोपाल
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1976

सं० 6-7/75-डी० सी०—राष्ट्रपति ने श्री विमलेश मंडल को 2 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय प्रयोगशाला, कलकत्ता में औषध रसायनज्ञ के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 11 फरवरी, 1976

सं० 12-7/73-एडमिन-1—अधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एन० आर० शर्मा 31 जनवरी, 1976 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

सूरज काश जिवल
उप निदेशक, प्रशासन

संचार मंत्रालय

मद्रास-600001, दिनांक 11 फरवरी, 1976

सं० एस० टी०/ए० ओ०/1—महाप्रबन्धक टेलिफोन, मद्रास ने निम्नलिखित वरिष्ठ लेखाकारों को मद्रास टेलिफोन जिला में स्थानीय प्रबन्ध में उनके नाम के आगे लिखी गयी तारीख से स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त किया है:—

वरिष्ठ लेखाकारों के नाम	लेखा अधिकारी की ग्रेड में पदोन्नति की तारीख
1. श्री आर० राजगोपालन	20-12-75 पूर्वाह्न
2. श्री जी० नीलकण्ठन	12-1-76 पूर्वाह्न

सं० ए० एस० टी०/आई०-5/2—महाप्रबन्धक टेलिफोन मद्रास ने निम्नलिखित कनिष्ठ इंजीनियरों को मद्रास टेलिफोन

जिला में स्थानीय प्रबन्ध में उनके नाम के आगे लिखी अवधि के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक इंजीनियर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	सहायक इंजीनियर की पदोन्नति की तारीख	मूल कांडर पर परावर्तन की तारीख
1.	श्री बी० नागलिगम	13-8-75 पूर्वाह्न	6-12-75 पूर्वाह्न
2.	श्री एन० एस० कन्दस्वामी	12-9-75 पूर्वाह्न	31-10-75 अपराह्न
3.	श्री पी० एस० श्रीनिवासन	27-9-75 पूर्वाह्न	31-12-75 अपराह्न
4.	श्री पी० नेमराजन	3-10-75 पूर्वाह्न	21-11-75 अपराह्न
5.	श्री एस० नागेस्वरन	24-10-75 पूर्वाह्न	10-12-75 अपराह्न
6.	श्री एन० एस० कन्दस्वामी	4-11-75 पूर्वाह्न	31-12-75 अपराह्न
7.	श्री टी० परिमल शेखरन	12-11-75 पूर्वाह्न	31-12-75
8.	श्री एम० सोर्णापालन	13-11-75 पूर्वाह्न	—
9.	श्री पी० नेमराजन	27-11-75 पूर्वाह्न	12-1-76 अपराह्न
10.	श्री पी० नागलिगम	15-12-75 पूर्वाह्न	31-1-76 अपराह्न
11.	श्री बी० नागलिगम	4-2-76 पूर्वाह्न	—
12.	श्री एन० एस० कन्दस्वामी	5-2-76 पूर्वाह्न	—

सं० ए० एस० टी०/आई०-5/3—निम्नलिखित सहायक इंजीनियर, जो स्थानीय प्रबन्ध में स्थानापन्न रूप से काम करते थे, उनके नाम के आगे लिखी तारीख से अपने मूल कांडर पर परावर्तित किये जाते हैं:—

अधिकारियों के नाम	मूल कांडर पर परावर्तन की तारीख
1. श्री बी० राजगोपाल नायडु	9-7-75 पूर्वाह्न
2. श्री सी० बी० नटराजन	28-6-75 अपराह्न
3. श्री टी० एस० नागनाथन	30-6-75 अपराह्न

बी० राममूर्ति
सहायक महानिदेशक (प्रधान)

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 10 फरवरी, 1976

सं० 4-6(105)/75-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली की संस्तुतियों के अनुसार श्री मणिकम कुराननाथन को भारत सरकार के कृषि विपणन, सलाहकार द्वारा, विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, विशाखापत्तनम, में दिनांक 8 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

सं० 4-5(66)/75-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एन० सी० हलदर, को भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 29 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर विपणन अधिकारी, वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 11 फरवरी, 1976

सं० 4-6(104)/76-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एन० सी० हलदर, को भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, गौहाटी में दिनांक 5 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

वी० पी० चावला

निदेशक, प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

बम्बई-400 085, दिनांक 10 फरवरी, 1976

(कार्मिक विभाग)

सं० 5/1/75-स्था०-II—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियन्त्रक सहायक श्री अनंत काशीनाथ कव्हे को 4-12-1975 से 9-1-1976 तक के लिये अस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णमूर्ति

उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-400 005, दिनांक 22 जनवरी, 1976

सं० पी० पी० ई० डी०/3(235)/75-प्रशासन-1022-208—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिवालय में स्थायी सहायक श्री टी० एस० असवाल को 12 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के संशोधित वेतनमान में 650/- रुपये मासिक के

प्रारम्भिक वेतन पर विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/3(235)/75-प्रशा०-1023-213—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक श्री आर० पी० डिसूजा को 15 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के संशोधित वेतनमान में 650/- रुपये मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/3(235)/75-प्रशा०-1024-210—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक श्री ए० एच० पुनवाणी को 4 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न से 15 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के संशोधित वेतनमान में 650/- रुपये मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/3(235)/75-प्रशासन-1021—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक श्री पी० बी० नायर को 12 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के संशोधित वेतनमान में 650/- रुपये मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एन० जी० पेस्लेकर

प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1976

सं० ई० (1)/04155—कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री के० एम० विश्वास 31-12-75 के अपराह्न से निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 11 फरवरी, 1976

सं० ई० (1) 04235—मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० बालकृष्णन 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई० (1) 06548—वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री चरन दास 31-12-1975 के अपराह्न से निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

दिनांक 7 फरवरी 1976

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 12 फरवरी 1976

सं. डी० (1) 04207—श्री जे० नन्दी ने अपने सहायक मौसम विशेषज्ञ के स्थानापन्न पद का नियुक्ति के स्वैच्छिक समाप्ति पर कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के कार्यालय में उक्त पद का कार्यभार 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न को त्याग दिया और वे इस विभाग में अपने मौलिक व्यवसायिक सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित हो गये।

एम० आर० एन० मनियन,
मौसम विशेषज्ञ,
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1976

सं. ए०-32013/8/75-ई० सी०—इस कार्यालय की दिनांक 27 जून, 1975 की अधिसूचना सं. ए०-32013/8/75-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग में श्री जी० गोविन्दस्वामी, सहायक निदेशक संचार को 1 अगस्त, 1975 से 31 मार्च, 1976 तक की अवधि के लिए अथवा नियमित आधार पर पद के लिए चयन किये जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो नियन्त्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की है।

हरबस लाल कोहली,
उप निदेशक प्रशासन,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं. ए०-38012/1/76-ई० एस०—निवर्तन आयु प्राप्त करने पर क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न वरिष्ठ विमान निरीक्षक श्री बी० के० घोष ने 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से अपना कार्यभार त्याग दिया।

सं. ए०-32013/9/74-ई० एस०—राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय के श्री मधुसूदन लाल, विमान निरीक्षक को 5 जनवरी, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है।

हरबस लाल कोहली,
उप निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं. 1/400/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री ए० एस० गणभाग को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 15 दिसम्बर, 1975 से 31 दिसम्बर, 1975 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परिचायक प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

2-486-GI/75

सं. 1/99/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक श्री राजेन्द्र कपूर को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर पहली दिसम्बर 1975 से 31 दिसम्बर, 1975 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क समार्वर्तलय

शिलांग, दिनांक 9 फरवरी 1976

सं. 176—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर, शिलांग के अस्थायी कार्यालय अधिक्षक श्री एन० एन० बडा के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री एन० एन० बडा ने प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनांक 6-1-76 (पूर्वाह्न) को शिलांग में संभाला।

एस० सी० नियोगी,
कलक्टर

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1976

सं. क-12017/4/76-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं. क-12017/1/72-प्रशा०-5, दिनांक 16-10-1975 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री टी० पी० येशनन को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक गणित गुण) के पदक्रम में स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-२० रोज-35-880-40-1000 २० रोज-40-1200 रुपये के वेतनमान में 16-5-1976 तक अथवा श्री डॉ० के० वैद के परावर्तन होने तक, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

रेल मन्त्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1976

सं. 74/आर० ई०/161/1—मर्व सम्बन्धित का सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि रेलवे के अलीगढ़ स्थित स्विचिंग स्टेशन से हाथरस ज० सब-स्टेशन तक (कि० मी० 1331 से कि० मी० 1297 तक), उत्तर रेलवे द्वारा बनायी गयी 132

किलो वोल्ट दोहरा परिपथ पारेषण लाइन में, जो निकटवर्ती गांवों के आप-पास रेल-पथ के समानान्तर जाती है, 5-2-1976 से 132 किलो वाट ए० सी० 50 साइकिल प्रति सेकण्ड बिजली प्रवाहित कर दी जायेगी। इसी तारीख से, ऊपरी पारेषण लाइन को हर समय बिजली-युक्त माना जायेगा और बोर्ड भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ऊपरी लाइन के पाम नहीं जायेगा और न ही उसके निकट काम करेगा।

अमृतलाल गुप्त,
सचिव, रेलवे बोर्ड

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
महाप्रबंधक का कार्यालय
(कार्मिक शाखा)

पाण्डु, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० ई०/55/III/95 पी०-I(0) — भण्डार विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने उल्लिखित दिनांक से सहायक भण्डार-नियन्त्रक के पद पर स्थायी किया जाता है :-

क्रम सं०	नाम	वह किस तिथि से स्थायी किया जाता है
1.	श्री एम० एन० हालदार	9-12-69
2.	श्री ए० बी० दास	30-4-74
3.	श्री जे० के० दे	23-3-75

सं० ई०/55/III/92(0) — श्री एस० के० बोस को 6-4-74 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक मिगनल एव दूर संचार इंजीनियर के रूप में स्थायी किया जाता है।

एच० एल० वर्मा,
महा प्रबंधक

कम्पनी कार्य विभाग

बम्बई-400002, दिनांक 9 फरवरी 1976

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नानुभाई एक्सपोर्ट प्राईवेट के विषय में

सं० 9820/560(5) — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नानुभाई एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० नारायणन,
कम्पनियों का प्रतिनिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

मद्रास-6, दिनांक 11 फरवरी 1976

सं० — यतः दि जनानुकूल निधि लिमिटेड, मछुकारे पोस्ट 1 कोयम्बतूर, जिला (इन लिक्विडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत

कार्यालय कुमरीतिलैया, हजारीबाग कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा विवरणियों से समापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह छः क्रमवर्ती मास के लिये नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1913 (1913 का) की धारा 247 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसारण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर दि जनानुकूल निधि लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दशित नहीं किया जाता है तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० अन्नपूर्णा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, मद्रास

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली-2, दिनांक 23 अक्तूबर 1975

आय कर

सं० जुरि-दिल्ली/2/75-76/16382 — आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय में पहले के सभी आदेशों में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर वार्ड/डिस्ट्रिक्ट-6 (4), 6(7), 6(8), 6(11) और 6(14) समाप्त कर दिये जाएंगे।

यह आदेश 1-11-1975 से लागू होगा।

सं० जुरि-दिल्ली-2/75-76/17585 — आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय में पहले के सभी आदेशों में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम 3 में दिए गए आयकर वार्डों/डिस्ट्रिक्टों के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत दिनांक 31-10-75 को आने वाले मामलों के वर्गों के संबंध में कार्य करेंगे।

अनुसूची

1	2	3
1.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6 (1) नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट-6(1), 6(7) तथा 6(8) नई दिल्ली।
2.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6 (2) नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट-6 (2), तथा 6(11), नई दिल्ली।
3.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6 (3) नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट-6(3) तथा 6(4), नई दिल्ली।
4.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6 (13) नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट-6(13) तथा 6(14), नई दिल्ली।

यह आदेश 1-11-1975 से लागू होगा।

दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० जुरि-दिल्ली/2/75-76/28178—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश

देते हैं कि वकील सचिव, दिल्ली को नीचे दिए गए दो सचिवों में बांट दिया जायेगा।

1. वकील सचिव—1
2. वकील सचिव—2

यह आदेश 9 दिसम्बर, 1975 से लागू होगा।

सं० जुरि-दिल्ली/2/75-76/28280—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस विषय पर जारी किए गए पिछले सभी आदेशों/अधिसूचनाओं का अधिभूत करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों और मामलों या मामलों के वर्गों के सम्बन्ध में अपने कार्य करेंगे। इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पद नाम	अधिकार-क्षेत्र
1.	आयकर अधिकारी, वकील सचिव-1, नई दिल्ली	(क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग जो आयकर अधिकारी वकील सचिव दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र में आते हों यदि 8-12-75 को पिछली कर-निर्धारित अध्या विवरणी में दिखाई गई आय 1,00,000/- रु० और अधिक हो। (ख) ऊपर मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।
2.	आयकर अधिकारी, वकील सचिव-2	(क) आयकर अधिकारी, वकील सचिव, नई दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामलों या मामलों के वर्ग किन्तु उन्हें छोड़कर जो आयकर अधिकारी, वकील सचिव-1 नई दिल्ली को सौंपे गए हों। (ख) ऊपर मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।

यह अधिसूचना 9-12-75 से लागू होगी।

जगदीश चन्द,
आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० जुरि-दिल्ली/5/75-76/21490—आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7 (4) नई दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र के बारे में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 या 127 के अन्तर्गत जारी किए गए पहले के सभी आदेशों में परिवर्तन करते हुए और उक्त अधिनियम की धारा 124 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-5 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि जिन निर्धारितियों के नाम अंग्रेजी के 'एम' 'एन' 'ओ' में से किसी भी अक्षर से शुरू होते हैं तथा जो 1-12-75 से पहले आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7 (4) के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत थे उनके बारे में इस आदेश के लागू होने की तारीख से आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7 (5) अपने कार्य करेंगे किन्तु आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7 (4) उनके बारे में अपने कार्य नहीं करेंगे।

परन्तु इस आदेश से उन निर्धारितियों के बारे में आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7 (4) नई दिल्ली के वर्तमान अधिकार-क्षेत्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जिनके नाम अंग्रेजी के 'एम' 'एन' 'ओ' अक्षर से शुरू होते हैं और जो ऐसी साझेदारी फर्म में साझेदार हों, जिनका नाम अंग्रेजी के 'एम', 'एन', 'ओ' अक्षर के अतिरिक्त अन्य किसी भी अक्षर से शुरू होता हो बशर्ते कि ऐसी फर्म का आदेश की तारीख को तारीख को उक्त आयकर अधिकारी के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत हो।

यह आदेश 1-12-1975 से लागू होगा।

सं० जुरि-दिल्ली/5/75-76/21789—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 1-12-1975 से निम्नलिखित आयकर सचिव बनाया जाये।

1. डिस्ट्रिक्ट-7 (5)

आदेश

दिनांक 24 नवम्बर 1975

स० जुरि-दिल्ली/5/75-76/21755—इस विषय पर इस कार्यालय के आदेश स० जुरि-दिल्ली/75-76/25, दिनांक 15-7-75 में परिवर्तन करते हुए और आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों और मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में अपने कार्य करेंगे। इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग मामले या मामले के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 या 124 की उपधारा (1) के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गये हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

यह अधिसूचना 19-11-75 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम स०	आयकर अधिकारी का पद नाम	अधिकार-क्षेत्र
1	2	3
		4
1.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-2 (12) नई दिल्ली	(क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस अनुसूची के कालम दिल्ली नगर निगम के वार्ड स० 4 में बताए गए किसी भी क्षेत्र में कोई व्यवसाय या कारोबार करता हो या जिसके व्यवसाय 63, 64, 65 और 66 के या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो अंतर्गत आने वाले क्षेत्र ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के (अर्थात् तिमारपुर, सोहन- 'ए' से लेकर 'एफ' तक (दोनों अक्षरों को गज, आर्यपुरा, एक्सटेशन मिलाकर) किसी भी अक्षर में शुरू होता हो। और विजयनगर)। (ख) उपर्युक्त मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के साझेदार सभी व्यक्ति।
2.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-2 (13) नई दिल्ली	(क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस अनुसूची के कालम-4 में बताए गए किसी भी क्षेत्र में कोई व्यवसाय या कारोबार करता हो या जिसके व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'के' से लेकर 'ओ' तक (दोनों अक्षरों को मिलाकर) किसी भी अक्षर में शुरू होता हो।
3.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-2 (2) नई दिल्ली	(क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस अनुसूची के कालम 4 में बताए गये किसी भी क्षेत्र में कोई व्यवसाय या कारोबार करता हो या जिसके व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'जी' से लेकर 'जे' तक (दोनों अक्षरों को मिलाकर) किसी भी अक्षर में शुरू होता हो। (ख) उपर्युक्त मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के साझेदार सभी व्यक्ति।

ए० सी० जैन,
आयकर आयुक्त

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 फरवरी, 1976

निर्देश न० 1449:—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी रा० जैसा कि अधिवृत्त विलेख न० 3323
जून, 1975 में है तथा जो चर्चावाल में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लीलावती पत्नी इन्द्रसिंह बासी चंचोवाल
(अन्तरक)

(2) श्री मखन सिंह पुत्र जरनैल सिंह बासी रायपुर
तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3323 जून,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 6-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 फरवरी, 76

निर्देश न० 1450:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख न० 3322 जून, 1975 में है तथा जो चंचीवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र लाल सिंह गांव चंचोवाल तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह पुत्र जरनैल सिंह वासी रायपुर तहसील जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3322 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 फरवरी, 1976

निर्देशन० 1451 --यत मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 779
है तथा जो दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती पुर्मा देवी पत्नी डाक्टर गुग्गलु सिंह 20
तुगलक रोड गई दिल्ली
(अन्तरक)
- (2) डाक्टर सोहन लाल सुपुत्र डाक्टर पुष्प लाल सुपुत्र
समुद्रेश कुमार और मोहिन्द्र कुमार सुपुत्र सोहन
लाल 50 विजय नगर जालन्धर
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 779 जुलाई, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली में लिखा है

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख . 6 फरवरी, 1976
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निदेश नं० 1452:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3302 जून, 1975 में है तथा जो ग्रीन पार्क में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंगत राम पुत्र माई दास द्वारा तक्ष्मी मिनेमा जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी रोशन लाल भल्ला वासी गोविन्दगढ़ जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जातना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3302 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निर्देश नं० 1454—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1834 जुलाई, 75 है तथा जो भवाई रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-486GI/75

(1) श्री अमर नाथ सुपुत्र श्री अमरी चन्द सुपुत्र श्री गोकल चन्द जात खतरी मेठी, माडल टाउन होशियारपुर (अन्तरक)

(2) श्री विजय रोसीन और तुगपिनताइन फैक्टरी भवाईआ रोड होशियारपुर द्वारा श्रीम प्रकाश सुपुत्र सीता राम पार्टनर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1834 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निर्देश नं० 1455—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1372 जून, 1975 में है तथा जो हरयाना रोड गांव नलोयान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री घसीटा राम सुपुत्र श्री भगवान दास पुत्र श्री गोपाल दास वासी कृष्ण नगर होशियारपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र कान्ता पत्नी श्रवया कुमार पुत्र श्री चमन-लाल द्वारा जैन ज्यूलर्स प्रताप बाजार होशियारपुर (अन्तरित)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1372 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निदेश नं० 1453—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 3081
जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1975
को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपत्ति

(1) श्रीमती गुरुदयाल कौर पत्नी मोहन सिंह सुपुत्र
किशन सिंह गांव बादशाहपुर तहसील जालन्धर
(अन्तरक)

(2) सान्सा कोल्ड स्टोर जालन्धर द्वारा प्रदीप नायार
जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि ज्यादा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3081 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निर्देश नं० 1456—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4717 जुलाई, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिः—

(1) श्री दरबारा सिंह सुपुत्र नारायण सिंह 588 आर०, माडल टाउन, जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्री प्यारा सिंह सुपुत्र हरनाम सिंह, मोहहिन्द कौर पत्नी प्यारा सिंह, 588 आर०, माडल टाउन, जालन्धर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4717 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश नं० 1457:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4745 जुलाई, 1975 है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री दरबारा सिंह सुपुत्र नारायण सिंह 588-आर मांडल टाउन, जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री प्यारा सिंह सुपुत्र हरनाम सिंह, मोहिन्द्र कौर पत्नी प्यारा सिंह 588-आर मांडल टाउन जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जसाकि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4745, जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश न० 1458—यत मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3513 जून, 1975 में है तथा जो नाहल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री दलीप सिंह सुपुत्र मिया मिह गाव नाहल, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र दलीप सिंह सुपुत्र मियां सिंह वासी नाहल तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3513 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी, 1976

निदेश नं० ए० पी० -1459:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2355 जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाशत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवेन्द्र कुमार पत्नी इकबाल सिंह व हरनाम कौर पत्नी प्रीतम सिंह निवासी कुणो चहल, तहसील कपूरथला

(अन्तरक)

(2) श्री गुग्दयाल सिंह, पाल सिंह, सन्तोख सिंह व जमवन्त सिंह सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह निवासी ममराय, तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 16 डीफेंस कालोनी जालन्धर का तृतीय भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2355 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० पी० -1460:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती हरनाम कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह निवासी कुशी चहल जिला कपूरथला ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह, पाल सिंह, मन्तोख सिंह व जमबन्त सिंह सुपुत्र प्रीतम सिंह सुपुत्र राम सिंह निवासी समराय तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अभिधोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तृतीय भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2356, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 1461 --यत मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है। तथा को जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--
4-486GI/75

(1) श्री बलबीर सिंह गपुत्र श्री प्रीतम सिंह गात्र कशी चहल जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह, पाल सिंह, सन्तोख सिंह व जसवन्त सिंह सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह निवासी समराय जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तृतीय भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5210, अगस्त, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० 1462: —यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2855 जेन, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चद्विप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री सिध माल सुपुत्र श्री गुफतार मल निवासी रैनक बाजार जालन्धर।
(अन्तरक)
- (2) श्री जगदीश कुमार सुपुत्र अमृत लाल भल्याई एम-41 रास्ता मुहल्ला जालन्धर।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 62 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2855 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० 1463 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव कुराला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितिथी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्त में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वीर सिंह व बूटा सिंह सुपुत्र श्री हरी सिंह सुपुत्र श्री हाकम सिंह निवासी कुराला, तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री गुरवचन सिंह सुपुत्र श्री लखा सिंह सुपुत्र श्री गुलाब सिंह निवासी रेडू वर्तमान पता कराला तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिति)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2655 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 12 फरवरी, 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 1464 —यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3360 जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सहदेव सिंह सुपुत्र श्री राजेश्वर सिंह 187 सिविल लाईन जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार, अजय कान्त सुपुत्र धर्म पाल भार्गव श्री आर० एल० अग्रवाल । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) उस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3360 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० 1465 -प्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3361 जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सहदेव सिंह सुपुत्र श्री राजश्वर सिंह सिविल लाईन जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री धर्मपाल सुपुत्र श्री ईश्वर दाम मार्फत आर० एल० अग्रवाल एडवोकेट जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3361 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० पी० —1466:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव बल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदार सिंह, गिरधारा सिंह सुपुत्र श्री शिव सिंह निवासी बल तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मेवासिंह दलबीर सिंह सुपुत्र श्री ज्ञान सिंह, राम सिंह तीर्थ सुपुत्र श्री अबतार सिंह सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह निवासी बल तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2158, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० पी० - 1467:- यनः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बीरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री चरण जीत सिंह सुपुत्र श्री नरैन सिंह निवासी बस्ती बाबा खेल जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह ढिल्लों सुपुत्र श्री सन्त सिंह ढिल्लों निवासी नंगल कदार खां तहसील जालन्धर । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2330, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर

प्रकृप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश न० ए० पी० 1468—यत मुमे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मुकेरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेरिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंगल मल पुपुन लाला गुरदत्ता पल सुपुन श्री गंगा राम निवासी मुकेरिया तहसील हसूहा।
(अन्तरक)

(2) श्री स्वर्ण कुमार सुपुन हकीम गुरदाम राम सुपुन हकीम रला राम मेन बाजार मुकेरिया तहसील हसूहा
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 816 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेरिया में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश नं० ए० पी० -1469—प्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है। तथा जो बरनाला कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
5—486GI/75

(1) श्रीमती नरैन कौर विधवा श्री मखन सिंह सुपुत्र श्री कन्हैया सिंह निवासी बरनाला कलां तहसील नवांशहर। (अन्तरक)

(2) विशाल कापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाईटी लिमिटेड नवांशहर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्टर नं० 1692 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश नं० 1470—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा जो बंग में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवाशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री महेश चन्द्र, सतीश कुमार सुपुत्र श्री जगन नाथ बग्गा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष रानी पत्नी श्री राजकुमार (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1116/जून, 1975 कार्यालय रजिस्ट्रीकर्ता, नवाशहर में विलेख है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश नं० 1471—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव गोल पिंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री ज्वाला सिंह पुत्र श्री सेवा सिंह वासी गोली पिंड (अन्तरक)

(2) श्री हरजिन्द सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह गांव कन्डोला तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2386/जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश सं० 1472—यतःमुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र प्यारा सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र-सिंह, वासी गोराया तहसील फिलौर (अन्तरक)

(2) मैसर्स गुरवन्धन फार्म प्राइवेट लिमिटेड फगवाड़ा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1558, जन, 1975 कार्यालय रजिस्ट्रीकर्ता फिलौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश न० 1473—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि सूची में दिया गया है तथा
जो गोरया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृपाल सिंह सुपुत्र प्यारा सिंह वासी गोरया
तहसील फिलौर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुरुबखश फार्नेस प्रा० लि० फगवाड़ा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1266/जून, 1975, कार्यालय
रजिस्ट्रीकर्ता फिलौर में लिखा हुआ है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० 1474—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि सूचि में दिया गया है तथा जो
गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्रीमती रघुवीर कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह वासी
गोराया।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुरबख्श फाईनैन्स प्रा० लि० फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री सं० 1198, जून, 1975, कार्यालय रजि-
स्ट्रीकर्ता फिलौर में लिखा हुआ है।

रवीन्द्र कुमार;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० पी - 1475—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि सूचि में दिया गया है तथा जो
गोराया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती रघुबीर कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह बासी
गोराया (अन्तरक)
- (2) मैसर्स गुरुबख्श फार्मस प्रा० लि० फगवाड़ा
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री नं० 8431, जून, 1975 का रजिस्ट्री-
कर्ता, फिलौर में विलेख है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निदेश नं० ए० पी० - 1476 —यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुरंत किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्तातुः—

(1) श्री श्रीम प्रकाश सुपुत्र श्री श्रीम चन्द एन० ए० 355
किशन पुरा जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह सुपुत्र श्री दरबारा सिंह सुपुत्र श्री त्रिलोक सिंह और श्री सुरजीत सिंह सुपुत्र त्रिलोक सिंह सुपुत्र श्री खजाना निवासी बाई-पास जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2699 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० जे० जी० आर०/1304/75-76—प्रतः मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 87 कनाल 2½ मरले भूमि है तथा जो गांव झोराडा, तहसील जगरायों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरायों में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—486G1/75

(1) श्री सुन्दर सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह मुनाखा निवासी
गांव झोराडा, तहसील जगरायों

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री

1. अजैब सिंह

2. महिन्द्र सिंह

3. जोगिन्द्र सिंह पुत्र संता सिंह

निवासी गांव मलक, तहसील जगरायों जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

87 कनाल 2½ मरले भूमि

13½ मरले भूमि 3/4 भाग 18 मरले भूमि

खाता सं० 376/432, खसरा सं० 199/1-256/1 नमलक गांव की जमाबन्दी के अनुसार

भूमि 86 कनाल 8 मरले, खाता सं० 328/423, 329/424 आयात सं० 46 किला नं० 16/1, -16/2-16/3-25 आयात नं० 47, किला नं० 2/1, -3/1, -7/2-8/2-9-11-12/1-12/2-22-19/1-19/2-20-21, गांव झोराडा तहसील जगरायों 1971-72 साल की जमाबन्दी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2145 जुलाई, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगरायों के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश नं०:—यतः मझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 54 कनाल 10 मरले भूमि है तथा जो गांव रसूल पुरपर गना हाथुर, तहसील जगरायों में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरायों में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दधाल सिंह पुत्र श्री मल्ल सिंह निवासी गांव रसूल पुर परगना हाथुर तहसील जगरायों (अन्तरक)

(2) सर्वश्री

1 मुख्त्यार सिंह

2. करतार सिंह

3. दलबारा सिंह

4. अबतार सिंह

5. कप्तान सिंह

6. गुरबख्श सिंह पुत्राण पूरन सिंह

निवासी गांव रसूलपुर परगना हाथुर तहसील जगरायों, जिला लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

163 कनाल 10 मरले भूमि का 1/3 भाग 54 कनाल 10 मरले जो कि गांव रसूलपुर परगना हाथुर तहसील जगरायों में स्थित है।

खाता नं० 971/1362-1363, 972/1364-1365, 973/1366-1367 974/1368, आयत नं० 144, किला नं० 24-24-4-56-7-8-9-12-14-15-19-13-18-3/2-17-15, आयत नं० 145 किलानं० 21/1, आयात नं० 119 किला नं० 18/1-24-25-16-17, जमाबन्दी साल 1972-73.

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1268 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगरायों के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ दिनांक 11 फरवरी, 1976

निदेश न० बी० जी० आर०/सी० डी० एल० आई० डी०/
1348/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाली प्लॉट न० 63 है तथा जो इण्डस्ट्री-
यल एरिया नं० 1, मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० डी० एल० अफ० युनाईटेड लिमिटेड 40 एफ०
कनाट प्लेस, नई दिल्ली -110001

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जी० एस० भल्ला
2. श्री डी० एस० भल्ला पुत्राण बाबा संत सिंह भल्ला
मकान नं० डब्ल्यू एच० 200, जी० टी० रोड जालन्धर
शहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

खाली प्लॉट नं० 63, इण्डस्ट्रीयल एरिया नं० 1 मथुरा
रोड फरीदाबाद ।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 फरवरी 1976

निदेश नं० बी जी आर/(डी एल आई)/1336/75-76:—

अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खाली प्लॉट नं० सी०-1/11 है, तथा
जो सैक्टर -11 माडल टाउन, फरीदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० डी० एल० अफ० युनाईटेड लिमिटेड, 40-अफ०
कनाट प्लेस नई दिल्ली-110001.

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार तायर मकान नं० 1213 सैक्टर
8-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लॉट नं० सी०-1/11, सैक्टर-11, माडल टाउन
फरीदाबाद।

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 फरवरी 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 4465/75-76/एक्यू०/बी० :

यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12/1 व 12/2 का भाग है, तथा जो बंगलूर (डिवीजन नं० 38) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जून, 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों प्रतीत :-

- (1) श्री एन० वेंकटेशलु नायडु उर्फ एन० बी० नायडु सुपुत्र स्व० एस० नारायणस्वामी नायडु ।

(2) श्री बी० ओमप्रकाश (अन्वयक) प्रतिनिधि पिता व रक्षाकर्ता श्री एन० वेंकटेशलु नायडु नं० 73-क्रास रोड, टी० आर० मिल के पास, 5 मैन रोड चामराजपेट बंगलूर के निवासी ।

(अन्तरक)

2. श्री दयालु वैद्या सुपुत्र मूलशंकर वैद्या नं० 214 क्रास, जय धाम राज रोड बंगलूर -2

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

[हस्ताबेज सं० 1107/75-76 ता० 16-6-75] खाली जमीन का उत्तरी भाग—एस० नं० 12/1 व 12/2 जो अन्नहारा निम्नसान्द्र, बंगलूर (डिवीजन नं० 38) में स्थित ।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम :	उत्तरी भाग 92'
Do	दक्षिणी भाग 94'
उत्तर से दक्षिण :	पूर्वी भाग 34'
Do	पश्चिमी भाग 40'

सीमाएं :—

पूर्व :	सड़क
पश्चिम :	निजी संपत्तियां
उत्तर :	जमीन सं० नं० 9/1 खरीदने वाले का
दक्षिण :	सं० नं० 12/1 व 12/2 बेचने वाले का

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27 जनवरी, 1976
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/4631/75-76/एकमू०/बी०:—

यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 102 है, तथा जो के० जी० बैदरहल्ली गांव, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम प्रतिफल अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री ए० अन्तोणी मैकल सुपुत्र स्व० सुबेदार ए० मैकल नं० 2 चित्रस्वामी पिल्लै रोड जयभारती नगर, बंगलूर-53 । (अन्तरक)
- (2) श्री जनाब के० अब्दुल बासीन खान, सुपुत्र स्व० सत्तार खान, उपरीमंजिल नं० 22 सर्कुलर स्ट्रीट, बंगलूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कस्ता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

[हस्ताक्षर सं० 1279/75-76 ता. 17-6-75]—सं० नं० 102 के० जी० बैदरहल्ली, सिविल स्टेशन बंगलूर में जमीन-1 एकड़, 39 गुण्टास ।

सीमाएं :—

उत्तर: सं० नं० 79 में जमीन जो खायाम गुट्टेदार की है (अभी सड़क मुनिरेड्डिपालयम से चिह्नप्रा गाडन को जाने वाली

दक्षिण : ग्रामताना नामक खायाम गुट्टा मजेरे रामस्वामी पालय पूर्व: सर्वे नं० 101 (अभी नन्दिदुर्गा फास रोड) व ग्रामताना

पश्चिम: सं० नं० 103 जो के० जी० बैदरहल्ली विल्लेज सिविल स्टेशन का है ।

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27 जनवरी, 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4632/75-76/एचयू०/बी०:—

यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं० 96 नया नं० 115/220, 116/-
219, 117/218 व 118/27 है, तथा जो कब्बन पेट, मैन
रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 18 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्री टी० सुब्बारायप्पा सुपुत्र लिम्बया, नं० 16-15
क्रास कब्बनपेट, बंगलूर-2 (अन्तरक)
- (2) श्री बी० परमेश्वरय्या सुपुत्र श्री बास्य्या, मसर्ज
जनादना सिल्क हाउस पी० बी० नं० 6865, 4,
26 क्रास कब्बनपेट, बंगलूर, -2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[वस्ताब्जे सं० 1283/75-76 ता० 18-5-1975]

गृह नं० 96 (पुराना) नया नं० 115/220, 116/219,
117/218 व 118/27 का भाग जो कब्बनपेट मेन रोड
बंगलूर में स्थित है।

अब स्थान क्षेत्रफल:—

पूर्व : 14' }
पश्चिम : 33' } 940 वर्ग फीट
उत्तर : 40' }
दक्षिण : 40' }

सीमाएं:—

पूर्व : एल० आई० सी० मकान
पश्चिम : बेचने वाले की सम्पत्ति
उत्तर : बासप्पा पार्क रोड
दक्षिण : निजी सम्पत्ति

आर० कृष्णामूर्ति;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 22 जनवरी, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4641/75-76/एक्यू०/बी०:-
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 208 है, तथा जो कब्बनपेट मेन रोड
बंगलूर-2 (डिवीजन 43) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) कुमारी रीना दत्त सुपुत्री जी० एल० हट्ट नं० 125,
किलारी रोड, बंगलूर सिटी।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० चिक्क मुनियप्पा सुपुत्री पी० सी० राज-
प्पा, नं० 38 मोहिदीन साब लेन जुम्मा मजजिद
रोड क्रास, बंगलूर-2।

(अन्तरिती)

(3) आर० जे० अन्नोणी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1380/75-76 ता० 25-6-76]

मकान नं० 208, कब्बनपेट मेन रोड, बंगलूर-2 (डिवीजन
नं० 43)

अवस्थान क्षेत्रफल :-

पूर्व से पश्चिम	: उत्तरी भाग -43'
Do	: दक्षिणी भाग -47'
उत्तर से दक्षिण	: पूर्वी भाग -46'
Do	: पश्चिमी भाग -27'

$$\frac{43' + 47'}{2} \times \frac{46' \times 27'}{2} = 1642 \text{ वर्गफीट}$$

सीमाएं :-

पूर्व	: श्री राजमुदलियार का भवन
पश्चिम	: 7 क्रास
उत्तर	: कुमारी रीना दत्त का घर नं० 1/18
दक्षिण	: कब्बनपेट मेन रोड

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22 जनवरी 1976

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4485/75-76/एक्यू०/बी०:—

यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 133 है, तथा जो बिन्निमंगला ले-आउट (इन्दिरा नगर ले-आउट) बंगलूर-38 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—486GI/75

(1) श्री नोरबेर्ट जोसफ फिलिप वास (2) श्रीमति क्रिस्टियन फिलोमिना वास पत्नी नोरबेर्ट जोसफ फिलिप वास नं० 43 लिलिगटन स्ट्रीट, रिचमंड टाउन, बंगलूर-25 में रहने वाले। (अन्तरक)

(2) श्री के० नारायण नं० 3/4 'बी०' केल्वलाड रोड, फेसर टाउन, बंगलूर-5। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1124/75-76 ता० 28-6-75]

कोने का खामी अवस्थान नं० 133 बिन्निमंगला ले-आउट में (अभी इन्दिरा नगर ले-आउट में है), बंगलूर-38 में स्थित।
अवस्थान क्षेत्रफल

पूर्व से पश्चिम	: 61' . 6"	} 2440 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण	: 40'	

सीमाएं:—

उत्तर : अवस्थान नं० 134

दक्षिण : ले-आउट रोड

पूर्व : अवस्थान नं० 172 व

पश्चिम : ले-आउट रोड

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 28 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री टी० एल० वी० राव पुत्र श्री लक्ष्मणराव, निवासी जहांगीरबाद भोपाल (म० प्र०)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री किशन लाल लीला पुत्र श्री मुरली धर लीला, द्वारा 119, मालवीया नगर, भोपाल । (अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी० / भोपाल/76-77:—
अतः मुझे, वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 44 है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 44 के दक्षिण का आधा भाग जो कि 44 नम्बर मालवीया नगर, भोपाल में स्थित है ।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल.—अतः, मुझे वी० के० सिन्हा, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो तिधुरदी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री कमामत, श्री पासाक, श्री रजीम पुत्र की वीसुनगौर निवासी तिधुरदी दुर्ग ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशालता पति श्री रमेश कुमार श्रीमति प्रभा-जैन पत्नी रावेन्द्र जैन श्रीमति पुष्पालता पति वी० के० गुप्ता भिलाई नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2. 85 एकड़ कृषि भूमि जमीन स्थिति तिधुरदी गांव दुर्ग ।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०एकवी/भोपाल-76-77—अतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक मंजिल मकान है, जो दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, निवासी गंगा, तह० व जिला, दुर्ग । (अन्तरक)

2. श्रीमती बदामी बाई बेबा पत्नि सुख लाल जैन, निवासी जवाहर चौक, दुर्ग । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि मैथलपारा में स्थित है । मारुति मन्दिर के पास, वा० नं० 23 पी० एच० नं० 78, आर० नं० 269 तह० व जिला, दुर्ग ।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्स/भोपाल-76-77.—अतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी म० मकान है, जो कारबा में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ज्योति भूषण प्रताप सिंह निवासी प्रताप भवन, तिलक
नगर, चातापारा, बिलासपुर । (अन्तरक)
2. श्री मनोहर सिंह पुत्र केसर सिंह द्वारा दर्शन सिंह निवासी
रानी रोड, बिलासपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो रानी रोड, कोरबा में स्थित है ।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल-76-77:—अतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि व जमीन है, जो मुरार ग्वालियर में स्थित है (और इससे उभावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के नियम अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश प्रसाद पुत्र जगन्नाथ प्रसाद निवासी ठंडी सड़क, मुरार, ग्वालियर (अन्तरक)
2. मँमर्स ध्याम लेन्ड डीलर्स, नया बाजार, लखर, ग्वालियर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि व बिना कृषि वाली भूमि जो कि गोले के मन्दिर के पास मुरार में स्थित है ।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० ए० ए०/भोपाल-76-77—अतः,

मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है, जो मुरार ग्वालियर, में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री मुरारी लाल पुत्र श्री मुन्शी लाल गर्ग, निवासी ठंडी सड़क, मुरार (पन्तरक)
2. मैमर्स ग्याम लेड डीलर्स, दया बाजार, लखनऊ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि व बिना कृषि वाली भूमि, जो कि गोले के मन्दिर के पास मुरार में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-JII/जून-1/
26/8 24/75-76—यतः, भु०, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० डब्ल्यू-27 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और भु० यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में,
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाईटेड लि०, 40-एफ० कनाट
पलैस, नई दिल्ली, (अन्तरक)
2. मै० हिन्दुस्तान नैशनल ग्लास एण्ड इन्डस्ट्री लि०, बाहदुर-
गढ़ (रोहतक)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 1522 वर्ग गज है और
सं० डब्ल्यू-27 है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II,
बाहापुर गांव, दिल्ली की यनियन टैरीटरी, नई दिल्ली में है। यह
प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—रोड,
पश्चिम—कालोनी की सीमा,
उत्तर—प्लॉट नं० डब्ल्यू-29,
दक्षिण—प्लॉट नं० डब्ल्यू-25।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31 जनवरी, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आर०—111/8/8/
जून-1(20)/75-76—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एस०-523 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता 'अधिकारी' के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
4-6-75 को पूर्णतः।

प्रतिफल के सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्ध्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके
'बचने' में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—48601/75

1. मैसर्स डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि०, 40-एफ०,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती शशी बाहल, पत्नी श्री के० एन० बाहल, निवासी
एन०-194, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 474.6 वर्ग
गज है और नं० एस०-523 है, जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-
11, नई दिल्ली में, बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० एस०-525

पश्चिम—प्लॉट नं० एस०-523-ए०

उत्तर—रोड

दक्षिण—सर्विसलेन।

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, दिल्ली-1

4/14 ए, प्रासफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निवेशन० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/820(22)/75-76—
यतः, मझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-155 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात

1 म० डी० एल० एफ० यूनाईटेड लि०, 40-एफ०, कनाट पलैस नई दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्री एस० जस्वीन्द्र सिंह, सुपुत्र एस० धर्म सिंह, निवासी 2-ए०/140, सफदरजग एनक्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है और जिसका न० एम०-155 है, तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, बाहापुर गांव, दिल्ली कोर यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है—

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—रोड,

उत्तर—प्लॉट न० एम०-153

दक्षिण—प्लॉट न० एम०-157

च० वि० गुप्ते,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/821/जन-1/(23)/
75-76—प्रत., मुझे, च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० डब्लू०-19 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि०, 40-एफ०, कनाट
पलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्रीमती चरणजीत कौर बेदी, पत्नी श्री विश्वा मितर
बेदी, निवासी 15/14-ए०, तिलक नगर, नई दिल्ली-18
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 1005 वर्ग गज
है और नं० डब्लू-19 है, तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश
II, नई दिल्ली, बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० डब्लू-17

पश्चिम—प्लॉट नं० डब्लू-21

उत्तर—रोड़

दक्षिण—कालोनी सीमा।

च० वि० गुप्ते,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी 1976

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/1/857/जून-11/(30)/
75-76:—अतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट न० 9 तथा 10 का 1/3 भाग एन० डी०
एस० सी० पार्ट-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अथ 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामाधर, सुपुत्र श्री गयादीन प्रसाद, रामाधर एण्ड
क० का हिस्सेदार, 35, हनुमान गेड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राजीन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री सूरजमल, निवासी बहादुरगढ़;
(हरयाणा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 9 तथा 10 का 1/3 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 671 $\frac{1}{2}$
है, और जोकि एन० डी० एस० सी० पार्ट-I, नई दिल्ली, को-आप-
रेटिव, कालोनी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट न० 8 पर मकान,

पश्चिम—प्लॉट न० 11 पर मकान

उत्तर—सर्विस लेन, 15' चौड़ी

दक्षिण—रिन्ग रोड।

चं० वि० गुप्त,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2153/1073/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० प्लेट नं० 9 है, जो मुख्यसिपल मार्किट, रमेश नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपरान्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुभाष चन्द सेठ, सुपुत्र श्री देवकी नन्दन सेठ, निवासी
8901, नया मोहला पुल बंगला, दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष बाल बग्गा, पत्नी श्री सुदेश कुमार बग्गा,
निवासी 17/4, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 9, जिसका क्षेत्रफल 865.12 वर्ग फुट है और जोकि
मुख्यसिपल मार्किट, रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2123/1074/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 19 को पहली मंजिल है, जो लहना सिंह
मार्किट, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहणितः—

1. (1) श्री जगत राम, (2) ओम प्रकाश (3) मोती लाल,
सुपुत्र श्री गिरधारी लाल, निवासी फ्लैट नं० 19, लहना सिंह मार्किट,
सब्जी मण्डी, दिल्ली-1 इनके जरनल अटारनी श्री दिलबाग राय
बोहरा के द्वारा, सुपुत्र श्री एल० भगत राम बोहरा, निवासी 19,
लहना सिंह मार्किट, सब्जी मण्डी, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष बोहरा, पत्नी श्री दिलबाग सिंह बोहरा,
निवासी फ्लैट नं० 19, लहना सिंह मार्किट, सब्जी मण्डी, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

फ्लैट नं० 19 की पहली मंजिल जोकि 116 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लॉट पर बना हुआ है, जोकि लहना सिंह मार्किट, सब्जी मण्डी,
दिल्ली में है। यह फ्लैट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—फ्लैट नं० 18

पश्चिम—फ्लैट नं० 20

उत्तर—रास्ता

दक्षिण—मार्किट का खुला मैदान।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2107/1075/

75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एफ०-25, है, जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लाजवन्ती, विधवा पत्नी श्री भगवान दास, निवासी
ए०-5/55, मोती नगर, नई दिल्ली । अपने लिए, माताजी के लिए
तथा अपने सुपुत्र के लिए प्राकृतिक संरक्षक (1) जगमोहन (2)
सुरीन्द्र मोहन (3) श्रीमती प्रेमिला, निवासी (4) चन्द्र मोहन
(5) बबिन्द्र मोहन (6) सुशील मोहन । (अन्तरक)

2. श्रीमती हरबंस कौर सूरी, पत्नी एस० अर्जन सिंह सूरी,
निवासी ए०/2-59, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 262 वर्ग गज है और नं०
25, बलाक नं० "एफ०" है, राजौरी गार्डन कालोनी, नई दिल्ली,
बसाए धारापुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली में स्थित है । यह प्लॉट निम्न
प्रकार से स्थित है ।

पूर्व—प्लॉट नं० एफ०-38 पर मकान

पश्चिम—प्लॉट नं० एफ०-39 पर मकान

उत्तर—रोड़

दक्षिण—प्लॉट नं० एफ०-65 पर मकान ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/11/2132/1076/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० 17/2581 है, जो गली मन्दिर वाली, रन्जीत नगर, शादीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमरभी, सुपुत्र श्री मोतीबाई, निवासी 17/2581, रन्जीत नगर, शादीपुर, दिल्ली-8 (अन्तरक)

2. श्रीमती अनीता देवी, पत्नी श्री पारम राम, निवासी 2373/1ए, शादी खामपुर, नई दिल्ली-8 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, और नं० 17/2581 है, गली मन्दिर वाली, रन्जीत नगर, शादीपुर, दिल्ली में स्थित है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—अन्य जायदाद,

पश्चिम—आर्य समाज मन्दिर

उत्तर—रास्ता

दक्षिण—अन्य जायदाद।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/359/1077/75-76:—

यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए०-13 है, जो आजाद नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

9—486GI/75

1. श्रीमती बिल्ली, विधवा पत्नी श्री पदम सैन, निवासी ई०-15/10, कृष्ण नगर, दिल्ली-51, स्वयं के लिए तथा अपने सुपुत्र तथा गृपुत्री (नाबालिग) (1) कुमारी पूनम (2) कुमारी गिम्नानो (3) श्री आनणवर दत्त (4) श्री मनोज कुमार।

(अन्तरक)

2. श्री राम अग्रवाल (2) श्री अणवनी कुमार, सपुत्र श्री गोरी लाल निवासी 46/3-बी०/2, ईस्ट आजाद नगर, दिल्ली-51।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और प्लॉट नं० 13 है, खसरा नं० [974/287/1, ब्लॉक नं० 'ए०' है, और जोकि गोदली गांव, आजाद नगर की आबादी, शाहदरा, दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—गली,

पश्चिम—रोड़

उत्तर—प्लॉट नं० 11

दक्षिण—प्लॉट नं० 15

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ़ज़ली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2159/1078/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 39/14 है, जो रामेश नगर, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नष्टी
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सोहन लाल, सुपुत्र श्री राम प्यारा, निवासी 39/14,
रामेश नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष कुमारी, पत्नी श्री मत पाल दुग्गल, निवासी
एफ०-509, नरमपुरा, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 116 वर्ग गज है और नं० 39/14 है, रामेश
नगर, नई दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० 39/13

पश्चिम—प्लॉट नं० 39/15

उत्तर—रोड

दक्षिण—सर्विस लैन।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2116/1079/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० डी०-49 है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम लाल, सुपुत्र श्री साहिब राम, निवासी 2/51 ए०,
मोती नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राजीन्द्र सिंह, सुपुत्र एस० लाभ सिंह, निवासी डी०-
27, कीर्ती नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि 126 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ
है, जिसका नं० डी०-49 है, बाली नगर, नई दिल्ली में है। यह प्लॉट
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—प्लॉट नं० डी०-50

पश्चिम—प्लॉट नं० डी०-48

उत्तर—रोड 30'

दक्षिण—लेन 15'

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज II दिल्ली-1

4/14 क, आसफ़अली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/2084/1080/
75-76 --अन्तः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-10 का 1/4 भाग है तथा जो बाली नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जन, 1975 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् .--

1 श्रीमती सामुंती देवी, पत्नी श्री राजीन्द्र कुमार (2)
श्रीमती घोसरी, पत्नी श्री रामा नन्द चौधरी, निवासी बसाण दारापुर
गांव, दिल्ली । (अन्तरक)

2 श्री गियान चन्द, सुपुत्र श्री सत लाल, निवासी ए०-106,
शारदापुरी, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 312
वर्ग गज है, और न० ई०-10, बाली नगर, गांव बसाण दारापुर,
दिल्ली में है । यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है --

पूर्व --प्लॉट न० 11

पश्चिम--प्लॉट न० 9

उत्तर--रोड तथा पार्क,

दक्षिण--गली 15'

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 13 फरवरी 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोज II, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/1081/360/75-
76.—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25-6/सी० है तथा जो ईस्ट आजाद नगर, शाहदरा,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जीवन पुरी, पत्नी श्री देवी दयाल पुरी, निवासी बी०-
बैंक पटियाला । श्री गोपाल कृष्ण के द्वारा, सुपुत्र श्री देवी दयाल
पुरी, निवासी बी०-बैंक, पटियाला (जनरल पावर आफ अटारनी)
(अन्तरक)

2. श्री बाबु दया किशन, सुपुत्र श्री रामजी दास, निवासी
109/7, तिलक बजार, खारी बावली, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

एक मजिला मकान जोकि 210 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर
बना हुआ है, जिसका खमरा नं० 734/152-153 है, और नं०
25/6-सी० है, ईस्ट आजाद नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी 1976
मोहर ।

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्ज०/II/2179/1082/75-76:—अतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4/82 है तथा जो रामेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहिन्द्र लाल, सुपुत्र श्री बालमुकुन्द, निवासी 4/82, रामेश नगर, दिल्ली। इनके जरनल पावर आफ अटारनी श्री अमर सिंह के द्वारा, सुपुत्र श्री, परदुमन सिंह निवासी, 4/82, रामेश्वर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती जीत कौर, पत्नी श्री अमर सिंह, निवासी 4/82 रामेश नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, और नं० 4/82 है, रामेश नगर, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

(1) श्री आर० दामोतरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० किशन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० एफ० 2550/75-76—यतः मुझे, जी० बी० शावक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 16/110 से 112 तक और डोर सं० 17/113 से 116 तक है तथा जो नावाब हकिम रोड और इसमें ल राउतर स्ट्रीट में स्थित है (और इसमें उपावः अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1, कोयम्बतूर ('डाबुमण्ट' 2578/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर टाउन, नावाब हकिम रोड और इस्मायिल राउतर स्ट्रीट डोर सं० 16/110 से 112 तक, डोर सं० 17/113 से 116 तक (भूमि और मकान) जिसका टी० एस० सं० 618, 619 वार्ड सं० 2 ।

जी० बी० शावक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख : 6-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एस० वैद्यनाथन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) प्रिमियर सिस्म (सि० बि० इ०) निगिटेड
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1976

निदेश सं० एफ० 2558/75-76—यतः मुझ, जी० बी०
साबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 10/1776/1 है तथा जो
रामनाथपुरम, कोयम्बतूर (23½ सेण्ट) में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, जे० एस० आर०
I, कोयम्बतूर ('डाकुमेण्ट' 2215/75) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर टाऊन, रामनाथपुरम में 23½ सेण्ट
जिसका टी० एस० सं० 10/1776/1।

जी० बी० साबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख: 6-2-1976

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1976

निर्देश सं० एफ० 2558/75-76- यत् मुझे, जी० बी० झावक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० सं० 10/1776/1 है तथा जो
रामनातपुरम, कोयम्बतूर (23-1/2 सेण्ट) में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०
I, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 2216/75) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
10—486GI/75

- (1) 1. के० एस० रामनातन ;
2. के० आर० सुब्रमनियम ;
3. आर० राममूर्ति ;
4. के० एस० चन्द्रसेकरन ;
5. के० एस० रामरत्नम (मैनर) (अन्तरक)

- (2) प्रिमियर मिल्स (सि० बि० इ०) लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर टाऊन, रामनातपुरम में 23-1/2 सेण्ट की
भूमि जिसका टी० एस० सं० 10/1776/1।

जी० बी० झावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II मद्रास

तारीख : 6-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश सं० IX/1/46/75-76—यतः मुझे, जी०
रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 44 है, जो पारीश बेंकटाजल अयर स्ट्रीट,
मदरास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मदरास (पत्र सं० 4915/75) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून,
1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० ए० एम० शमसुद्दीन एस० ए० एन० फरूक
और एस० ए० एम० जमालुद्दीन (अन्तरक)

(2) श्री बी० पी० मुत्तुकुमारसामि और आदि, 10,
कस्तूरी रंग अयंगर रोड, मदरास-18। (अन्तरिती)

(3) सर्वश्री 1. बी० स्त्रुमनियम और ए० आर० एस०
सतुरामन 2. एच० एम० नित्यामुदीन, 3. इन्दिया
टेक्स्टैलस 4. मदरास गिलास और फ्लैऊड डेपो, 5.
एस० जानी पाशा 6. एन० पी० साहल हमीद, 7.
मुजावर और को। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मदरास-1 पारीश बेंकटाजल अयर स्ट्रीट डोर सं० 44
(आर० एस० सं० 5529/2) में 1974 स्कुयर फीट की
भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 9-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश सं० IX/1/51/जून/75-76—यत, मुझे, जी० रामनातन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 73 है, जो नारायण मुदली स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 4188/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री टी० वी० बालस्वमिनिय, चट्टी, मद्रास-1 (अन्तरक)
- (2) श्री वी० वेदाचलम, मद्रास-1 (अन्तरिती)
- (3) श्री पान्ड्या अड को ; मीरान स्टोरस, मनमल, बनसाली, रूपचन्द और रघन (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, नारायण मुदली स्ट्रीट डोर सं० (पट्टा सं० 10802) में 1890 स्क्वयर फीट की मूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख . 9-2-1976
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश सं० IX/1/55/(जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3 है, जो राजरत्नमन स्ट्रीट मद्रास-10
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित,
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं०
4538/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 21-6-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० सेलवरामन और आदि, मद्रास-10
(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० श्रीनीवासन 3, राजरत्नमन स्ट्रीट,
मद्रास-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, राजरत्नमन स्ट्रीट डोर सं० 3 (आर०
एस० 156) में 4 अकड़स और 322 स्क्वियर फीट की
भूमि (भकान के साथ)।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 9-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निदेश सं० IX/4/14(जून)/75-76—प्रतः, मुझे, जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 4 है, जो पेरुमाल मुदली स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 500/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पी० एस० सेरवर, मद्रास-1 (अन्तरक)
- (2) श्री रामलाल और लक्ष्मीचन्द मद्रास-1 (अन्तरिती)
- (3) श्री रंका अन्ड को० के० बाबुलाल
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-1 पेरुमाल मुदली स्ट्रीट डोर सं० 4 में 666 स्क्वयर फीट की भूमि और भूकान (आर० एस० सं० 10684/2, 10684/3 आर० 10683/1) ।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 9-2-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश सं० IX/4/15/75-76—पतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3 है, जो पेरुमाल मुदली स्ट्रीट, मदरास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदरास (पत्र सं० 499/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) पी० एस० दुरे और आदि, मदरास-10 (अन्तरक)

(2) कुन्डनमल और सीताराम, मदरास-1 (अन्तरिती)

(3) श्री रंका अन्ड को वीर चन्द, कुन्डनमल बसराज रमेश ट्रेडर एस० कक्षप्प पिल्लै अन्ड को०।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शेष कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदरास-1 पेरुमाल मुदली स्ट्रीट डोर सं० 3 में 666 स्क्वयर फीट की भूमि और मकान (आर० एस० सं० 10683/2)।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 9-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राक्षकपन और आदि, नाद्रसनकाटै
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चेल्लम, सूरकुलम (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1976

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;निदेश सं० IX/9/1 (जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 452, 454, 456, 458, 460, 465, 466, 467 और 468 है, जो विलयनोडै गावाँ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माना-मदुरै (पत्र सं० 764/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

सूरकुलम, विलयनोडै गावाँ, एस० सं० 452, 454, 456, 458, 460, 465, 466, 467 और 468 में 71.60 एकर की भूमि।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-2-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1976

निदेश सं० X/4/74(जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनातन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एस० सं० 82/3ए०1 है, जो अलगपूरि
गाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्नमनूर
(पत्र सं० 2189/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० एस० राजू और आदि (अन्तरक)

(2) श्री वी० मोहन पन्नैपुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अलगपूरि गाव सरबे सं० 82/3ए०1 में 5.20 एकर
खेती की भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 11-2-1976
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1976

निदेश सं० X/4/76(जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 82/3ए० 1 है, जो अलगपूरी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्नमनूर (पत्र सं० 2191/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11-486GI/75

(1) श्री एम० एस० राजू और आदि, रायप्पनपट्टी (अन्तरक)

(2) श्री पी० टी० बडीवेल गौडर पन्नैपुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अलगपूरी (अप्पुपट्टी) एस० सं० 82/3ए० 1 में 5.20 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 11-2-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1976

निदेश सं० X/4/76(जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 82/3ए० 1 है, जो अलगापूरी गांव
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्नमनूर
(पत्र सं० 2190/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्री एम० एस० राजू और आदि (अन्तरक)

(2) श्री बी० विजय कुमार, पन्नैपुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अलगापूरी गांव एस० सं० 82/3 ए० 1 में 5.20
एकर खेती की भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 11-2-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एन० रामानुजम दिन्डुक्कल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती बी० वीमला, दिन्डुक्कल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश सं० VI/1/106(जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनातन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० सं० 356/1बी० है, जो दिन्डुक्कल
में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिन्डुक्कल (पत्र सं० 471/75) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-6-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिन्डुक्कल बार्ड 2 टी० एस० सं० 365/1 बी० में
5600 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-2-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश स० IX/6/12(जून)/75-76—यतः, मुझे,

जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० आर० एस० स० 455/2 है, जो पूनमल्ली
है रोड मदरास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मदरास (पत्र स० 613/73) में रजिस्ट्री-
कर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती (1) पी० टी० कल्याणी अम्मा, अक्करा
पोस्ट, श्रीमती पी० टी० श्री देवी अम्मा के द्वारा 1 और पी०
टी० श्रीमती श्रीदेवी अम्मा (अन्तरक)

(2) सी० अब्दुल रहमान और को० मदरास-3
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अकसूची

मदरास, पूनमल्ली है रोड, आर० एस० स० 455/2
(भाग) में 2 एकड़ और 1725 स्क्वियर फीट की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख . 12-2-1976
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती मल्लीकाम्बाल, मदरास-4 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जे० राजेश मदरै-2 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1975

निदेश सं० X/12/74(जून)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2, टी० एस० 2782 है, जो चाक्कीकुलम मदरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (पत्र सं० 1910/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थायीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदरै, चाक्कीकुलम, वार्ड 6, टी० एस० 2782 में
16-1/4 सेन्ट की खाली भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 12-2-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती मल्लीकाम्बाल मैलापूट मद्रास-4।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमती गीता जगदीसन मदरै-2।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० X/12/80(जून)/75-76—यतः, मुझे,

जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2, टी० एस० 2782 है, जो चोक्कीकुलम मदरै में स्थित है (इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (पत्र सं० 1943/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदरै, चोक्कीकुलम, बार्ड 6, टी० एस० 2782 प्लॉट सं० 2 में 16 सेन्टस की खाली भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-2-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० XVI/6/100(जून)/75-76---यतः, मन्त्र
जी० रामनाथन

1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० आर० एस० सं० 73/2 है, जो नारैकिनर गाँव
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपेट्टे में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-6-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री कुल्लन साम्बान, और आदि।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० रत्न सबापती, नारैकिनर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति या पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जा भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, नारैकिनर गाँव रिबैस्ट सर्वे सं० 73/2
में 6.16 एकर खेती की भूमि में आधा भाग)।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-2-1976
मोहर :

प्रथम आई० टी० एम० एल०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० XVI/6/101 (जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामानाथन,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 73/2 है, जो नारैकिनर गांव सेलम जिल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपेट्ट (पत्र सं० 651/7) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, 16-6-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की संख्या उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित के कर्तव्य करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त

(1) श्री कुल्लम साम्बान और आदि।

(अन्तरक)

(2) श्री चिन्नसामि नायडु नारैकिनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला नारैकिनर गांव आर० एस० सं० 73/2 में 6 16 एकड़ खेती की भूमि में आधा भाग।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12 फरवरी 1976
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

(1) अप्पर ट्रस्ट 19, चेन्नलम्माव स्ट्रीट, मद्रास, 29 ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना(2) श्री एम० तिरुनायुक्कण्मु 42, बेल्लाल स्ट्रीट, मद्रास-
29 ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) श्री एम० वी० श्याम गोमेयन ।

अर्जन रेज-I मद्रास

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० IX/6/17(जून)/75-76—यतः, मुझे जी०
रामानाथनको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;और जिसकी सं० आर० एम० सं० 231 है, जो पुनगल्ली है रोड,
मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं०
639/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1 जून 1975 को(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

अनुसूची

मद्रास, पुनगल्ली है रोड आर० एम० सं० 231 में एक प्राउन्ड
और 1434 स्क्वियर फीट की भूमि ।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

जी० रामानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) अप्पर ट्रस्ट मद्रास-29।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० तिरुनावुक्करसु, मद्रास-29।

(अन्तर्गति)

भाग्य भण्डार

(3) श्री गार्गो की० भाय गार्गेगवन।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निदेश सं० IX/6/18 (जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गार्गो एस० 231 है, जो नयी आवडी
रोड मद्रास में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मद्रास (पत्र सं० 640/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) जून, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, नयी आवडी रोड गार्गो एस० सं० 231
में एक ग्राउन्ड और 18.00 स्क्वियर फीट की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 13-2-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० 1/118 7-C/जून, 75—अतः मुझे वी० आर० अमिन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० न० 1075 (अण), 1076 (अण), 1077 (अण) 1078 (अण) लोअर परेल डिस्ट्रिक्ट है, जो फायनल प्लॉट न० 1091 न्यू प्रभादेवी रोड में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10 जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दत्तात्रय राजाराम बेलहाल (अन्तरक)

(2) श्री उदयचंद भार्गव गेगण (अन्तरिती)

(3) किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई जिले के रजिस्ट्रेशन उाजिले दादर में न्यू प्रभादेवी रोड पर स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा मैदान (आउण्ड) का वह तमाम भाग जो कि माप में 3087 वर्गगज अथवा उसके समकक्ष है तथा जो 2580 43 वर्गमीटर अथवा उसके लगभग है (भू-खण्ड पर अब बनी हुई सरचनाओं को छोड़कर) उस पर बनी गृहवाटिकाओं, आवासीय भवनों (टेनमेंट्स डवेलिंग हाउस) फैक्टरी इमारतों सहित, जिसका टाउन प्लानिंग स्कीम-4, न्यू प्रभादेवी रोड, बम्बई की फाइनल प्लॉट सं० 1091 है तथा जिन पर कलक्टर की पुरानी सख्याएँ 468 और 374 तथा नई सख्याएँ 1ए/2470 और 4118 तथा पुरानी सर्वेक्षण सं० 559 तथा 561 और नई सर्वे सख्या 1ए/1698 तथा 2/1698 अंकित हैं, और लाइन परल डिस्ट्रिक्ट की केंद्रीय सर्वे सख्याएँ 1075 (अण) 1076 (अण), 1077 (अण), 1078 (अण) अंकित हैं, तथा जिसका निर्धारण म्युनिसिपल दर और कर, (रेट्स एण्ड टैक्स) असेसर और कलक्टर द्वारा 'जी' वर्ड सख्याएँ 2983 (1), 2983 (3) और 2983 (4) और स्ट्रीट सख्याएँ 1138, 109-109ए तथा 111-113 के अधीन किया गया है, वह इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 90 फुट चौड़ी सड़क है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर मेमन नूरमहमद हाजी सुलेमान की प्रायर्ती है, अर्थात् स्टैंडर्ड मिल्स लिमि० की प्रायर्ती है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर उपरोक्त न्यू प्रभादेवी रोड और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर जमीन का वह खंड है जो कि पहले विक्रेता और क्रेता (वेडर और पचेमर) की थी और उसके बाद हरिश्चन्द्र धनजी की भूमि है।

वी० आर० अमिन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख . 5-2-1976

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० पी० पी० बधवानो ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री घनश्याम दास बालचन्द और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

निर्देश सं० आई 1/1192-11/जून 75—अतः मुझे वी० आर० अग्रिन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० टी० एन० नं० एफ० 1128 'ग' है, जो बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन जिले बान्द्रा के साउथ सालसेट तालुका में टर्नर रोड पर स्थित अविभाज्य जमीन या मैदान और उसपर बनी इमारत सहित वह भाग जो कि माप में 51.18 वर्गमीटर (56 वर्गगज) है, तथा ब्लाक 'ए' के ग्राउण्ड फ्लोर की शीप सं० 17 और फ्लैट सं० 31 है, उस समूचे भूमि के प्लॉट की पुरानी सर्वे सं० 235-ए हिस्सा नं० 1 और सर्वे सं० 235-ग और एन० ए० एस० नं० 235/2 तथा सी० टी० एन० नं० एफ० 1128 ए है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

वी० आर० अग्रिन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, बम्बई

दिनांक : 5 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई०-1/1208-12/जून 75 —अतः, मुझे,
बी० आर० अमिन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० पी० 1128-ए० है, जो
टर्नर रोड, बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 28-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुधरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री धनश्याम दास बालचंद और अन्य । (अन्तरक)
2. श्रीमती हमीना एम्० पारकर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन जिले बान्द्रा के साऊथ
मालसेट तालुका में टर्नर रोड पर स्थित श्रविभाज्य जमीन या मैदान
और उस पर बनी इमारतों सहित वह भाग जो कि माप में 51.18
वर्ग मीटर (56 वर्ग गज) है तथा ब्लाक 'ए' के ग्राउंड फ्लोर की
गाप सं० 17 और प्लेट सं० 31 है । इस समूचे भूमि के प्लॉट की
पुरानी सर्वे सं० 235-ए०, हिस्सा सं० 1 सी० एस० टी० सं० और
सर्वे सं० 235-बी० हिस्सा सं० 2, सी० एस० टी० सं० है ।

बी० आर० अमिन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-I, बम्बई

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई०-1/1193-12/जून-75 —अतः, मुझे,
बी० आर० अमिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 247 मन्नाबाद और तंगगा में
ठिन्हीजन है जो रिज रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, 7-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री प्रवीण कुमार रवीलाल ठक्कर । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती कमलिनी चपक लाल मोदी और अन्य । (अन्तरिती)
- 3 किराणदार ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची-1

बम्बई द्वीप, बम्बई रजिस्ट्रेशन उपजिले में रिज रोड के पश्चिम में अवस्थित लगभग 1336 वर्गगज अर्थात् 1117 02 वर्ग मीटर या उसके आसपास का पेशन और करमुक्त वह समूचा भू-भाग अथवा भूखण्ड या भूस्थल उसपर बनी गृहवाटिकाओं और रिहायशी मकानों समेत जो भू-राजस्व समाहर्ता की पुस्तकों में न्यू न० 2711 न्यू सर्वे न० 7186 (अशत) दर्ज है और पालिका दर और कर समाहर्ता की पुस्तकों में 'डी' वार्ड न० 3196 (2) और 3196 (2-ए) और स्ट्रीट न० 36 रिज रोड और न० 1 विटर रोड के अधीन दर्ज है और जिसका मलबार और कबाला प्रभाग कंडेस्टरल सर्वे न० 247 है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं, अर्थात् पूर्व में या पूर्व दिशा की ओर रिज रोड से, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर किशन लाल मगनलाल हंगोबिन्ददास की सम्पत्ति में, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर विटर रोड और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर लालजी डूगरसी और जाधवजी डूगरमी की सम्पत्ति में जो अब गोरधनदास जाधवजी रुपरेल तथा अन्य से सम्बद्ध है ।

अनुसूची-2

बम्बई नगर और रजिस्ट्रेशन उपजिले में रिज रोड स्थित एक एक अवस्थित पेशन और टेक्स टेन्योर (धारण मुक्त) का वह समूचा भूखण्ड अथवा भू-भाग जो क्षेत्रफल में 1005 वर्ग गज अर्थात् 840 28 वर्ग मीटर अथवा उसके आसपास है, पर उसमें से 55 वर्ग गज अर्थात् 45 95 वर्ग मीटर या उसके करीब मुजरा करके 950 वर्ग गज अर्थात् 784 29 वर्ग मीटर अथवा उसके करीब रह गया है, और जिसे समाहर्ता का नया न० 2711 (अश) नया सर्वेक्षण स० 7186 (अश) और मलबार तथा कबाला हिल प्रभाग का सी० एम० न० 247 (अश) दिया गया है—उस पर बनी गृहवाटिकाओं इमारतों समेत जिसको पालिका 'डी' वार्ड न० 3196 (2) स्ट्रीट न० 36 रिज रोड दिया है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं पूर्व में अथवा पूर्व की ओर रिज रोड से, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर कान्ती रतीलाल टल्लर की सम्पत्ति और वहां बने 'आरती' नामक भवन से, उत्तर में या उत्तर की ओर विटर रोड से और अशत उपर्युक्त 'आरती' से और दक्षिण में या दक्षिण की ओर गोरधनदास, जाधवजी रुपरेल तथा अन्य की सम्पत्ति से । दूसरे पेशन और टेक्स टेन्योर का वह समूचा भू-भाग और भूखण्ड ।

बी० आर० अमिन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख 13 फरवरी, 1976
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन गुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई०-1/1206-10/जून-75:—अतः, मुझे,
वी० आर० अग्रिन,

1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एम० सं० 1219 लोअर परेल डिव्हीजन है, जो ओल्ड प्रभादेवी रोड में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रेना रोझरिओ । (अन्तरक)
2. बैभव आपार्टमेंट्स को० प्रा० हाऊसिंग सोसायटी लि० । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बम्बई रजिस्ट्रेशन के उप जिले एवं जिले में ओल्ड प्रभादेवी रोड, दादर में वह समूचा भू-भाग अथवा भूखंड या पैतृक भू-स्थल एवं परिसर जिसका नगर नियोजन योजना बम्बई नगर सं० 4 (माहिम क्षेत्र) (फाइनल) का फाइनल प्लान नं० 877 और लोअर परेल डिव्हीजन का कंडेस्टल सर्वे नं० 1219 है— उस पर बने परिगृह और 3 बाह्य गृहों समेत म्युनिसिपल 'जी' (उत्तरी) बार्ड नं० 2750-51, 2752 और 2752 (1ए) और स्ट्रीट नं० 215-216-27 बी०, 27 बी० ए० ओल्ड प्रभादेवी रोड और माप लगभग 2120 वर्ग गज यानि लगभग 1772.595 वर्ग मीटर के समकक्ष है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं, अर्थात् :—

- | | | |
|----------------------------|---|---|
| उत्तर में या उत्तर की ओर | : | उक्त योजना के फाइनल प्लान नं० 876 के परिसंपत्ति । |
| दक्षिण में या दक्षिण की ओर | : | उक्त योजना के फाइनल प्लान नं० 878 की परिसंपत्ति । |
| पूर्व में या पूर्व की ओर | : | 40 फीट चौड़ी प्रस्ताविक सड़क से । |
| पश्चिम में या पश्चिम की ओर | : | अंशतः ओल्ड प्रभादेवी रोड और अंशतः उक्त योजना के फाइनल प्लान नं० 879 । |

वी० आर० अग्रिन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 13-2-1976
मोहर .

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई०-1/1306-17/जून-75---अतः, मुझे,

बी० आर० अभिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 280 हिस्सा नं० 3 सर्वे नं० 281, हि० नं० 8, सर्वे नं० 281, हि० नं० 10 है, जो बान्द्रा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सेन्ट विन्सेन्ट डि पाल्स को० आप० हा० सो० लिमि०, गार्डन हाउस नं० 2, 1 रोड, खार बम्बई-52। (अन्तरक)
2. ग्लैक्सो स्टाफ को० आप० हा० सो० लिमि० बरली, बम्बई-25। (अन्तरिती)
3. श्री राम चन्द्र जाधव (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई उपनगर के जिला बान्द्रा के रजिस्ट्रेशन उपजिले बान्द्रा में स्थित एवं अवस्थित कृषि भूमि का वह तमाम भाग अथवा खण्ड जो कि माप में सी० टी० सर्वे रिकार्ड के अनुसार 13477.27 वर्ग गज (अर्थात् 11268.17 वर्ग मीटर) है तथा जिसका सर्वे सं० 280 हिस्सा सं० 3, सर्वे सं० 281 हिस्सा सं० 8, और सर्वे सं० 281 हिस्सा सं० 10 और सी० टी० सर्वे संख्याएं बी०/1038, बी०/1046 तथा बी०/1041 अंकित हैं तथा जिसका निर्धारण म्युनिसिपल दर और कर के अमेसर और कलक्टर में 'एच' वर्ड सं० 1130(1) तथा (1ए) स्ट्रीट संख्याएं 27 डी० और 27 डी०ए० माउंट मेरी रोड के अधीन किया है तथा जो इस प्रकार से सीमाबद्ध है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर और अंगतः सर्वे सं० 281 हिस्सा नं० 7 (पार्ट) है जो कि पहले स्वर्गीय श्रीमती शिरीनबाई एन० जे० डेडी की थी, अंगतः सर्वे सं० 281 हिस्सा सं० 9 और हिस्सा नं० 7 (पार्ट) है जो कि पहले जोन एडवर्ड डि'मेलो की थी, अंगतः सर्वे सं० 281 हिस्सा नं० 5 है, जो कि पहले अग्नेस फरीदा तथा अन्य से संबंधित है और अंगतः सर्वे सं० 281 हिस्सा सं० 6 है जो कि उपर लिखित स्व० श्रीमती शिरनबाई एन० जे० डेडी की थी, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर अंगतः एन० ए० नं० 195 है जो कि माउंट मेरी चैपेल की है और अंगतः सर्वे सं० 280 हिस्सा सं० 4 (पार्ट) है जो कि पहले स्व० श्री ई० जे० रिबेलो की थी तथा अंगतः सर्वे सं० 280 हिस्सा सं० 4 (पार्ट) जो कि पहले मारिणबाई और होरममजी मोदी की थी अंगतः सर्वे सं० 281 हिस्सा नं० 11 है जो कि पहले बेहराम खोदाबद ईरानी की थी तथा अंगतः सेन्ट जोन बाप्टिस्ट रोड है और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर सर्वे सं० 280 हिस्सा सं० 2 है जो कि डा० सेसिल डि'मोन्टे से संबंधित है।

बी० आर० अभिन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 1, बम्बई

तारीख : 13 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1976

निर्देश सं० ए० आर० IV-ए० पी०/211/75-76:—

अतः, मुझे, श्री जी० ए० जेम्स, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० सर्वे शीट नं० 15, चातला नं० 16, सर्वेक्षण नं० 60, हिस्सा नं० 1 जो माप में 7617 वर्ग गज (6371.6 वर्ग मीटर) है जो, नर सोग गाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीपद शामराव मदन,
2. कुमारी कालीनदी शामराव मदन,
3. कुमारी प्रमोदिनी शामराव मदन,
4. कुमारी शालीनी शामराव मदन ।
5. श्रीमती सरोज अलासींगर अजी (पूर्व कुमारी सरोजिनी मदन) ।
6. श्रीमती सुबोध नागराज (पूर्व कुमारी सुबोधिनी मदन) ।

13—486GI/75

7. श्रीमती वीलासीनी मन्दाकुमार दादारकर (पूर्व कुमारी वीलासीनी मदन) ।

सभी, 101 'रीटा' बी०, हरसापार्क, चंदावरकर लेन, बोरीबिली (पश्चिम) बम्बई-400092 ।

2. अन्जुमन-आई-ईसलाम 92 डा० वादाभाई नवरोजी रोड, बम्बई-400001 ।

1 और 2—श्रीवरानजी और प्रीयदरशीनी

(नाबालक लडकिया, श्रीपद शामराव मदनके, उनके पालक श्रीपद शामराव, मदन और उनके पत्नी उमा) ।

3. श्रीमती उमा मदन, श्रीपद शामराव मदन की पत्नी सभी—101 'रीटा' बी०, हरसापार्क, चंदावरकर लेन, बोरीबिली (पश्चिम), बम्बई-400092 ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बम्बई सबरबन, बम्बई सीटी और जिला और उपजिला में रजिस्टर्ड और बरसोबा ग्राम में स्थित वह तमाम भूमि या जमीन का टुकड़ा जो माप में लगभग 7617 वर्ग गज या 6371.6 वर्ग मीटर के समकक्ष है, जिसका सर्वे शीट नं० 15, चलता नं० 16, सर्वेक्षण नं० 60, हिस्सा नं० 1, सी० टी० सर्वेक्षण नं० 1114 है और जिसका निर्धारण बम्बई मुनिसीपल कारपोरेशन के वार्ड नं० 7118 और अम्बोली रोड के स्ट्रिट नं० 60 के अधीन किया गया है, और जो इस प्रकार से घिरा हुआ है, पूर्व की ओर पब्लिक रोड है पश्चिम की ओर रास्ता है, उत्तर की ओर कासम जान अहमद का हिस्सा है, और दक्षिण की ओर हाजी गुलाम हुसेन का हिस्सा है ।

जी० ए० जेम्स,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 11 फरवरी, 1976 ।

अर्जन रेंज 4, बम्बई

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश स० राज/सहा० आ० अर्जन/309—यत, मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० मुरब्बा न० 29, है तथा जो 15 बी० बी०, पदम-
पुर में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में,
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17 जन, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री करम सिंह पुत्र श्री सुरेन सह निवासी ग्राम 15 बी०
बी०, तहसील पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरक)

2 श्री हरीचन्द पुत्र श्री दूनीचन्द अरोडा, निवासी चकमडी
पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा न०
29 में से 6 1/4 बीघा मचित कृषि भूमि जो कि उप पजीयक,
पदमपुर द्वारा 17-6-1975 को पजीयक विनियम पत्र में और अधिक
विस्तृत रूप में विवरणित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 7 फरवरी, 1976
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश स० राज०/सहा० आ० अर्जन/310—यत, मुझे, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स० मुरब्बा न० 29 है तथा जो पदमपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पदमपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री करम सिंह पुत्र श्री सुरेन सिंह निवासी ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरक)

2 श्री रामदितामल पुत्र श्री दूनीचन्द अरोड़ा, निवासी चकमडी पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा न० 29 में से 6 1/4 बीघा संचित कृषि भूमि जो कि उप पजीयक पदमपुर द्वारा 17-6-75 को पजीबद्ध विक्रय पत्र में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख . 7 फरवरी, 1976
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा०/अर्जन/311:—यतः, मुझे, सी० एस०
जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 29 है तथा जो 15 बी० बी० पदमपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग क अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करम सिंह पुत्र श्री सुरेन सिंह निवासी ग्राम 15 बी०
बी०, तहसील पदमपुर, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)

2. श्री बालकिशन पुत्र श्री दूनीचन्द अरोड़ा निवासी चकमंडी
पदमपुर, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा नं०
29 में से 6 1/4 बीघा सिंचित कृषि भूमि जो कि उप पंजीयक पदम-
पुर द्वारा 17-6-1975 को पंजीबद्ध विक्रय-पत्र में और अधिक
विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/312:—अतः, मुझे,
सी० एन० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-
नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 18 है तथा जो 15 बी० बी पदमपुर,
में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था;
छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करम सिंह पुत्र श्री सुरेन सिंह निवासी ग्राम 15 बी०
बी०, तहसील पदमपुर जिला श्री गंगानगर । (अन्तरक)

2. श्री मुरारीलाल पुत्र श्री दूनीचन्द शरोड़ा निवासी चकमन्डी
पदमपुर-जिला, श्री गंगानगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा नं० 18
में से 5 बीघा 8 बिस्वा सिंचित कृषि भूमि जो कि उप पंजीयक
पदमपुर द्वारा 17 जून, 1975 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
अधिक विस्तृत रूप में विवरणित है ।

सी० एन० जैन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश स० राज०/सहा० आयु अर्जन/313---यत, मुझे,
सी एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० मुरब्बा न० 18 है तथा जो 15 बी० बी०, पदमपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय पदमपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री करम सिंह पुत्र श्री मुरेन सिंह निवासी ग्राम 15 बी० बी० तहसील पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरक)

2 श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री हनीचन्द अरोडा निवासी चकमडी पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम 15 बी० बी० तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा न० 18 में से 8 बोधा 10 बिस्वा सिंचित कृषि भूमि जो कि उप पञ्चयक, पदमपुर द्वारा 17-6-1975 को पञ्चयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 7 फरवरी, 1976
मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/314—य०.; मुझे,
सी० एस० जैन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मुरब्बा न० 29 है तथा जो 15 बी०बी० पदमपुर,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कर्मसिंह पुत्र श्री सुरेन सिंह निवासी ग्राम 15 बी०
बी० तहसील पदमपुर जिला श्री गंगानगर । (अन्तरक)

2. श्री हसराम पुत्र श्री दूनीचन्द अरोडा निवास चकमडी
पदमपुर, जिला श्री गंगानगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्राम 15 बी०बी० तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा न० 29
में से 6 बी०धा 5 बिस्वा सिंचित ऋषि भूमि और आवासीय अहाता
जो कि उप पञ्जिक, पदमपुर द्वारा 17-6-1975 को पञ्जीवद्ध
विक्रय-पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है ।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 7-2-75
मोहर .

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 60/61

एरडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-I/जून 75/265/75-76.—
यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० ए० न० 1940, सदाशिव पेठ, पूना-30 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-I, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विमल अनंत मादुसकर धर क्र० 303, सदाशिव पेठ, पूना-30 । (अन्तरक)

2 (i) श्री रवीन्द्रकुमार चंदुलाल शहा,
(ii) श्री रणजीत कुमार चंदुलाल शहा,
468 (नया), सदाशिव पेठ, पूना-30 । (अन्तरिती)

3 (i) श्री डी० के० देशपांडे,
(ii) श्री मधुकर के० वलसगकर,
(iii) श्रीमती मथुराबाई लिहोने,
सी० ए० न० 1940, सदाशिव पेठ, पूना-30 ।
(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस प्रापर्टी, सी० ए० न० 1940, सदाशिव पेठ, पूना-30,
क्षेत्रफल—195 वर्ग मीटर्स ,

1 ला० मजला—900 वर्ग फीट

2^{री} मजला—900 वर्ग फीट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1463 जून 75 में सब रजिस्ट्रार, हवेली-I, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख 7-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० ए०/5/जून/हवेली-II/पूना/266/75-76:—

यतः, मुझे, एच० एस० ओलख, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० सर्वे क्रमांक 37 हिस्सा क्रमांक 2 अ और 2 ब,
है तथा जो ख०-डी (पूना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हवेली-II (पूना), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 21 जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14-486GI/75

1. श्री (1) मोहन राज देवराज चौवडा, 219, सोलापुर
बाजार, पूना (2) मे० व्ही० प्रकाश एड कं० उसके पार्टनरस्
श्री मिठालाल बी० ओसवाल श्री बिनराज बी० ओसवाल श्रीमती
कलावती एस० ओसवाल, 501, व्ही० पी० स्ट्रीट, पूना (3)
श्री अनिल कुमार सोहनराज, ओसवाल अज्ञान, पालनकर्ता श्रीमती
कलावती (4) श्री नागराज डब्लू राका 1182, रविवार पेठ
पूना-2, (5) श्री अबु बंकर इब्राहीम 546, व्ही० पी० स्ट्रीट,
पूना-1। (अन्तरक)

2. श्री मे० शिरीन गार्डनर्स बिल्डर्स, रिलेटर्स इस्टेट एजेन्ट्स
रजिस्टर्ड पार्टनरशिप उसके आठ पार्टनरस रजिस्टर्ड आफिस,
53 लास पामास लिरत गिम्स रोड, बंबई-6। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड बिगर खेती का जमीन का, खुला टुकड़ा जिसका सर्वे
क्रमांक 37 हिस्सा क्रमांक 2 ए०, 2 बी० है।

जो खराडी देहात में खराडी, ग्राम पंचायत के टोमगे, पूना,
म्युनिसिपल कार्पोरेशन के क्षेत्र में बाहर है। सब रजिस्ट्री क्षेत्र
हवेली जिला पूना है।

क्षेत्रफल—5 अंकर 4 गुंठे

और

7 अंकर 2 गुंठे।

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1357 जून, 1975
में सब रजिस्ट्रार हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० ओलख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

तारीख: 13-2-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० ए०/5/जून/75/बंबई (पूना)/267/75-76:—

यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 17 कोरेगांव पार्क रोड, पूना है तथा और जो कोरेगांव पार्क, (पूना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 14-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रन्तरको) और अन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भालचन्द्र तुलसीदास नागपाल, तुलसी निवास मरीन लाईन डी० रोड, बम्बई नं० 400002 । (अन्तरक)

2. (1) श्री हरीप्रसाद लोहीया (2) श्री जे० जी० तण्करी, (3) मा० आनन्द मिरा (4) श्री प्रविन जी० देसाई (5) श्री जयन्त लाल एम० ठाकरे (6) श्री धनपति टी० हिरजी (7) श्री मानेकलाल विरचंद बामना (8) श्री धनपत राई करनाने (9) मा० योगलक्ष्मी (10) श्री के० जी० चैतानी (11) श्री ईश्वरलाल नारानजी शहा, सब ट्रस्टी जीवन जागृति, केन्द्र के द्वारा मैसर्स अंबूभाई एंड खानजी सालीसिटरस लन्टीन चेंबर्स, दलाल स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-1 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

परपेक्षुअल लिण्ड होल्ड प्लॉट जिसका क्रमांक 17 कोरेगांव पार्क रोड विभाग में पूना शहर में रजिस्ट्रेशन सब डिस्ट्रिक्ट हवेली में है ।

क्षेत्रफल—6016.33 वर्ग यार्ड्स याने 5029.33 वर्ग मीटर्स, ग्राऊंड फ्लोर, 3026 वर्ग फीट फर्स्ट फ्लोर 2307 वर्ग फीट, बंगला 1953-54 में बांधा हुआ, निम्न प्रकार से घिरा हुआ ।

पूर्व के तरफ:—प्लॉट सं० 33 कोरेगांव पार्क रोडका,

पश्चिम के तरफ:—40 फीट का रास्ता,

दक्षिण के तरफ:—प्लॉट नं० 16 कोरेगांव पार्क रोडका,

उत्तर के तरफ:—प्लॉट सं० 18 कोरेगांव पार्क रोडका ।

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 862 जून, 1975 सब रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है ।)

एच० एस० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13 फरवरी, 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० 109/75-76/ए० सी० ब्यू०:—यतः, मुझे,
पी० सत्यनारायणराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० है, जो प्लाट 'सिमांचेम तोल्लेम
मिटो' कहा जाता है जो अंबेशी, पाले ग्राम, तालुक बिचोली, पाले
ग्राम पंचायत के हद में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बिचोली में, डाकुमेंट नं० 134 अंतर्गत 15-6-1975 के दिन
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जन शंकर गावडो और उनकी पत्नी सत्यवती जन
गावडो कई और जो डाकुमेंट में लिखा गया है। (अन्तरक)

2. मेसर्स राजाराम बांदेकर (पाले) मैन्स, वास्को-डा-गामा
(गोवा)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जो "सिमांचेम तोल्लेम मिटो" कहालाया जाता है जो
अंबेशी पाले ग्राम, तालुक बिचोली, पाले ग्राम पंचायत के हद में
स्थित है 46500 चवर् मीटर और सीमाएं

पूर्व—अरेका गार्डन—सिमांचेम तोल्लेम गोडेस,

पश्चिम—जाकादेविचो पत्थर

उत्तर—अरेका गार्डन, 'सिमांचेम तोल्लेम गोडेस' का भाग

दक्षिण—सालगांवकर के जायदाद।

पी० सत्यनारायणराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निदेश सं० 461/अर्जन/कानपुर/75-76/2618:—अतः,
मुझे, एफ० जे० बहादुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17
जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी गुरुमुख दास निवासी 120/
85 लाजपत नगर, कानपुर (2) श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री
शेर चन्द भाटिया नि० 119/555-ए० दर्शन पुरवा, कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष रानी पत्नी श्री सत्यपाल निवासी 118/
177, कौशल पुरी, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति मकान नं० 119/555-ए का आधा भाग
जो 80 फीट रोड दरशन पुरवा में कानपुर में स्थित है इसका हस्तान्तर-
रण 5,000/- रुपये में हुआ है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17 फरवरी, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निदेश सं० 469/अर्जन/कानपुर/74-76/2619:— यतः,
मुझे, एफ० जे० बहादुर,
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
षायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री चिमनलाल (2) गोविन्द राम पुत्रगण स्व० श्री
बालाराम नि० 119/555-ए०, दर्शनपुरवा, कानपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री बरकत राम पुत्र श्री सन्तराम पुत्र श्री सन्तराम नि०
118/177, कौशलपुरी, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका नं० 119/555-ए० का आधा भाग
जो 80 फीट रोड दर्शनपुरवा कानपुर में स्थित है इसका हस्तान्तरण
रु० 45,000/- में किया गया है ।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रंज, कानपुर

तारीख : 17 फरवरी 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग्स,

गोपाल प्रभु रोड, एरनाकुलम, कोचीन-11,

दिनांक 5 फरवरी, 1976

निदेश सं० एल० सी० 51/75-76:—मतः, मुझे, एम० एम० कुरूप, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो आन्विहाल रोड, कालिकट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोविक्कोड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-6-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. म० ए० पी० चिरकंडन, 8 सन्स, कालिकट, द्वारा पार्टनर्स ए० पी० शंकरन, ए० पी० वसन्तकुमार) । (अन्तरक)
2. श्री हसन कुट्टी (ii) अवरान कुट्टी, (iii) मुहम्मद सेरिफ (IV) महबूब (V) अकबर (द्वारा हसनकुट्टी) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5th right over 25 Cents of land with buildings Known as Hotel Ratnagiri in Anne Hall Road, Calcut

एम० एम० कुरूप,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरनाकुलम, कोचीन

तारीख : 5 फरवरी, 1976
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश सं० ए० सि० 41/आर०-II/कल०/75-76.—अतः, मुझे, आर० मि० लालमोया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खतियान 464, दाग 321 है तथा जो मौजा, रामदासहाटी पी० एस० मिदियाबुज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डि० रेजिस्ट्रार, 24-परगनास आलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेडर-सेस असिबर (2) खलिसा विवि (3) साखिना वि० वि० (4) श्रीमती आजमिश वि० वि० रामदासहाटी, मेदियाबुज । (अन्तरक)

2. मेडि (2) शफिउद्दीन मोल्ला, (2) मोहीरउद्दीन मोल्ला, (3) साराउद्दीन मोल्ला, (4) निजामुद्दीन मोल्ला, (5) ईसलामुद्दीन मोल्ला, (6) कुतुबुद्दीन मोल्ला, (7) नासिरुद्दीन मोल्ला, (8) सुजाउद्दीन मोल्ला, (9) पाताउद्दीन मोल्ला, (10) साहा आलाम भांगी और (11) जयनाल आवेदीन भांगी, रामदासहाटी, पी० एस० मेदियाबुज, 24 परगनास । (अन्तरिती)

3. भेंडी और भेंडर ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किचे जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मौजा रामदासहाटी, पी० एस० मेदियाबुज, खतियान न० 464, दाग नं० 321 में 14 कदा जमिन का पर वास्तु और पुकुर है ।

आर० मि० लालमोया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, कलकत्ता

54, रफी अहमद किववाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख . 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 257/75-76:—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5-5-291 सरोजिनी देवी नगर है, जो तिरुपति
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपति में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सी० जी० प्रेमावती भासकर, पति डाक्टर सी०
टी० भासकर, मद्रास रेम क्लब, गुनडी, मद्रास-32। (अन्तरक)

2. श्रीमती जे० एम० सरोजिनी राममूर्ति कैप्टन आफ डाक्टर
सी० जी० राममूर्ति, ने 5-5-291 टी० एस० पी० 60/1 सरोजिनी
देवी नगर तिरुपति, चीतूर जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति डोर नं० 5-5-291 टी० एस० नं० 60/1 और 59/1
सरोजिनी देवी नगर तिरुपति—तलूक, चीतूर जिला।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10 फरवरी, 1976

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 6th February 1976

F. 6/76-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri R. C. Gandhi, Stenographer as Officiating Court Master with effect from 23 January 1976, until further orders, vice Shri A. S. V. Raghavan, who was appointed to officiate as Assistant Registrar.

R. SUBBA RAO, Dy Registrar (Admn.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th February 1976

No. A. 12022/2/74-Admn.I.—The Union Public Service Commission has been pleased to allow to continue Shri D. R. Kohli, a permanent officer of the Selection Grade of the CSS and officiating as Controller of Examinations, Union Public Service Commission as Secretary of the Committee on Recruitment Public and Selection Methods, set up under the Chairmanship of Dr. D. S. Kothari for a further period with effect from the forenoon of 1st January, 1976 to 29th February, 1976.

The 7th February 1976

No. P/197-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to grant extension of service to Shri P. Chatterjee, Director (Data Processing) in the office of the Union Public Service Commission, for a period of one year with effect from 1-2-1976.

This has the approval of the Minister of State in the Department of Personnel and Administrative Reforms.

The 10th February 1976

No. P-1765/Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated 4-4-75, Shri K. N. Vohra, an officiating Section Officer of the Office of the Director General of Posts & Telegraphs, New Delhi, has been allowed to continue to officiate as Research Officer, on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a further period of two months w.e.f. 1-1-1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. P-1763/Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's Notification of even number dated 4-4-1975, Shri G. B. Mathur, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Ministry of Works, Housing and Urban Development has been allowed to continue to officiate as Research Officer, on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a further period of two months with effect from 1st January 1976 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Chairman
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 10th February 1976

No. A-11013/2/74-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 17-11-75, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following three officials of the CCS cadre of the Union Public Service Commission to officiate, on an ad hoc basis, as Section Officer (Special) in the Commission's Office for further period of two months with effect from 1-1-76 or until further orders, whichever is earlier :—

S. No. Name and Post held in CSS cadre

1. Shri B. S. Kapur—Section Officer.
2. Shri B. N. Arora—Section Officer.
3. Shri K. L. Katyal—Section Officer.

The appointment of the aforesaid officers as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Secretary U.P.S.C.

15—486GI/75

NOTICE

Special Class Railway Apprentices' Examination, 1976

New Delhi-110011, the 6th March 1976

No. F. 5/2/75-E.I.(B) —In the Union Public Service Commission Notice No. F. 5/2/75-E.I.(B), dated the 10th January, 1976, relating to the Special Class Railway Apprentices Examination, 1976, published in the Gazette of India Part III, Section 1, dated the 10th January, 1976, the following amendments shall be made :—

- (i) For the word "discussion" occurring in line 1 of para 2 of Annexure I to the Notice, the word "discretion" shall be substituted.
- (ii) For the word "prescribed" occurring in lines 1 and 2 of Annexure I to the Notice, the word "prescribed" shall be substituted.
- (iii) For the words and figures "Rule 5(b)(vii)" occurring in line 2 of para 5(iv) of Annexure II to the Notice, the words and figures "Rule 5(b)(viii)" shall be substituted.

B. S. JOLLY, Under Secy.
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-110001, the 3rd February 1976

No. 2/20/75-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri G. G. Tulsi, Executive Engineer, D.G.P. & T., as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 15th January, 1976, until further orders.

No. 2/34/74-Adm.(i).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Rajendra Nath Gupta, an Executive Engineer of the Central Public Works Deptt., as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 12th January, 1976, until further orders.

No. 2/34/74-Adm.(ii).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri B. S. Khatwani, an Executive Engineer of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 15th January, 1976, until further orders.

No. PF/G/14-G.—Consequent on his selection for appointment in the National Fertilisers Ltd., Shri K. G. Gupta, an Executive Engineer of the Central Public Works Department and working as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission relinquished charge of the post in the Commission on the afternoon of 12-1-1976.

SHRI NIVAS, Under Secy. (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Directorate General, C.R.P. Force

New Delhi-110001, the 7th January 1976

No. O.II-1276/75-Estt.—Consequent on his reversion to I.B. (MHA) Shri T. K. Naik, Dy SP, CRPF relinquished charge of his office on the afternoon of 11th Oct., 1975.

The 11th February, 1976

No. P. VII-4/75-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, the following Subedar Majors/Subedars of CRP Force to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. They took over charge of the posts in the Battalions/ Group Centres on the dates noted against each :—

S. No.	Name of the officer	Bn/GC to which posted	Date of taking over charge
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri Birpal Singh	12th Bn	15-10-75 FN
2.	Shri S. P. Singh	1st Bn	20-10-75 FN
3.	Shri M. M. Bawa	2nd Bn	29-10-75 AN
4.	Shri Sumer Singh	3rd Bn	15-10-75 FN
5.	Shri Amar Nath	7th Bn	15-10-75 FN
6.	Shri K. Raghavan	8th Bn	20-11-75 AN
7.	Shri Ishwar Singh	10th Bn	22-10-75 FN
8.	Shri V. P. S. Gautam	15th Bn	27-10-75 FN
9.	Shri Sohan Lal Budakoti	9th Bn	22-10-75 AN
10.	Shri P. K. Rohila	16th Bn	1-11-75 FN
11.	Shri O. P. Yadav	23rd Bn	10-11-75 FN
12.	Shri P. H. Pandey	16th Bn	25-10-75 FN
13.	Shri Jaiwant Survey	10th Bn	6-12-75 AN
14.	Shri Shambhu Nath Ojha	37th Bn	18-10-75 AN
15.	Shri Ranjit Singh	30th Bn	15-10-75 AN
16.	Shri Sohan Lal	24th Bn	31-10-75 AN
17.	Shri Krishna Prakash Kala	47th Bn	29-10-75 FN
18.	Shri Satyapal Singh Mann	34th Bn	15-10-75 FN
19.	Shri N.S. Verma	40th Bn	28-10-75 AN
20.	Shri Hari Singh	28th Bn	17-10-75 FN
21.	Shri Bhanwar Singh	37th Bn	17-10-75 AN
22.	Shri Mahal Singh Rana	43rd Bn	3-11-75 FN
23.	Shri Piara Singh	17th Bn	31-10-75 FN
24.	Shri Raghubir Singh	46th Bn	1-11-75 FN
25.	Shri Kaka Ram	GC Rampur	27-10-75 FN
26.	Shri Rampat Yadav	60th Bn	25-10-75 AN
27.	Shri Mehal Singh Multani	RTC-I	8-11-75 FN
28.	Shri Balbir Singh	57th Bn	15-10-75 FN
29.	Shri Shor Singh	14th Bn	15-10-75 FN
30.	Shri Jagir Singh	30th Bn	10-11-75 FN
31.	Shri Akshaibar Misra	56th Bn	25-10-75 AN
32.	Shri Zile Singh	27th Bn	23-10-75 FN
33.	Shri P. S. Negi	44th Bn	25-10-75 FN
34.	Shri Raghunath Singh	48th Bn	18-10-75 AN
35.	Shri Chaman Lal	29th Bn	10-11-75 FN
36.	Shri Jagat Ram	18th Bn	22-10-75 FN
37.	Shri Harnarain Singh	54th Bn	23-10-75 FN
38.	Shri Sultan Singh	55th Bn	15-10-75 AN
39.	Shri Ganga Singh Rawat	60th Bn	27-10-75 FN
40.	Shri Satya Dev	51st Bn	20-10-75 AN

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

Office of the Inspector General
Central Industrial Security Force

New Delhi-110003, the 3rd February 1976

No. E-38013(3)/1/76-Ad.I.—On transfer from Naini (Allahabad) Shri Sheoraj Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant Central Industrial Security Force, Bombay Airport with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of 27th January, 1976.

The 4th February 1976

No. E-31013(2)/3/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Shyamal Roy to officiate as Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit, Heavy Engineering Corporation Ltd. Ranchi with effect from the forenoon of

3rd January, 1976, until further order and he assumed the charge of the post at Ranchi with effect from the same date.

L. S. BISHT, Inspector General

Office of the Registrar General, India

New Delhi, the February 1976

No. 2/2/76-Ad.I.—Shri H. Ranbir Singh relinquished charge of the office of the Director of Census Operations, Manipur held by him in ex-officio capacity with effect from the forenoon of 9th February, 1976.

No. 25/82/72-RG (Ad. I).—Shri P. L. Sondhi, an officer of the Indian Administrative Service, relinquished charge of the post of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Punjab held in an ex-officio capacity with effect from the afternoon of the 31st January 1976 on his retirement on attaining the age of superannuation.

The 11th February 1976

No. 12/5/74-RG(Ad. I).—In continuation of this office notification No. 12/5/74-RG(Ad. I), dated the 7th November 1975, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Smt. Krishna Chaudhuri as Linguist in the office of the Assistant Registrar General (Language) with effect from the 8th January, 1976 upto the 11th July, 1976 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

BADRI NATH, Dy. Registrar General
& Ex-Officio Dy. Secy.

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi-11, the 13th February 1976

No. V(3)/AH.—The President is pleased to appoint Shri I. S. Virdi, Assistant Manager (Tech), Government of India Press, Minto Road, New Delhi to officiate as Works Manager, Government of India Press, Nasik, with effect from 31-1-76(TN) until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR, Director of Printing

MINISTRY OF FINANCE

(DEPT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 29th January 1976

No. 1834/A.—In continuation of Notification No. 651/A, dated 21st July 1975 the ad hoc appointment of Shri R. D. Kulkarni as Administrative Officer is extended up to 31st March, 1976 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. J. JOSHI
General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPTT. OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH

Allahabad, the 4th February 1976

No. Admn.I/11-144(xi)/317.—The Accountant General, Uttar Pradesh-I Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in th's office with effect from the dates noted against each :—

S/Shri

1. Kapoor Chand Srivastava—7th January 1976.
2. Raj Kumar Soni—15th January 1976.

U. RAMACHANDRA RAO
Sr. Deputy Accountant General (A).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
WEST BENGAL

(LOCAL AUDIT DEPARTMENT)

Calcutta-1, the 1st October 1975

Office Order No. LA/14-(Admn Series).—The Accountant General, West Bengal, has been pleased to appoint Shri Sukumar Bhattacharyya a permanent Section Officer of the Local Audit Department of this office to officiate as Asstt. Examiner of Local Accounts, West Bengal in temporary capacity with effect from the forenoon of 1st October 1975 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE
Examiner of Local Accounts, West Bengal.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 3rd February 1976

No. L/8/74.—On his attaining the age of superannuation Shri A. K. Das, Audit Officer of the office of the Chief Auditor, E. Ry., Calcutta has retired from service with effect from the mid-night of 31st January, 1976.

N. G. SEN
Chief Auditor,
Eastern Railway, Calcutta.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 6th February 1976

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/396/56-Admn(G)/1008.—On retirement from Government service under clause (i) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri B. V. Şabnis relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

No. 6/645/61-Admn(G)/1014.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri H. T. Atmaramam relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

No. 6/706/63-Admn(G)/1020.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri A. N. Kapuria relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Madras on the afternoon of the 15th December, 1975.

No. 6/844/68-Admn(G)/1028.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri H. R. Sud relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

The 7th February 1976

No. 6/594/60-Admn(G)/1034.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri J. E. Shaikh relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

The 10th February 1976

No. 6/652/62-Admn(G)/1069.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules Shri D. P. Varerkar relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

P. K. KAUL
Chief Controller of Imports and Exports.

New Delhi, the 6th February 1976

No. 6/1040/74-Admn(G)/906.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri S. K. Misra, Assistant Director of Industries, Office of the Director of Industries, U.P., Kanpur as Controller of Imports and Exports Class II (Non-CSS) in the Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports, (Iron and Steel) Faridabad, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th January, 1976, until further orders.

2. As Controller of Imports and Exports Shri S. K. Misra will draw pay according to the rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 8th February 1976

No. EST.1-2(576).—Shri R. J. Chitalia, Assistant Enforcement Officer, Grade I in the office of the Textile Commissioner, Bombay, retired voluntarily from Government service with effect from the forenoon of the 13th January, 1976

R. P. KAPOOR
Textile Commissioner.

Bombay, the 31st January 1976

No. CER/2/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's notification No. CER/2/75, dated the 16th December, 1975, namely :—

In the said Notification for the words, figures and marks "This Notification shall take effect from the First day of February 1976.", the words, figures and marks "This Notification shall take effect from the First day of March, 1976", shall be substituted.

A. K. CHANDRA
Joint Textile Commissioner.

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 6th February 1976

No. A-1/1(630).—Shri S. D. Chatterjee permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(994).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri A. V. S. P. Sinha, Superintendent (Supervisory Level II) in the office of the Deputy Director of Inspection, Kanpur to officiate on local *ad hoc* basis as Assistant Director (Administration) (Grade II) in

the office of the Director of Supplies and Disposals, Kanpur with effect from the forenoon of 6th January, 1976 and until further orders.

The appointment of Shri Sinha as Assistant Director (Administration) (Grade II) is a purely *ad hoc* basis and will not confer on him any right of regular appointment to that post.

The 10th February 1976

No. A-1/1(971).—In para 1 of this Dte. General notification of even number dated 2nd January 1976 for 'has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 14th December, 1975' please read 'has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 4th December 1975'.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies and Disposals.

SURVEY OF INDIA

Surveyor General's Office

Dehra Dun, the 6th February, 1976

No. C-5043/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' posts), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each :—

Name and designation	Unit/ Office	With effect from
1. Shri D. K. Mandal, Surveyor Sel. Gd.	No. 11 Party (EC)	29-12-75(FN)
2. Shri Satyendra Mohan Dutt, Surveyor Sel. Gd.	No. 38 Party(PMP)	6-1-76(FN)

The 9th February 1976

No. C-5044/718-A.—Shri R. N. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, who was appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer, Map Publication Office, Survey of India, Dehra Dun on an *ad hoc* basis in a short term leave vacancy *vide* this office Notification No. C-5031/718-A dated the 9th December, 1975, is appointed to officiate as Registrar, Surveyor General's Office on an *ad hoc* basis on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 21st January 1976 (AN) *vice* Shri Hari Dev, Registrar, Surveyor General's Office proceeded on leave preparatory to retirement.

HARI NARAIN
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 10th February 1976

No. F. 20(C-3)1/61-A.1.—Shri B. R. Sharma, Superintendent is appointed to officiate as Administrative Officer (Class II Gazetted) on purely *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 9th February 1976 and until further orders (*vice* Shri L. D. Ajmani, Administrative Officer on leave). The *ad hoc* appointment will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

Sd./- ILLEGIBLE
Director of Archives.

DIRECTORATE GENERAL A.I.R.

New Delhi, the 9th February 1976

No. 4/107/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. M. A. Khampti as Programme Executive, All India Radio Tezu in a temporary capacity with effect from the 30th December, 1975 and until further orders.

No. 4/114/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Panna Lal as Programme Executive, All India Radio, Simla in a temporary capacity with effect from the 24th January, 1976 and until further orders.

No. 4/20/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Sunil Kumar Saha as Programme Executive, All India Radio Calcutta in a temporary capacity with effect from the 5th December, 1975 and until further orders.

P. K. SINHA,
Deputy Director of Administration
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th February 1976

No. 30-10/74C-GHS.I.—The Director General of Health Services has been pleased to accept the resignation of Dr. Surendra Bahadur Singh, Homoeopathic Physician under the Central Government Health Scheme Delhi with effect from the afternoon of 25th January 1975. Dr. Singh relinquished the charge of the post on the afternoon of 25th January, 1975.

K. VENUGOPAL
Deputy Director Administration (CGHS).

New Delhi, the 6th February 1976

No. 6-7/75-DC.—The President is pleased to appoint Shri Bimalakasha Mandal to the post of Pharmaceutical Chemist in the Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of the 2nd January, 1976 in an officiating capacity and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration.

New Delhi, the 11th February 1976

No. 12-7/73-Admn.-I.—On attaining the age of superannuation, Shri N. R. Sharma, a permanent Section Officer in the Directorate General of Health Services retired from service on the afternoon of 31st January, 1976.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration (O&M).

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER :

MADRAS TELEPHONES

Madras-600001, the 11th February, 1976

No. AST/AO/1.—The General Manager, Telephones, Madras is pleased to appoint the undermentioned Senior Accountants to officiate as Accounts Officers in local arrangement in Madras Telephone District with effect from the date mentioned against each :—

Name of the Senior Accountant & Date of promotion to
AO's grade.

1. Sri R. Rajagopalan,—20-12-75 Forenoon.
2. Sri G. Nilakantan—12-1-76 Forenoon.

No. AST/AE-5/2.—The General Manager, Telephones is pleased to appoint the undermentioned Junior Engineers to officiate as Assistant Engineers in local arrangement in Madras Telephone District for the periods mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Date of promotion to T.E.S. Group 'B'	Date of reversion to parent cadre
1.	Sri V. Nagalingam	13-8-75 Forenoon	6-12-75 F.N.
2.	Sri N. S. Kandaswamy	12-9-75 Forenoon	31-10-75 A.N.
3.	Sri P. S. Srinivasan	27-9-75 Forenoon	31-12-75 A.N.
4.	Sri P. Namarajan	3-10-75 Forenoon	21-11-75 A.N.
5.	Sri S. Nageswaran	24-10-75 Forenoon	10-12-75 A.N.
6.	Sri N. S. Kandaswamy	4-11-75 Forenoon	31-12-75 A.N.
7.	Sri D. Parimalasekaran	12-11-75 Forenoon	31-12-75 A.N.
8.	Sri M. Sornapalam	13-11-75 Forenoon	
9.	Sri P. Namarajan	27-11-75 Forenoon	12-1-76 F.N.
10.	Sri V. Nagalingam	15-12-75 Forenoon	31-1-76 A.N.
11.	Sri V. Nagalingam	4-2-76 Forenoon	
12.	Sri N. S. Kandaswamy	5-2-76 Forenoon	

No. AST/AE-5/3.—The undermentioned Assistant Engineers who are officiating in local arrangement stand reverted to their parent cadre with effect each :—

Name of the officer and Date of reversion to the parent cadre

1. Sri B. Rajagopal Naidu—9-7-75 Forenoon.
2. Sri C. V. Natarajan—28-6-75 Afternoon.
3. Sri T. S. Naganathan—30-6-75 Afternoon.

(V. RAMAMOORTHY)
ASST. GENERAL MANAGER (ADMN).

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
(HEAD OFFICE)

Faridabad, the 10th February 1976

No. F. 4-6(105)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, Shri Manickam Kuralnathan has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I, in the Directorate of Marketing and Inspection at Vishakhapatnam, with effect from 8th January 1976 (AN) until further orders.

No. F. 4-5(66)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri N. C. Halder, has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India as Marketing Officer, Group I, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on the officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad, with effect from 29th January 1976 (FN), until further orders.

The 11th February 1976

No. F. 4-6(104)/76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri N. C. Halder has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I, in the Directorate of Marketing and Inspection at Gauhati, with effect from the January, 1976 (F.N.) until further orders.

V. P. CHAWLA
Director of Administration.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 10th February 1976

No. 5/1/75/Estt.II/99.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri Anant Kashinath Katre, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 4th December 1975 to 9th January, 1976

S. KRISHNAMURTHY
Dy. Establishment Officer.

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-400005, the 22nd January 1976

No. PPED/3(235)/75-Adm.1022.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri T. S. Aswal, a permanent Assistant in the Secretariat of the Department of Atomic Energy, as Assistant Personnel Officer in Power Projects Engineering Division in a temporary capacity on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from November 12, 1975 (FN), until further orders.

No. PPED/3(235)/75-Adm.1023.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri R. P. de Souza, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre, as Assistant Personnel Officer in Power Projects Engineering Division in a temporary capacity on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from November 15, 1975 (FN), until further orders.

No. PPED/3(235)/75-Adm.1024.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. H. Punwani, a quasi-permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of October 4 to the forenoon of November 15, 1975, on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960.

No. PPED/3(235)/76-Adm.1021.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. B. Nair, a permanent Stenographer in the Bhabha Atomic Research Centre, as Assistant Personnel Officer in Power Projects Engineering Division in a temporary capacity on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from November 12, 1975 (FN), until further orders.

N. G. PARULEKAR
Administrative Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th February 1976

No. E(f)/04155.—On attaining the age of superannuation Shri K. M. Biswas, Officiating Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December 1975.

The 11th February 1976

No. E(f)/04234.—On attaining the age of superannuation, Shri S. Balakrishnan Officiating Assistant Meteorologist Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1975.

No. E(f)/06548.—On attaining the age of superannuation, Shri Charan Das, Officiating Assistant Meteorologist, office of the Dy. Director General of Observatories, (Instruments), New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1975.

The 12th February 1976

No. E(I)/04207.—On voluntary termination of his officiating appointment of Assistant Meteorologist, Shri J. Nandy, relinquished charge of that office on the afternoon of the 31st December, 1975 in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta and reverted to his substantive post of Professional Assistant in the Department.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th January 1976

No. A-32013/8/75-EC.—In continuation of this office notification No. A-32013/8/75-EC, dated the 27th June, 1975, the President is pleased to allow Shri G. Govindaswamy, Assistant Director of Communication in the Civil Aviation Department to continue to officiate as Controller of Central Radio Stores Depot, New Delhi, for a further period from 1st August, 1975, to 31st March, 1976 or till the selection to the post is made on regular basis whichever is earlier.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 31st January 1976

No. A-38012/1/76-ES.—On attaining the age of superannuation Shri B. K. Ghosh, officiating Senior Aircraft Inspector, in the office of the Regional Director, Calcutta, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st December, 1975.

No. A-32013/9/74-ES.—The President is pleased to appoint Shri Madhusudan Lall, Aircraft Inspector, Office of the Regional Director, Calcutta to officiate as Senior Aircraft Inspector in the same office on a regular basis and until further orders, with effect from 5th January, 1976.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 6th February 1976

No. 1/400/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. S. Shanbag, Supervisor, Bombay Branch, as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 15th December, 1975 to 31st December 1975 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

The 7th February 1976

No. 1/99/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Rajender Kapoor, Technical Assistant, New Delhi Branch, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 1st December, 1975 to 31st December, 1975 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General.

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

Shillong, the 7th February 1976

No. 47/76.—Shri N. N. Bora, an officiating Office Superintendent, Customs Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative Officer (Class-II) Customs & Central Excise until further orders. Shri Bora assumed charge as Administrative Officer, Customs & Central Excise, Collectorate Hqrs. Office, Shillong on 6th January 1976 (FN).

S. C. NIYOGI
Collector of Customs & Central Excise
Shillong.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 10th February 1976

No. A-12017/4/76-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-12017/1/72-Adm.V. dated 16th October 1975, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri T. P. Yegnan, to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and *ad hoc* basis, upto 16th May 1976 or till the reversion of Shri D. K. Vaid whichever is earlier.

K. P. B. MENON
Under Secy.,
for Chairman, C. W. Commission.

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 5th February 1976

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all concerned that the 132 KV double circuit transmission line constructed by Northern Railway starting from Railway's Switching Station at Aligarh to Hathras Jn. Sub-Station (Km. 1331 to Km. 1297) running parallel to the railway track in the vicinity of the nearby villages will be energised on 132 KV AC 50 cycles per second from 5th February 1976. On and from the same date the overhead transmission line shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead line.

A. L. GUPTA
Secretary, Railway Board.

NORTH-EAST FRONTIER RAILWAY

Pandua, the 2nd February 1976

No. E/55/III/95-PN(O).—The following officers of the Stores Department are confirmed as Assistant Controller of Stores with effect from the date noted against each :—

Sl No., Name & Date from which confirmed

1. Shri M. M. Halder—9th December 1969.
2. Shri A. B. Das—30th April 1974.
3. Shri J. K. Dey—23rd March 1975.

No. E/55/III/92(O).—Shri S. K. Bose is confirmed in Class II service as Assistant Singngl and Telecommunication Engineer with effect from 6th April 1974.

H. L. VERMA
General Manager.

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay-40000, the 9th February 1976

In the matter of the Companies Act, 1956 and of*
M/s. Nanubhai Export Private Limited

No. 9820/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nanubhai Export Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

Madras-6, the 11th February 1976

No. 1742/S-247/Liqn/76.—Whereas, "The Madukaral Jananukoola Nidhi Limited" having its registered office at Madukaral Post, Coimbatore District is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting the affairs of the company have been completely wound up and that the statutory returns required to be filled by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 247 of the Indian Companies Act, 1913, notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of "The Madukarai Jananukoola Nidhi Limited" will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

P. ANNAPURNA
Addl. Registrar of Companies,
Tamil Nadu.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1975

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/II/75-76/16382.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section, 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf and in partial modifications of all the earlier orders on the subject, the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that Income-tax Wards/Districts VI(4), VI(7) VI(8), VI(11) and VI(14) shall be abolished.

This order shall have effect from 1st November 1975.

The 25th October 1975

No. JUR-DLI/II/75-76/17585.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf and in partial modification of all the earlier orders on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column No. 2 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of areas, persons, or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling as on 31-10-1975 in the jurisdiction of Income-tax wards/Districts mentioned in column 3 of the said Schedule :—

SCHEDULE

1	2	3
1. Income-tax Officer, Distt. VI(1), New Delhi.		Distt. VI(1), VI(7) & Distt. VI (8), New Delhi
2. Income-tax Officer, Distt. VI(2), New Delhi		Distt. VI(2) & Distt. VI(11) New Delhi.
3. I.T.O. Distt. VI (3) New Delhi.		Distt. VI(3) & Distt. VI (4) New Delhi.
4. I.T.O Distt. VI(13), New Delhi.		Distt. VI(13) & VI(14), New Delhi.

This order shall take effect from 1-11-75.

The 6th December 1975

No. JUR-DLI/II/75-76/28178.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi, hereby directs that the Lawyers' Circle, Delhi, shall be bifurcated into two Circles as under :—

1. Lawyers Circle—I,
2. Lawyers Circle—II,

This order shall come into force wef 9th December, 1975.

No. JUR-DLI/II/75-76/28280.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi, /column 2 of the Schedule herein-below shall perform, their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of cases which have been assigned or may be reafter the assigned u/s 127 of the said Act to any other Income tax Officer :—

S. No.	Designation of the ITO	Jurisdiction
1	2	3
1. Income-tax Officer, Lawyers' Circle-I, New Delhi.		(a) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Lawyers' Circle, Delhi, where the last assessed or returned income is Rs. 1,00,000/- and above, as on 8-12-75. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
2. Income-tax Officer, Lawyers' Circle-II, New Delhi		(a) All persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Lawyers' Circle, New Delhi, other than those assigned to the I.T.O., Lawyers' Circle-I, New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.

This notification shall take effect from 9-12-1975.

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi.

New Delhi, the 22nd November 1975

No. JUR-DLI/V/75-76/21490.—In modification of all previous orders u/s 124 or 127 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of the jurisdiction of the Income-tax officer, Distt. VII (4), New Delhi and in exercise of the powers conferred by section 124 of the said Act and all other enabling powers in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi Directs that as from the date on which this order takes effect, the Income-tax officer, Distt. VII(5), New Delhi shall and the Income-tax Officer Distt. VII(4), New Delhi shall not exercise his functions as

an Income-tax officer in respect of assessee's whose names commence with the alphabet M. No. and who were within the jurisdiction of the Income-tax officer, Distt. VII(4), New Delhi prior to 1st December 1975.

Provided that this order shall not effect the existing jurisdiction of the Income-tax officer Distt. VII (4), New Delhi in respect of assessee's whose names commencing with any alphabet other than M.N.O. where such firm is within the jurisdiction of the said Income-tax Officer as on the date of this order.

This order shall take effect from 1st December 1975.

No. JUR-DLI/V/75-76/21789.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle should be created with effect from 1st December 1975.

1. Distt. VII(5).

New Delhi, the 24th November, 1975

ORDER

No. JUR-DLI/V/75-76/21755.—In modifications of this office order No. JUR-DLI/V/75-76/25 dated 15-7-75 on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in column 2 of the schedule appended hereto shall perform their functions in respect of the persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases specified in column 3 of the said Schedule other than persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases which have been or may hereafter be assigned under sub-section (1) of Section 124 or Section 127 of the said Act to any other income-tax officer.

This notification shall have effect from the 19-11-75.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the Income-tax Officer	Jurisdiction	Area
1	2	3	4
1.	Income-tax Officer, Distt. II (12), New Delhi.	(a) Every person carrying on a business or profession or having its principal place of his business or profession in any of the area specified in column No. 4 of this Schedule or residing in any such area whose name commences with any of the alphabets from A to F (both inclusive) (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.	The area comprised in wards No. 1, 59, 60, 61, 62, 63, 64, & 65 & 66 (viz Timarpur Sohan Ganj) Aryapura, Ext. and Vijay Ngr) of the Municipal Corp. Delhi.
2.	Income-tax Officer, Distt. II (13) New Delhi.	(a) Every person carrying on business or profession or having its principal place of his business or profession in any of the area specified in column No. 4 of this Schedule or residing in such area whose name commence with any one of the alphabets K to O (both inclusive).	Do.
3.	Income-tax Officer, Distt. II(2) New Delhi.	(a) Every person carrying on a business or profession or having its principal place of his business or profession in any of the area specified in column No. 4 of this Schedule or residing in any such area, whose name commences with any of the alphabets from G to J (both inclusive). (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.	The area comprised in wards No. 1, 59, 60, 61, 62, 63, 64, & 65 and 66 (viz. Timarpur Sohan Ganj, Aryapura, Ext. and Vijay Ngr.) of the Municipal Corp. Delhi.

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi.

FORM ITNS

(1) Smt. Lila Wati w/o Sh. Inder Singh,
R/o Chachowal, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Makhan Singh s/o Jurnail Singh,
R/o Raipur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR(3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property](4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 6th February 1976

Ref. No. AP 1449.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at V. Chachowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

16—486 GI/75

THE SCHEDULE

48 K. 18 M land at V. Chachowal as registered *vide* Deed No. 3323 dated 24-6-75 in the office of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-2-1976

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Gurdip Singh s/o Lal Singh,
R/o Chachowal, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baldev Singh s/o Jarnail Singh,
R/o Raipur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Jullundur, the 6th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP 1450.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per Schedule

situated at V. Chachowal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at Jullundur in June, 1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publications of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

48 K 18 M land as registered vide Deed No. 3322 dated
24-6-75 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following per-
sons, namely :—

Date : 6-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th February 1976

Ref. No. Ap 1451.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 779 S.R. Delhi in July, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Puran Devi w/o Dr. Gurbaksh Singh,
20-Fuglak Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Dr. Sohan Lal s/o Dr. Punnu Lal, S/Sh. Sudesh Kumar & Mohinder Kumar Ss/o Dr. Sohan Lal,
50, Vijay Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. NK-67, G.T. Road, Jullundur as registered vide Deed No. 779 of July, 1975 in the office of S.R. Delhi.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 6-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1452.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mangat Ram s/o Sai Dass,
c/o Lakshmi Cinema, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Shakuntla Devi w/o Sh. Roshan Lal Bhalla,
R/o Govindgarh, Jullundur.
(Transferee)
- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 522 at Green Park, Jullundur as registered vide Regd. Deed No. 3302 of June, 1975 in the office of S R Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1454.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Bharwain Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur in July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Amar Nath s/o Shri Amin Chand s/o Shri Gokul Chand, Caste Khatri Sethi, R/o Model Town, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Sh. Vijay Roasin and Turpentine Factory, Bharwain Road, Hoshiarpur through Sh. Om Parkash s/o Sh. Sita Ram partner of factory. (Transferee)
- (3) At S. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 K. 5 M at Bharwain Road, Hoshiarpur as registered vide Regd. Deed No. 1834 of July, 1975 in the office of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1455.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at V. Nalayan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June, 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ghasita Ram s/o Sh. Bhagwan Dass s/o Gopal Dass,
R/o Mohalla Krishan Nagar,
Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Chander Kanta w/o Shri Abhey Kumar s/o Shri Chaman Lal Jain C/o Jain Jewellers,
Partap Bazar, Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 K 2 M on Hariana Road of Village Nalovan as registered vide Regd. Deed No. 1372 of June, 1975 in the office of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1453.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule
situated at Jullundur

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Jullundur in June, 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurdial Kaur w/o Mohinder Singh,
s/o Bishan Singh,
R/o V. Badshahpur.

(Transferor)

- (2) M/s. Sanjha Cold Store, Jullundur through
Pradip Nayan, Jullundur.

(Transferee)

- (3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 Kanal land at V. Badshahpur as registered vide Regd. Deed No. 3081 of June, 1975 in the office of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1456.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Darbara Singh s/o Sh. Narain Singh, 588-R, Model Town, Jullundur,

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Piara Singh s/o Sh. Harnam Singh,
2. Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Piara Singh, 588-R, Model Town, Jullundur,

(Transferee)

- (3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 588-R, Model Town, Jullundur City as registered vide Regd. Deed No. 4717/July, 1975 in the o/o S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Darbara Singh s/o Sh. Narain Singh,
588-R, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1457.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—486 GI/72

(2) 1. Sh. Piara Singh s/o Sh. Harnam Singh.

2. Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Piara Singh,
588-R, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 588-R, Model Town, Jullundur City as registered vide Regd. Deed No. 4745/July, 1975 in the o/o S.R., Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1458.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Nahal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dalip Singh s/o Mihan Singh,
R/o Nahal, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Pritam Singh s/o Dalip Singh,
s/o Mihan Singh,
R/o Nahal, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at village Nahal as registered vide Regd. Deed No. 3513 of June, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-2-1976

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February 1976

Ref. No. AP 1459.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. _____ and bearing No. _____ situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Devinder Kaur w/o Iqbal Singh & Harnam Kaur w/o Shri Pritam Singh, R/o Kushoo Chahal. (Transferor)
- (2) S/Sh. Gurdial Singh, Pal Singh, Santokh Singh and Jaswant Singh s/o Shri Pritam Singh, s/o Sh. Ram Singh, R/o Samrai Tehsil, Jullundur. (Transferee)
- (3) At S. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of plot No. 16, Defence Colony, Jullundur vide Regd. Deed No. 2355/June, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February 1976

Ref. No. AP 1460.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harnam Kaur w/o Shri Pritam Singh,
R/o Kushi Chahal, Distt. Kapurthala.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Gurdial Singh, Pal Singh, Santokh Singh and
Jaswant Singh Ss/o Shri Pritam Singh s/o
Sh. Ram Singh,
R/o Samrai Teh., Jullundur.
(Transferee)
- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of plot No. 16, Defence Colony, Jullundur
vide Regd. Deed No. 2356/June, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP 1461.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Balbir Singh s/o Sh. Pritam Singh of Kasso Chahal, Distt. Kapurthala. (Transferor)
- (2) S/Sh. Gurdial Singh, Pal Singh, Santokh Singh and Jaswant Singh Ss/o Shri Pritam Singh, R/o Samrai Dist. Jullundur. (Transferee)
- (3) At S. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of Plot No. 16, Defence Colony, Court Road, Jullundur vide Regd. Decd No. 5210/August, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-2-1976
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref No AP 1462—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh Sidh Mal s/o Sh Guftar Mal,
R/o Ranik Bazar,
Jullundur City
(Transferor)
- (2) Sh Jagdish Kumar s/o Sh Amrit Lal Bhalla,
R/o E M No 41, Ratta Mohalla,
Jullundur City
(Transferee)
- (3) At S No 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 62 (1 K 1M 153 Sft), Rajinder Nagar, Jullundur
Regd vide Dced No 2855/June, 1975 of S R Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date 12-2-1976
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP 1463.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule
situated at V. Kurala

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra-
tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Vir Singh & Buta Singh Ss/o
Sh. Hari Singh S/o Shri Hakim Singh,
R/o Kurala, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Guibachan Singh s/o Shri Lakha Singh,
s/o Shri Gulab Singh,
R/o Vill. Reru now
R/o Kurala, Teh. Jullundur.

(Transferee)

* (3) At S. No. 2.

(Person in occupation of the property).

* (4) Anybody Interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

60 K 17 M land at V. Kurala as registered *vide* Deed
No. 2655/June, 1975 in the office of the Sub-Registrar,
Jullundur,

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 12-2 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shahdev s/o Rajeshwar,
Civil Lines, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Sh. Vijay Kumar, Ajay Kant Ss/o
Dharam Pal C/o R. L. Aggarwal, Advocate,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person which the undersigned knows to be interest-
ed in the property].

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP 1464.—Whereas, I RAVINDER KUMAR,
being the Competent Authority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-
after referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I here-
by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period
of 30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 M land at Civil Lines, Jullundur as registered vide
Deed No. 3360/June, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shri Shahdev Singh S/o Shri Rajeshwar Singh, Civil Lines, Jullundur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1465.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) of the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—
18—486G1/75

(2) Shri Dharam Pal S/o Isher Dass C/o R. L. Aggarwal, Advocate, Jullundur.

(Transferee)

*(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 M 1 and at Civil Lines, Jullundur registered vide Deed No. 3361/June, 75 O/O S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Sardara Singh Girdhara Singh S/o Shri Shiv Singh R/o Bal Teh. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Mewa Singh, Dalbir Singh S/o Shri Gian Singh, Shri Tirath S/o Avtar Singh, S/o Shri Gurbachan Singh R/o V. Bal Teh. Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1466.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Bal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

"(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

"(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30 K and 12½ Marlas land at V. Bal Registered vide Deed No. 2158/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1467.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Birinder Singh S/o Shri Charanjit Singh S/o Shri Narain Singh R/o Basti Bawa Khel Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Gurdial Singh Dhillon S/o Shri Sant Singh Dhillon R/o Nangal, Kararkhan.
(Transferee)
- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 Kanal 15 3/4 Marla land at Basti Bawa Khel, Jullundur vide Regd. Deed No. 2330/June, 1975 of Registering Authority, Jullundur

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref No. AP. 1468.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Mukerian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukerian in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Maghar Mal S/o Lala Gurditta Mal S/o Shri Ganga Ram R/o Mukerian Teh. Dasoya.
(Transferor)
- (2) Shri Swaran Kumar S/o Hakim Gurdas Ram S/o Hakim Rala Ram, Main Bazar, Mukerian Teh.
(Transferee)
- (3) At S. No. 2,
(Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop in Main Bazar, Mukerian Regd. Deed No. 816/June, 1975 of S. R. Mukerian.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Narain Kaur Wd/o Shri Makhan Singh
S/o Shri Kanhiya Singh R/o Barnala Kalan.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Vishal Co-operative House Building Society
Limited, Nawan Shahr.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) At S. No. 2,
(Person in occupation of the property).
(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1469.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Barnala Kalan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nawanshahr in June, 1975.

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-
tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

6 Kanal land at Baranala Kalan Registered vide Deed
No. 1692/June, 1975 of Registering Authority, Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the
following persons namely :—

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahesh Chander Satish Kumar Ss/o Shri Jagan Nath, Banga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(2) Shrimati Santosh Rani w/o Shri Raj Kumar, Banga.
(Transferee)(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1470.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Banga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawanshahr in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Kanal 3 Marlas land at Banga registered vide Deed No. 1116 of June, 1975 of Registering Authority, Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jawala Singh S/o Shri Sewa Singh R/o Village Gole Pind.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harjinder Singh S/o Swarn Singh R/o Village Kandola Teh. Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).
(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1471.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Gole Pind, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

40 Kanal 19 Marlas land at V. Gole Pind, Registered vide Deed No. 2386/June, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1472.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated.

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurdip Singh S/o Shri Piara Singh S/o Shri Inder Singh, R/o Goraya Teh. Phillaur.
(Transferor)

(2) M/s. Gurbux Finance P. Ltd. Phagwara C/o Shri Sadha Singh, Mg. Director.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Goraya as registered vide Deed No. 1558/ June 1975 of S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1473.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Goraya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—486GI/75

(1) Shri Kirpal Singh S/o Piara Singh R/o Goraya
Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) M/s Gurbux Finance P. Ltd, Phagwara.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Goraya as registered vide Deed No. 1266/June, 1975 of S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976,

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raghbir Kaur w/o Shri Piara Singh,
R/o Goraya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurbux Finance P. Ltd. Phagwara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

JULLUNDUR

(4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property).

Jullundur, the 12th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP/1474.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Goraya as registered vide Deed No. 1198/ June, 1975 of S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raghubir Kaur w/o Shri Piara Singh,
R/o Goraya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurbux Finance P. Ltd. Phagwara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

(3) As S. No. 2.

(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property).Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1475.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property at Goraya as registered vide Deed No. 843/June, 1975 of S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Om Parkash S/o Shri Amin Chand, N. A. 355, Krishan Pura, Jullundur City.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurdial Singh S/o Shri Darbara Singh S/o Shri Trilok Singh and
(2) Shri Surjit Singh S/o Trilok Singh s/o Khazana R/o Bye Pass, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME**TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th February 1976

Ref. No. AP. 1476.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Jullundur City as registered vide Deed No. 2699/ June, 1975 of S. R. Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th February 1976

Ref. No. JGR/1304/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 87 kanal and 2½ marla, situated at Village Jhoraran, Tehsil Jagraon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

1(1) Shri Sunder Singh, s/o Shri Boota Singh Munakha,
R/o Village Jhoraran, Tehsil Jagraon. (Transferor)

Sarvshri
(2) (1) Ajaib Singh,
(2) Mohinder Singh,
(3) Joginder Singh, s/o Shri Santa Singh,
Rs/o Village Malak, Tehsil Jagraon, District
Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 87 kanal and 2½ marla :
Land 13¼ marla 3/4th share of land 18 marla,
Khata No. 376/432, Khasra No. 199/1-256/1 Jamabandi for the year current of Village Malak,
Land 86 kanal 9 marla, Khata No. 328/423, 329/424, Rect. No. 46, Killa No. 16/1-16/2-16/3-25, Rect. No. 47, Killa No. 2/1-3/1—7/2—8/2—9—11—12/1—12/2—22—19' 1-19' 2—20—21 Jamabandi for the year 1971-72 of Village Jhoraran, Tehsil Jagraon.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2145 of July, 75, of the Registering Officer, Jagraon).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 12-2-1976.
Sent :

FORM ITNS—

(1) Shri Dial Singh S/o Shri Mall Singh, R/o Village
Rasulpur Pargana Hathur, Tehsil Jagraon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th February 1976

Ref. No. JGR/1367/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 54K and 10M situated at Village Rasulpur Pargana Hathur, Teh. Jagraon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Sarvshri
(2) (1) Mukhtiar Singh,
(2) Kartar Singh,
(3) Dalbara Singh,
(4) Avtar Singh,
(5) Kaptan Singh,
(6) Gurbax Singh, } Sons of Puran Singh
R/o Village Rasulpur Pargana Hathur, Tehsil
Jagraon, District Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; \
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 54 kanal and 10 marla 1/3rd share out of total land measuring 163 Kanal and 10 Marla, situated in Village Rasulpur Pargana Hathur, Tehsil Jagraon.
Khata No. 971/1362—1363, 972/1364—1365, 973/1366—1367, 974/1368,
Rect. No. 144, Killa No. 24—24—4—5—6—7—8—9—12—14—15—19—13—18—3/2—17—15,
Rect. No. 145 Killa No. 21/1, Rect. No. 119, Killa No. 18/1—24—25—16—17 Jamabandi for the year 1972-73.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1268 of June 1975 of the Registering Officer, Jagraon).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s D.L.F. United Limited,
40-F, Connaught Place, New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (1) Shri G. S. Bhalla,
(2) Shri D. S. Bhalla, Ss/o Bawa Sant Singh Bhalla,
House No. W.H. 200, G. T. Road, Jullundur
City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th February 1976

Ref. No. BGR/(DLI)/1348/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant Plot No. 63, Industrial Area No. I, Mathura Road, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 63, Industrial Area No. I, Mathura Road, Faridabad.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 11-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s D.E. United Limited,
40-F, Connaught Place, New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Satish Kumar Nair,
House No. 1213, Sector 8-C, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th February 1976

Ref. No. BGR/(DLI)/1336/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Plot No. C-1/11, Sector 11, Model Town, situated at Faridabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. C-1/11, Sector 11, Model Town, Faridabad.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, ChandigarhDate : 11-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th January 1976

Ref No. 4465/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A piece and parcel of converted Northern portion of the vacant plot of land forming a part of Survey Nos. 12/1 and 12/2 of Agrahara Thimmasandra, situated at Bangalore (Division No. 38), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore Document No. 1107/75-76 on 16-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

20—486GI/75

- (1) (1) Shri N. Venkatesalu Naidu, Alias N. V. Naidu S/o Late Shri S. Narayana swamy Naidu. (Transferee)
- (2) Sri V. Om Prakash (Minor) represented by his father and Natural Guardian the aforesaid Shri N. Venkatesalu Naidu, Both residing at Bharati Niwas, No. 73, Cross Road, Near T.P. Mill Circle, 5th Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.
- (2) Shri Dayalu Vaidya, S/o Mulshanker Vaidya, No. 21, IV Cross, Javachamaraja Road, Bangalore-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No 1107/75-76 dated 16-6-1975)

A piece and a parcel of converted Northern portions of the vacant plot of land forming a part of S. No. 12/1 and 12/2 of Agrahara Thimmasandra, Bangalore. (Division No. 38).

Site Area :

East to West : On the Northern Side 92 feet.
East to West : On the Southern side 94 feet.
North to South On the Eastern side 34 feet.
North to South : On the Western side 40 feet.

Boundaries :

East : Road
West : Private properties
North : Land bearing S. No. 9/1 belonging to the purchaser and
South : Portion of S. No. 12/1 and 12/2 belonging to the vendors.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 27-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. Anthony Michael, S/o late Subedar A. Michael, No. 2, Chinnaswamy Pillai Road, Jaya Bharathinagar, Bangalore-53.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th January 1976

Ref. No. 62/4631/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 102, K. G. Baidarahalli Village, Civil Station, Bangalore, situated at Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1279/75-76 on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Janab K. Abdul Basith Khan, S/o Late Sattar Khan, Upstairs, No. 22, Circular Street, Shanthinagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1279/75-76 dated 17-6-1975)

Converted land measuring one acre and 39 guntas in S. No. 102 K. Baidarahalli, Civil Station, Bangalore:

Boundries :

North : Land belonging to Khayam Guttedar and Survey No. 79 (now Road running from Munireddy Palyam to Chinnappa Garden).

South : Khayam Gutta Majere Ramaswamy Palya, known as Gramatana.

East : Survey No. 101 (now by Nandidug Cross Road) and Gramatana.

West : Survey No. 103 of K. G. Baidarahalli Village, Civil Station, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. Subbarayappa, S/o Thimmaiah, No. 16,
15th Cross, Cubbonpet, Bangalore-2.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. Parameswariah, S/o Basaiah, Pr. in M/s.
Tanardhana Silk House, P.B. No. 6865, 4, 26th
Cross, Cubbonpet Bangalore-2.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 22nd January 1976

(b) by any other person interested in the said
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

Ref No. 62/4632/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, KRISHNA-
MOORTHY,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition
Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Portion of premises Old No. 96, New Nos. 115/220,
116/219, 117/218 and 118/27 situated at Cubbonpet Main
Road, Bangalore,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1283/75-76 on
18-6-1975.

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in
Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1287/75-76, dated 18-6-1975).
Portion of premises Old No. 96 and New Nos. 115/220,
116/219, 117/218 and 118/27 situated at Cubbonpet Main
Road, Bangalore.

Site Area :

East : 14 feet.	}	940 Sq. ft.
West : 33 feet.		
North : 40 feet and		
South : 40 feet.		

Boundries :

East : L.I.C. Building.
West : Property belonging or retained by the vendor
North : Basappa Park Road and
South : Private property.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-
Tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
1) of Section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—

Date : 22-1 1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kumari Reena Dutt D/o Sri G. L. Dutt No. 125,
Kilari Road, Bangalore City.

(Transfector)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri R. Chick Muniyappa S/o Sri P. C. Rajappa,
No. 38, Mohidden Sab Lane, Jumma Masjid Road
Cross, Bangalore-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27(3) Mr. R. J. Anthony.
(Persons in occupation of the property).Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-27, the 22nd January 1976

Ref. Nt. 62/4641/75-76/ACQ/B—Whereas, I. R. KRISH
NAMOORTHY,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition
Range, Bangalore,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearingNo. House No. 208 situated at Cubbonpet Main Road, Banga-
lore-2 (Division No. 43),(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer atGrandhinagar, Bangalore Document No. 1380/75-76 on
25-6-1975,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income* or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1380/75-76, dated 25-6-1975)
House No. 208, Cubbonpet Main Road, Bangalore-2,
(Division No. 43)

Site Area :

East to West : On the Northern side 43 feet.
East to West : On the Southern side 47 feet.
North to South : On the Eastern side 46 feet and
North to South : On the Western side 27 feet.

Boundries

East : House belonging to Shri Raju Mudaliar,
West : 7th Cross Road.
North : House belonging to Kumari Reena Dutt of
No. 1/18 and
South : Cubbonpet Main Road.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-1-1976.

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th January 1976

Ref. No. 62/4485/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISH-
NAMOORTHY,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition
Range, Bangalore,being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Corner Vacant site bearing No. 133 in Binnamangala
Layout now known as Indiranagar Layout, situated at
Bangalore-38.(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer atShivajinagar, Bangalore, Document No. 1124/75-76 on
28-6-1975,for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the ob-
ject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)
or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act,' to the following per-
sons, namely :—

- (1) (1) Mr. Norbert Joseph Philip Vas,
- (2) Mrs. Christine Philomina Vas W/o Mr. Norbert
Joseph Philip Vas both residing at No. 43,
Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-
25.

(Transferor)

- (2) Shri K. Narayanan, No. 3/4, 'B' Cleveland Road,
Fraser Town, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the 'said Act', shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1124/75-76, dated 28-6-1975)
Corner Vacant site bearing No. 133, in Binnamangala
Layout now known as Indiranagar Layout, Bangalore-38.

Site Area :

East to West : 61 feet 6 inches, } 2440 sq feet
North to South : 40 feet

Boundries :

North : Site No. 134,
South : Layout Road,
East : Site No. 172 and
West : Layout Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. I. V. Rao S/o Shri Laxman Rao R/o
Jehangirabad, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishanlal Idla S/o Shri Murlidhar Idla C/o
119 Malviya Nagar, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half south side portion of House No. 44 situated at Malviya Nagar, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 25-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half south side portion of House No. 44 situated at Malviya Nagar, Bhopal.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kamaman, 2. Shri Pasak, 3. Shri Rajeem S/o
Dhmun Gaur, R/o Village Titurdih, Distt. Durg.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Asha Lata W/o Shri Ramesh Kumar, 2.
Smt. Prabha Jain W/o Shri Rajendra Jain, 3. Smt.
Puspelata W/o Shri B. K. Gupta, Bhilai Nagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

Bhopal, the 12th February 1976

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, 1, V. K. SINHA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 2.85 acres of agricultural land situated at Titurdih
Village, Near Durg Station situated at Durg,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Durg on 10-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXIA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

2.85 acres of agricultural land situated at Titurdih Village,
Near Durg Station.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM I T N S

(1) Shri Surendra Prasad Agaiwal R/o Ghanga Teh
and District Durg
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bidam Bai Wd/o Shri Suklal Jain R/o
Jawahar Chouk, Durg
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref No IAC/ACQ/BPL/75-76—Whereas, I, V K SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Single storey house situated in Marthal Para Near Maruti Temple Ward No 23, PH No 78, R No 269, Teh and District Durg situated at Durg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 2-7 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Single storey house situated in Marthal Para Near Maruti Temple Ward No 23 PH No 78, R No 269, Teh and District Durg.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons, namely:—

V K SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date 12-2 1976.
Seal ,

FORM ITNS—

(1) Shri Jyoti Bhoosan Pratap Singh R/o Pratap Bhavan,
Tilak Nagar, Chata-para, Bilaspur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Single storey house at Rani Road, Korba situated at Korba, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gilaspur on 30-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—486GI/75

(2) Shri Manohar Singh S/o Kesar Singh C/o Darshan Singh S/o Keshar Singh, R/o Rani Road, Korba, District Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Single storey house at Rani Road, Korba.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-766.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural and non-agricultural lands situated at Gole-ka-Mandar Road, Murar situated at Murar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 23-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Kailash Prasad S/o Jagannath Prasad alias Jagannath Prasad Gar, R/o Thandi Sadak, Murar, Gwalior.
Shri Jagatnarayan Bighichandji Vaishya, R/o Thandi Sadak, Murar, Gwalior.

(Transferor)

(2) M/s. Shyam Land Dealers, Naya Bazar, Lashkar (R.F.) Partners—Shri Padam Kumar Garg, and Vijaya Kumar Garg, C/o M/s. Ramprasad Ramnarayan, Krishna Bhavan, Naya Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and non-agricultural land situated at Gole-ka-Mandar Road, Murar, Gwalior.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agricultural and non-agricultural lands situated at Goleka-Mandar Road, Murar situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 23-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of the 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Murarilal S/o Munshilal Garg, R/o Thandi Sadak, Murar, Shri Bhagwati Prasad, Omprakash, Jaya-Prakash alias Jayanarayan S/o Munshilal Garg, all R/o Dal Bazar, Lashkar.

(Transferor)

- (2) M/s. Shyam Land Dealers, Naya Bazar, Lashkar (R.F.) Partners—Shri Padam Kumar Garg, Vijay Kumar Garg, C/o M/s. Ram Prasad Ramnarayan, Krishna Bhavan, Naya Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and non-agricultural lands situated at Goleka-Mandar Road, Murar.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd.,
40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hindusthan National Glass & Industries Ltd.,
Bahadur Garh (Rohtak).

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st January

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/June-I/26/824.—Whereas, I,
C. V. GUPTE,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
W-27, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in 4-6-1975

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. W-27, measuring 1522 sq. yds.
situated in a residential colony known as Greater Kailash-II,
village Bahapur, in the Union Territory of Delhi, and
bounded as under :—

North : Plot No. W-29
South : Plot No. W-25
East : Road
West : Colony Boundary.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 31-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D.L.F. United Ltd.,
40-F, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shashi Wahal w/o Shri K. N. Wahal,
r/o N-194, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1976

Ref No. IAC/Acq I/SR/III/818/June-I(20)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTE,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
S-523, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 4-6-1975,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by the other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 474.6 Sq. yds bearing
No. S-523 in the residential colony known as Greater
Kailash-II situated at village Bahapur in the Union Territory
of Delhi and bounded as under :—

North : Road

South : Service Lane

East : Plot No. S-525

West : Plot No. S-523-A.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 10-2-1976

Seal .

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd.,
40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Jasvinder Singh s/o S. Dharam Singh,
r/o 2-A/140, Safderjang Enclave, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/820(22)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-155, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 400 sq. yds. bearing No. M-155, in residential colony known as Greater Kailash-II, situate at Village Bahapur in the Union Territory of Delhi & bounded as under :—

North : Plot No. M-153
South : Plot No. M-157
East : Service Lane
West : Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D. L. F. United Limited,
40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Charanjit Kaur Bedi w/o
Shri Wishwa Mitter Bedi r/o
15/14-A, Tilak Nagar, New Delhi-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/821/June-I(23)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. W-19, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 1005 sq. yds and bearing No. W-19, in the residential colony known as Greater Kailash-II, situate at village Bahapur, in the Union Territory of Delhi, bounded as under:

North : Road
South : Colony Boundary
East : Plot No. W-17
West : Plot No. W-21.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/Acq./857/June-II/(30)75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of Plots 9 & 10 situated at N.D.S.E. Part-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25th June, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Shri Ramadhar s/o Shri Gayadin Prasad,
Partner of Ramadhar & Company, 35,
Hanuman Road, New Delhi-I,

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh s/o Shri Surajmal,
r/o Bahadurgarh (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-third share in the plots bearing Nos. 9 and 10 measuring 671½ sq. yds each situated in N.D.S.E. Cooperative Colony, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

Both the plots are bounded as under:—

North: Service Land 15' wide

South: Ring Road

East: House on plot No. 8

West: House on plot No. 11.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-2-1976

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Subhash Chand Seth,
s/o Shri Devki Nandan Seth,
r/o 8901, Naya Mohalla Pul Bangash, Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Santosh Bal Bagga w/o
Shri Sudesh Kumar Bagga,
r/o 17/4 West Patel Nagar, New Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1976

Ref No IAC/Acq II/2153/1073/75-76 —Whereas, I, S N L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No 9, situated at Municipal Market, Ramesh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —
22—486GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 9 situated in Municipal Market, Ramesh Nagar, New Delhi constructed on a plot of land measuring 865 12 sq fts

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 12-2-1976

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2122/1074/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

First floor of flat No. 19, situated at Lehna Singh Market, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) 1. S/Shri Jagat Ram,
2. Om Parkash,
3. Moti Lal sons of Shri Girdhari Lal,
r/o Flat No. 19 Lehna Singh Market,
Subzi Mandi, Delhi through their general
attorney Shri Dilbagh Rai Vohra s/o L. Bragat
Ram Vohra,
r/o Flat No. 19 Lehna Singh Market,
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Santosh Vohra w/o Shri Dilbagh Singh, Vohra,
r/o Flat No. 19 Lehna Singh Market,
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of flat at No. 19 Lahna Singh Market, Subzi Mandi, Delhi constructed on a plot of land 116 sq. yds (land charged to first floor=1/3rd) and bounded as under :—

North : Passage below.
South : Open compound of market.
East : Flat No. 18.
West : Flat No. 20.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2107/1075/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-25, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Lajwanti widow of Shri Bhagwan Dass, r/o A-5/55, Moti Nagar, New Delhi herself and also mother and natural guardian of her sons Jagmohan.
2. Surinder Mohan
3. Smt. Promila
4. Chander Mohan
5. Sh. Devinder Mohan
6. Sh. Sushil Mohan, r/o A-5/55, Moti Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Harbans Kaur Suri w/o S. Arjan Singh Suri, r/o A-2/59 Rajouri Garden, New Delhi-27.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of free-hold plot of land bearing plot No. 25 in Block 'F' measuring 262 sq yds. situated in the colony known as Rajouri Garden, New Delhi area of village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under :—

North :: Road.

South : House on plot No. F-65.

East : House on plot No. F-38.

West : House on plot No. F-39.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Amarbhaj s/o Shri Motibhai,
r/o XVII/2581, Ranjit Nagar, Shahdipur,
Delhi-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Anita Devi w/o
Shri Paras Ram, r/o
2373/1A, Shadi Khampur,
New Delhi-8.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2132/1076/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the competent authority under section 269B,
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. XVII/2581 Gali Mandir Wali,
situated at Ranjit Nagar, Shahdipur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in June, 1975,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the
following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
Said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on a plot of land measuring 100 sq. yds
situated at No. XVII/2581 Gali Mandir Wali Ranjit Nagar,
Shadipur, Delhi and bounded as under:—

North : Passage
South : Others property
East : Others property
West : Arya Samaj Mandir

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-2-1976

Seal:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/Acq-II/359/1077/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-13, situated at Azad Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Billo Wd/o Late Shri Padam Sen,
r/o E-15/10, Krishan Nagar, Delhi-51,
herself and natural guardian of her minor sons and daughters,
1. Miss Poonam
2. Miss Giano
3. Sh. Gianseshwar Dutt
4. Sh. Manoj Kumar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Avtar
2. Shri Ashwani Kumar s/o Shri Shori Lal Sehgal,
both residents of 46/3-B/2, East Azad Nagar,
Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land measuring 200 sq. yds situated at Plot No. 13 out of Khasra No. 974/287/1 in Block A at Village Ghaundi, abadi of Azad Nagar, Shahdara, Delhi and bounded as under :—

East : Gali
North : Plot No. 11
West : Road
South : Built up property on plot No. 15.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sohan Lal s/o Shri Ram Piara,
39/14, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Santosh Kumari w/o
Shri Sat Pal Dugal,
r/o F-509, Karampura, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD,*

NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2159/1078/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39/14, situated at Ramesh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 116 sq. yds bearing plot No. 39/14 Ramesh Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Service Lane
East : Plot No. 39/13
West : Plot No. 39/15.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Lal s/o Shri Sahib Ram,
r/o 2/51A, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Rajinder Singh s/o
S. Labh Singh,
r/o D-27, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2116/1079/75-76.—Whereas, I,
S N L. AGARWALA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

D 49, situated at Bali Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at
Delhi in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following per-
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable
property within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A house constructed on a plot of land measuring
126 sq. yds situated at No. D-49, Bali Nagar, New Delhi and
bounded as under :—

North : Road 30'
West : Plot No. D-48
East : Plot No. D-50
South : Lane 15'.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-2 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2084/1080/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 share of E-10, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Samurti Devi w/o Sh. Rajinder Kumar.
2. Smt. Ghogri w/o Sh. Rama Nand Chowdhary,
r/o Village Bassaidarapur, Delhi.
(Transferor)

- (2) Shri Gian Chand s/o Sh. Sant Lal,
r/o A-106, Shirdapuri, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 undivided share in a plot of land measuring 312 sq. yds bearing plot No. E-10, Bali Nagar, area of Village Bassai Darapura, Delhi and bounded as under :—

North : Road and Park
South : Gali 15'
East : Plot No. 11
West : Plot No. 9.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Date : 13-2 1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1081/360/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/6-C, situated at East Azad Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23—486 GI/75

(1) Shri Jeevan Puri w/o Sh. Devi Dayal Puri,
r/o B-Tank Patiala through Sh. Gopal Krishan
s/o Sh. Devi Dayal Puri,
r/o B-tank, Patiala (General power of Attorney).
(Transferor)

(2) Shri Babu Daya Kishan, s/o
Shri Ramji Dass, r/o
109/7, Tilak Bazar, Khari Boali, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house constructed on a plot of land measuring 210 sq. yds out of Khasra No. 734/152-153 bearing No. 25/6-C situated at East Azad Nagar, Shahdara Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-2 1976

Seal:

FORM ITNS

- (1) Shri Mohinder Lal s/o Sh. Balmukand, r/o 4/82, Ramesh Nagar, Delhi through general power of attorney Shri Amar Singh s/o Sh. Paruman Singh, r/o 4/82, Ramesh Nagar, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Jeet Kaur w/o Sh. Amar Singh, r/o 4/82, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2179/1082/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/82, situated at Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 100 sq. yds situated at No. 4/82 Ramesh Nagar, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2 1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Dhamodaran
S/o Shri P. A. Raju Chettiar,
No. 411, Vysial Street, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Krishnan,
S/o Shri P. A. Raju Chettiar,
411 Vysial Street, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 7th February 1976

Ref. No. F. 2550/75-76.—Whereas, I, G. B. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/110 to 112 and 17/113 to 116, Nawab Hakim Road and Ismail Rowther Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.L., Coimbatore (Doc. No. 2578/75) on 26-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and bearing D. No. 16/100 to 112; and D. No. 17/113 to 116 (T. S. No. 618 and 619 Ward No. 2) situated at Nawab Hakim Road and Ismail Rowther Street, Coimbatore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. B. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. S. Vaidyanathan
S/o Shri K. V. Subramania Iyer,
Ramanathapuram, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Premier Mills (Cbe) Ltd.
Pulankinar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 7th February 1976

f. No. F. 2558/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value T.S. No. 10/1776/1, exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Ramanathapuram, Coimbatore (23½ cents) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I. Coimbatore (Doc. No. 2215/75) on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 23½ cents and bearing T.S. No. 10/1776/1 Ramanathapuram, Coimbatore.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 7th February 1976

Ref. No. 2558/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 10/1776/1, situated at Ramanathapuram, Coimbatore (23½ cents) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.L., Coimbatore (Doc. No. 2216/75) on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri K. S. Ramanatha Iyer;
2. Shri K. R. Subramanian;
3. Shri R. Ramamurthy;
4. Shri K. S. Chandrasekaran;
5. Sri K. S. Ramarathnam (Minor) S/o Shri K. R. Subramanian Coimbatore.

(Transferor)

- (2) The Premier Mills (Cbe) Ltd. M
Pulankinar, Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 23½ cents and bearing T.S. No. 10/1776/1 (Municipal Ward No. 5) situated at Ramanathapuram, Coimbatore.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Date : 7-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 9th February 1976

Ref. No. IX/1/46/75476.—Whereas, I, G RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

44, situated at Parish Venkatachala Iyer Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras (Doc. No. 4915/75) on June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. S. A. M. Shamsudeen,
S. A. M. Farook &
S. A. M. Jamaludeen,
262, Linghi Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) M/s. V. P. Muthukkumaraswamy, (1)
V. P. Lakshmanaswamy & (2)
V. P. Rathaswamy, and (3)
Mrs. M. Khanthimathi (4), wife of No. (1),
Mrs. L. Rathinambal (5), wife of No. (2) &
Mrs. R. Annapoorani (6), wife of No. (3),
No. 10, Kathuriranga Iyengar Road, Madras-18.

(Transferee)

(3) 1. M/s. V. Subramaniam & A. R. S. Sethuraman,
2. M/s. H. M. Nizamuddin,
3. India Textiles,
4. Madras Glass & Plywood Depot,
5. S. Jani Batcha,
6. N. P. Shahul Hameed,
7. Mujawar & Co.,
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1974 sq. ft. with building thereon at door No. (R.S. No. 5529/2), Parish Venkatachala Iyer Street, George Town, Madras-1.

G. RAMANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Madras 6

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS-_____

(1) Shri F. V. Balasubramania Chetty,
73, Narayana Mudali Street,
Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
MADRAS-6

(2) Shri B. Vēdachalam,
9, Muniappa Mudali Street,
Kondithope, Madras-1.
Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. Pandya & Co.,
M/s. Meeram Stores,
M/s. Manmull,
M/s. Bansali,
Roopchand,
M/s. Rangan.

[Person in occupation of the property]

Madras-6, the 9th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IX/1/51/JUNE/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 73 situated at Narayana Mudali Street, Madras—

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4188/75) on 9-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 1890, sq. ft. with building thereon at door No 73 (Patta No. 10802) Narayana Mudali Street, Madras-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1976

Seal

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

FORM ITNS—

(1) M/s. M. Selvaraman,
M/s. S. Ramakrishnan,
M/s. S. Balakrishnan,
No. 8, Landers Road,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri A. K. Sreenivasan,
No. 3, Rajrathinam Street,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

MADRAS-6

Madras-6, the 9th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IX/1/55(JUNE)75-76.—Whereas, I, G. RAMA-
NATHAN being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to
believe that the imovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
3, situated at Rajarathnam Street, Kilpauk, Madras-10
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
Madras (Doc. No. 4538/75) on 21-6-1975
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act,
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 grounds and 322 sq. ft. with building
thereon at door No. 3 (R. S. No. 154) Rajarathinam Street,
Kilpauk, Madras-10.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 9-2-1976
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

Madras-6, the 9th February 1976

Ref. No. IX/4/14/(JUNE)/1975-76.—Whereas, I. R. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Perumal Mudali Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Madras (Doc. No. 500/75) on 30-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
24—486GI/75

- (1) Shri P. S. Sekhar,
12/4, Dewan Rama Iyengar Road,
(Transferor)
- (2) M/s. Ramlal & Lakshmichand,
4, Perumal Mudali St.,
Madras-1.
(Transferee)
- (3) Ranka & Co.,
K Babulal
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 666 sq. ft. with building thereon at door No. 4 (R.S. Nos. 10684/2, 10684/3 and 10683/1) Perumal Mudali Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 9-2-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras, 6, the 9th February 1976

Ref. No. IX/4/15/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-
NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Perumal Mudali Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 499/75) on 30-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) M/s. P. S. Durai, D. Ganesh & D. Satish,
5, Damodar Mudaliar Road, Kilpauk,
Madras-10.

(Transferor)

(2) M/s. Kundanmal & Sitaram,
3, Perumal Mudali Street, Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. Ranka & Co.,
M/s. Veerchand,
M/s. Kundanmal Vasraj,
M/s. Ramesh Traders &
M/s. S. Kannappa Pillai & Co.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 666 sq. ft. with building thereon at door No. 3 (R. S. No. 10683/2) Perumal Mudali Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 9-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th February 1976

Ref. No. XIV/9/1(JUNE)/75-76.—Whereas, I, RAMA-NATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. Nos. 452, 454, 456, 458, 460, 465, 466, 467 & 468
situated at Valayanodai village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Manamadurai (Doc. No. 764/75) on June 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following per-
sons, namely :—

- (1) 1. Shri Rakkappan,
2. Shri Kannappan,
3. Subramaniam &
4. Shri Ramakrishnan,
by father & guardian Shri Rakkappan, Nattarasan-
kottai 623556.
(Transferor)

- (2) Shri Chellam,
S/o. S. Rengasamy Servai,
Peria Thamba Kilan,
Soorakulam group, Ramnad Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 71-60 acres in Survey Nos. 452, 454, 456,
458, 460 and 465 to 468, Vilayanodai village, Soorakulam
group.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. M. S. Raju, Mohan Robert & Selvi,
Rayappanpatti, Uthamapalayam Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. V. Mohan,
Pannaipuram P.O.
Uthamapalayam Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th February 1976

Ref. No. X/4/74(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

82/3A I, situated at Alagapuri village (Appupatti) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Chinnamanur (Doc. No. 219/75) on 27-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the transfer; and/or the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5-20 acres in Alagapuri village (Appupatti), near Chinnamanur (Survey No. 2/3A I).

G. RAMANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. M. S. Raju, Robert, Mohan and Selvi,
Rayappanpatti, Uthamapalayam Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri P. T. Vadivel Gowder,
Pannaipuram, Uthamapalayam-626524.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 10th February 1976

Ref. No. X/4/76(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 82/3A 1, situated at Alagapuri village (Appupatti) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chinnamanur (Doc. No. 2191/75) on 27-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5-20 acres in Survey No. 82/3A, 1, Alagapuri village (Appupatti).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 11-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. M. S. Raju, Mohan, Robert & Selvi,
Rayappanpatti 626526,
Uthamapalayam Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri V. Vijayakumar,
Pannaipuram 626524,
Uthamapalayam Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th February 1976

Ref. No. X/4/75(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 82/3A 1, situated at Alagapuri village (Appupatti) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chinnamanur (Doc. No. 2190/75) on 27-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5-20 acres in Survey No. 82/3A 1, Alagapuri village Appupatti.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 11-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTINGASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Ref. No. VI/1/106(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and T. S. No. 356/I B, situated at Ward No. 2, Karur Trunk Road, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Doc. No. 471/75) on 13-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. V. Vimala,
W/o M. Venkatachalam,
12-C, Co-operative Colony,
Dindigul.

(Transferor)

(2) Dr. N. Ramanujam,
No. 3, Co-operative Colony,
Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5600 sq. ft. with buildings thereon in T.S. No. 365/1B, Ward No. 2, Dindigul.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-2-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Ref. No. IX/6/12(JUNE)/1975-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 455/2, situated at Poonamallee High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 613/15) on June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. P. T. Kalliani Amma,
Thazathayil House,
Anakkara Post, Kuttipuram,
Palghat Dt., Kerala State
 2. Dr. P. T. Sridevi Amma alias Dr. Mrs. Devi Biswas,
 2. Jalan Putre, Kualalumpur,
By Special Power of Attorney Agent for Dr. P. T. Sridevi Amma, wife of Susil Kumar Biswas,
No. 2, Jalan Putre,
Kualalumpur 03-15, Malaysia.
- (Transferor)
- (2) M/s. C. Abdul Rehman & Co.,
29, V. V. Kovil Street,
Madras-3.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 1725 sq. ft. in R.S. No. 455/2 (part), Poonamallee High Road, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mallikambal,
26, Rakkiappa Mudali St.,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri J. Rajesh,
By father & guardian Dr. K. Jagadesan,
No. 12, 8th Street, P.T. Rajan Road,
Madurai-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Ref. No. X/12/79(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1 T.S. 2782, situated at Chokkikulam Extension, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 1910/75) on June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—486G1/75

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 16½ cents in plot No. 1 T.S. No. 2782, Ward 6, Chokkikulam Extension, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Malikambal,
26, Rakkiappa Mudali St.,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Geetha Jagadesan,
W/o Dr. K. Jagadesan,
No. 12, 8th Street, P.T. Rajan Road,
Madurai-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Ref No. X/12/80(JUNF)/1975-76.—Whereas, I,

G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 T.S. 2782, situated at Chokkikulam Extension Ward 6, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at thallakulam (Doc. No. 1943/75) on 21-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 16 cents in plot No. 2, T.S. No 2782, Ward 6, Chokkikulam Extension, Madurai.

G. RAMANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax

Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM TENS

- (1) M/s Kulan Samban,
M/s. Molayan Samban &
M/s. Angamuthu Samban.
Naraikinar, 628303,
Rasipuram Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri R. Rathiva Sabapathy,
s/o R. Ramasamy Naidu,
Naraikinar 628303
Rasipuram Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Ref. No. XVI/6/100(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R S. No. 73/2, situated at Naraikinar village, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Namagiripettai (Doc. No. 650/75) on 16-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural lands measuring 6.16 acres in R.S. No. 73/2, Naraikinar village, Salem district.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Ref. No. XVI/6/101(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 732, situated at Naraikinar village, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripettai (Doc. No. 651/75) on 16-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Kullam Samban,
M/s. Molayan Samban &
M/s. Angamuthu Samban,
Naraikinar 628303.

(Transferor)

- (2) Shri Chinnusamy Naidu,
s/o Ramaswamy Naidu,
Naraikinar 628303

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural lands measuring 6.16 acres in R.S. No. 73/2, Naraikinar village, Salem District.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th February 1976

Ref. No. IX/6/17(JUNE)/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 231, situated at Poonamallee High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 639/75) on June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) APPAR TRUST,
by trustees:
1. Dr. V. Thirunavukkarasu &
2. Mrs. V. Radha w/o
late Dr. M. Varadarajan,
No. 19, Chellammal Street, Lakshmipuram,
Madras-29

(Transferor)

- (2) Shri S. Thirunavukkarasu,
s/o A. Subramania Mudaliar,
42, Vellala Street, Aminjikarai,
Madras-29.

(Transferee)

- (3) Shri R. V. Babu Nageswaran.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 1434 sq. ft. in Rs. S. No. 231, Poonamallee High Road, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 13-2-76

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th February 1976

Ref. No. IX/6/18(JUNE)/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 231, situated at New Avadi Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras (Doc. No. 640/75) on June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) APPAR TRUST,
by trustees :
1. Dr. V. Thirunavukkarasu &
2. Mrs. V. Radha, w/o
late Dr. M. Varadarajan,
No. 19, Chellammal Street,
Lakshmipuram, Madras-29.

(Transferor)

- (2) Shri S. Thirunavukkarasu,
s/o A. Subramania Mudaliar,
42, Vellala Street, Aminjikarai,
Madras-29.

(Transferee)

- (3) Shri R. V. Babu Nageswaran,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 1800 sq. ft. in R.S. No. 231, New Avadi Road, Madras.

G. RAMANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 13-2-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dattaraya Rajaram Velhal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harishchandra R. Velhal,

(Transferee)

*(3) Tenants.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

SMT. K.G.D.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 13th February 1976

Ref No AR-I/1187-6/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 1075(P), 1077(P), 1078(P) of Lower Parel Division situated at New Prabhadevi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10/6/1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 3087 sq. yds. or thereabouts equivalent to 2580.43 sq. mts. or thereabouts being Final Plot No. 1091 of Town Planning Scheme-IV, New Prabhadevi Road, Bombay, together with the messuages, tenements dwelling houses factory building standing thereon (except the structures now standing on the portion of the land) situate lying and being at New Prabhadevi Road, Dadar, Bombay, District Bombay and bearing Collector's Old Nos. 468 and 374 and New Nos. 1A/2470 and 4118, Old S. No. 559 and 561 and New Survey No. 1A/1698 and 2/1698 C.S. No. 1075(P), 1076(P), 1077(P) and 1078(P) of Lower Parel Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under G Ward Nos. 2983(1), 2983(3) and 2983(4) and Street Nos. 1138, 109-109A and 111-113 and bounded as follows: that is to say on or towards the North by 90 Feet Wide Road, on or towards the south by the property of Memon Noormahomed Haji Suleman, partly by the property of Standard Mills Ltd., and partly by the property of Harish Chandra Dhanji, on or towards the East by the said New Prabhadevi Road and on or towards the West by the portion of the land formerly belonging to the Vendor and the purchaser and beyond that by the land belonging to Harish Chandra Dhanji.

V. R. AMIN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-2-1976,

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ghanshyamdas Balchand and others.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th February 1976

Ref. No. ARI/1192-11/June-75.—Whereas, I. V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of IncomeTax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. F-1128-A situated at Bandra,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-6-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided piece and parcel of land admeasuring about 51-18 sq. mtrs. (56 sq. yards) with structures thereon bearing shop No. 17 and flat No. 31 on the ground floor of Block A out of entire plot of land bearing old survey No. 235-A Hissa No. 1 and Survey No. 235-A and N.A.S. No. 235/2 and CTS No. F. 1128-A situated on Turner Road, Bandra South Salsette Taluka in the Sub-District Registration Bandra and Bombay Suburban district.

V. R. AMIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Ganshyamdas Balchand & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hasina M. Parker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
K. G. M. BUILDING, BOMBAY-2

Bombay-2, the 9th February 1976

Ref. No. ARI/1208-12/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. F-1128-A situated at Turner Road, Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

26—486GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided piece and parcel of land admeasuring about 51-18 sq mts. (56 sq yards) with structures thereon bearing Nos. Shop No. 17 and flat No. 31 on the ground floor of Block A out of entire plot of land bearing old S. No. 235-A H.No. 1 C.S.T. No. and S.No. 235-B H. No. 2, C.S.T. No. situated on Turner Road, Bandra South Salesette Taluka in the Sub-District Registration Bandra and Bombay Suburban District.

[Signature]

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
SMT. K.G.D.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL, BLDG.
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 13th February 1976

Ref. No. ARI/1193-12/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 247 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Ridge Road, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Acts, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pravin Kumar Ratilal Thakkar. (Transferor)
- (2) Shri Kamalini Champklal Mody and Others. (Transferee)

- “(3) Tenants.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of pension and tax redeemed land or ground with the messuages tenements or dwelling house standing thereon situate lying and being on the western side of Ridge Road in the Registration sub-district of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 1336 sq. yards i.e. 1117.02 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under New No. 2711 new Survey No. 7186 (part) and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under D ward Nos. 3196 (2) and 3196(2A) and Street No. 36 Ridge Road and No. 1 Winter Road and bearing Cadastral Survey No. 247 of Malabar and Cumballa Hill Division and bounded as follows:—That is to say, on or towards the East by the Ridge Road, on or towards the West by the property of Kshanlal Maganlal Hargovinddas, on or towards the North by Winter Road and on or towards the South by the property of Lalji Doongersey and Jadhavji Doongersey now belonging to Gordhandas Jadhavji Ruparel and others.

SECOND SCHEDULE

All that piece or parcel of land of the Pension and tax tenure (assessment redeemed) situate lying and being at Ridge Road in the City and Registration sub-District of Bombay containing by admeasurement an area of 1005 sq. yards i.e. 840.28 sq. mts. or thereabouts out of which 55 sq. yards i.e. 45.95 sq. mts. or thereabouts have been taken away in set back leaving an area of 950 sq. yds. i.e. 784.29 sq. mts. or thereabouts & bearing Collector's New No. 2711 (part) New Survey No. 7186 (part) and C.S. No. 247 (part) of Malabar and Cumballa Hill Division together with the messuages tenements & building erected thereon bearing Municipal D Ward No. 3196(2) Street No. 36 Ridge Road and bounded on or towards the East by the Ridge Road, on or towards the West by the property belonging to Kanti Ratilal Thakkar with the building thereon called 'ARTI' on or towards the North by the Winter Road and partly by the said 'Arti' and on or towards the South the property of Gordhandas Jadhavji Ruparel and others.

Secondly: All that piece or parcel of land of Pension and Tax tenure.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-2-1976.
Seal:

FORM FINS

(1) Smt. Rena Rozario.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Vaibhav Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-I
SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY.

Bombay-400002, the 13th February 1976

Ref. No. ARI/1206-10/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CS No. 1219 Lower Parel Division situated at Old Prabhadevi Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground hereditaments and premises situate at Old Prabhadevi Road, Dadar, in the Registration Sub-District of Bombay bearing Final Plot No. 877 of the Town Planning Scheme Bombay City No. IV (Mahim Area) (Final) and Cadastral Survey No. 1219 of Lower Parel Division and together with a family house and three out-houses standing thereon Municipal "G" (North) Ward Nos. 2750-51, 2752 and 2752(1A) and Street Nos. 215-216-27B 27BA Old Prabhadevi Road and admeasuring about 2120 square yards equivalent to 1772.595 square metres or thereabouts and bounded as follows that is to say :

On or towards the North : by the property bearing Final Plot No. 876 of the said scheme.

On or towards the South : by Final Plot No. 878 of the said Scheme;

On or towards the East : by the proposed 40 feet wide road; and

On or towards the West : Partly by old Prabhadevi Road and partly by the Final Plot No. 879 of the said Scheme.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
- INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IVSMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 13th February 1976

Ref. No. ARI/1306-17/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 280 Hissa No. 3 S. No. 281, H. No. 8, Survey No. 281, Hissa No. 10 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) St. Vincent De Paul's Co-operative Housing Society Ltd. garden House No. 2 1st Rd. Khar, Bombay-52. (Transferor)
- (2) Glaxo Staff Co-op. Housing Society Ltd. Worli, Bombay-25. (Transferee)
- (3) Mr. Ramchandra Jadav. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of agricultural lands situate lying and being at Bandra in the Registration Sub-District of Bandra, Registration District Bombay Suburban in Greater Bombay admeasuring according to the City Survey Record 13477.27 sq. yards (i.e. 11268.70 square metres) and bearing Survey No. 280 Hissa No. 3 Survey No. 281 Hissa No. 8 and Survey No. 281 Hissa No. 10 and bearing City Survey Nos. B/1038, B/1046 and B/1041 and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under H Ward No. 1130(1) and (1A) Street Nos. 27D and 27DA Mount Mary Road and bounded on or towards the North partly by Survey No. 281 Hissa No. 7 (part) formerly belonging to late Mrs. Sirinbai N. J. Dady, partly by Survey No. 281 Hissa No. 9 and Hissa No. 7 (part) formerly belonging to John Edward D'Mello, partly by Survey No. 281 Hissa No. 5 formerly belong to Agnes Ferreira and another and partly by Survey No. 281 Hissa No. 6 formerly belonging to the said late Mrs. Sirinbai N. J. Dady, on or towards the South partly by N. A. No. 195 belonging to the Mount Mary Chapel and partly by Survey No. 280 Hissa No. 4 (part) formerly belonging to the late Mr. E. J. Rebello and partly by Survey No. 279 (part) on or towards the East partly by Survey No. 280 Hissa No. 4 (part) formerly belonging to the late Mr. E. J. Rebello partly by Survey No. 280 Hissa No. 4 (part) formerly belonging to Maneckbai Hormasji Mody partly by Survey No. 281 Hissa No. 11 formerly belonging to Behram Khodabadi Irani and partly by the Saint John Baptist Road and on or towards the West by Survey No. 280 Hissa No. 2 belonging to Dr. Cecil Dec'Monte.

V. R. AMIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IVSMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NEAR CHARNI ROAD STATION,
NIFTAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 11th February 1976

No. Acqn. Range -IV/AP/-211/75-76.—Whereas, I, G. A. JAMFS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Sheet No. 15 Chalta No. 16, Survey No. 60 Hissa No. 1, admeasuring 7617 sq. yds. (6371.6 sq. metres), situated at Village Versova, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shripad Shamrao Madan,
(2) Kum. Kalindi Shamrao Madan,
(3) Kum. Pramodini Shamrao Madan,
(4) Kum. Shalini Shamrao Madan,
(5) Smt. Saroj Alasingar Aji (formerly Kum. Sarojini Madan),
(6) Smt. Subodh Nagraj (formerly Kum. Subodhini Madan),
(7) Smt. Vilasini Mandakumar Dadarkar (formerly Kum. Vilasini Madan),
All of 101 'RITA' B, Harsha Park, Chandawarkar Lane, Borivli (West), Bombay-400092.
(Transferor)
- (2) Anjuman-J-Islam, 92 Dr. Dadabhoy Navroji Road, Bombay-400001.
(Transferee)
- (3) 1. and 2. Siwranjani and Priyadarshini, being Daughters of Shripad Madan, by their guardians the said Shripad Shamrao Madan and his wife Uma.
3. Smt. Uma Madan, wife of Shripad Shamrao Madan, all of 101 'RITA' B, Harsha Park, Chandawarkar Lane, Borivli (West), Bombay-400092.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate, lying and being at Versova in the Registration Sub-district and district City of Bombay and Bombay suburban admeasuring 7617 sq. yds. i.e. 6371.6 sq. metres or thereabouts and bearing survey Sheet No. 15, Chalta No. 16, Survey No. 60, Hissa No. 1, City Survey No. 1114 and assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under K Ward No. 7118 Street No. 60 Amboli Road and bounded as follows : on the East by a public Road, on the West by a road, on the North by the part formerly of Kassam Jan Mohamed and on the South by the part formerly of Haji Goolam Hussein.

G. A. JAME
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. (Tehsil Padampur) Distt.
Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/Acq/309.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murba No. 29 situated at 15, B.B. Padampur (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Padampur on 17-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Hari Chand S/o Shri Dunichand Arora,
R/o Chakmandi Padampur Distt. Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 6½ Bigha out of Muraba No. 29 situated at 15BB, Tehsil Padampur as described in conveyance deed registered on 17-6-1975 by Sub-Registrar, Padampur.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. (Tehsil Padampur) Distt.
Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramditta Mal S/o Shri Dunichand Arora,
R/o Chakmandi Padampur, Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/Acq/310.—Whereas, I, C. S. JAIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing Plot

No. Murba No. 29 situated at 15, B.B. Padampur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Padampur on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the Parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

(a) by any of the aforesaid persons within the period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 6½ Bigha out of
Muraba No. 29 situated at Village 15BB, Tehsil Padampur,
more fully described in conveyance deed registered on 17-6-75
by Sub-Registrar, Padampur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the
following persons, namely :—

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/LAC/Acq/311.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Muraba No. 29 situated at 15, B.B. Padampur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Padampur on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. (Tehsil Padampur) Distt.
Sriganganagar,
(Transferor)

(2) Shri Balkishan S/o Shri Dunichand Arora,
R/o Chakmandi Padampur, Distt. Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 64 Bigha out of Muraba No. 29 situated at 15BB, Tehsil Padampur as described in conveyance deed registered on 17-6-1975 by Sub-Registrar, Padampur.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. Tehsil Padampur, Distt.
Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Murarilal S/o Shri Dunichand Aora,
R/o Chakmandi Padampur Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/ITC/Acq/312.—Whereas, I, C. S. JAIN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Muraba No. 18 situated at 15, B.B. Padampur
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer
at Padampur on 17-6-1975,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'Said Act',
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 6½ Bigha out of
Muraba No. 18 situated at 15BB, Tehsil Padampur as des-
cribed in conveyance deed registered on 17-6-1975 by Sub-
Registrar, Padampur.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following
persons, namely :—

27—486GI/75

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o Village 15, B.B. Tehsil Padampur, Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Om Prakash S/o Shri Dunichand Arora,
R/o Chakmandi Padampur, Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 7th February 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj/1AC/Acq/313.—Whereas, I, C. S. JAIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Muraba No. 18 situated at 15, B.B. Padampur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Padampur on 17-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the Said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural irrigated land measuring 5 Bigha 10 biswa
cut of Muraba No. 18 situated at 15BB, Tehsil Padampur
more fully described in conveyance deed registered on
17-6-1975 by Sub-Registrar, Padampur.

C. S. JAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 7-2-1976,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. Tehsil Padampur, Distt.
Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/Acq/314.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mutaba No. 29 situated at 15, B.B. Padampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Padampur on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Hansraj S/o Shri Dunichand Arora,
R/o Chakmandi Padampur Distt. Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 6 Bigha 5 Biswa out of Mutaba No. 29 situated at 15BB, Tehsil Padampur and residential Abata more fully described in conveyance deed registered on 17-6-1975 by Sub-Registrar, Padampur.

C. S. JAIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vimal Anant Manduskar, House No. 303,
Sadashiv peth, Poona-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004(2) (1) Shri Ravindra Kumar Chandulal Shaha,
(2) Shri Ranjit Kumar Chandulal Shah,
468, (New), Sadashiv peth, Poona-30.

(Transferee)

(3) (1) Shri D. K. Deshpande,
(2) Shri Madhukar K. Valsangkar,
(3) Smt. Mathurabai Mihne,
All at C.S. No. 1940, Sadashiv peth, Poona-30.
(Persons in occupation of the property).

Poona-411004, the 7th February 1976

Ref. No. C.A.5/Haveli-I/June '75/265/75-76.—Whereas, I, H. S. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1940, Sadashiv peth, situated at Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Poona on 12-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property C.S. No. 1940, Sadashiv peth, Poona-30.
Area : 195 sq. mtrs.
Built up : 1st floor—900 sq. ft.
2nd floor—900 sq. ft.
(property as described in the sale deed registered under No. 1463 dated 12-6-1975 in the office of the Sub-registrar, Haveli-I, Poona).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976.
Sent .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61,

ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 13th February 1976

Ref. No. C.A.5/June'75/Haveli-II (Poona)/266/75-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 37, Hissa No. 2A and 2B situated at Kharadi (Poona),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Haveli-II (Poona) on 21-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Mohanraj Devraj Chopda, 219, Sholapur Bazar, Poona.
- (2) M/s. V. Prakash & Co., 501, V. P. Street, Poona-1 by its partners Mithalal B. Oswal, Vinraj B. Oswal, Smt. Kalavati S. Oswal,
- (3) Shri Anil Kumar Sohanraj Oswal, minor by his guardian Kalawati.
- (4) Shri Nagraj W. Ranka, 1182, Raviwar peth, Poona-2.
- (5) Shri Abu Bakar Ibrahim, 546 V. P. Street, Poona-1.

(Transferor)

- (2) M/s. Shirine Gardens, Builders, Relators, Estate agents, a registered partnership firm by eight of its partners, 53, Las Palmas, Little Gibbs Road, Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold all that piece of vacant non-agricultural land situated and bearing Survey Nos. 37, Hissa No. 2A and 2B admeasuring about 5 acres and 4 gunthas and 7 acres and 2 gunthas respectively and assessed at 4-0-0 and 2-8-0 respectively in the village Kharadi, within the Grampanchayat of Kharadi, outside the limits of the Poona Municipal Corporation in the S.R. Distt. of Poona, Taluka Haveli, District Poona.

(Property as mentioned in the Regd. deed No. 1357 of June, 75 of the Registering authority, Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 13-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balchand Tulsidas Nagpal,
Tulsi Niwas, Marine Drive, D. Road,
Bombay-400 002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61,

ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 13th February 1976

Ref. No. C.S.5/June '75/Bombay (Poona)/267/75-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot No. 17, situated at Koregaon Park, Poona,
(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Bombay on 14-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid ex-
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the evasion or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

- (2) (1) Shri Hariprasad Lohia,
(2) Shri J. D. Lashkari,
(3) Smt. MA Anand Meera,
(4) Shri Pravin D. Desai,
(5) Shri Jayantilal M. Thaker,
(6) Shri Dhanapati T. Hujee,
(7) Shri Maneklal Verchand Bafna,
(8) Shri Dhanpatrai Karnani,
(9) Smt. MA Yoglaxmi,
(10) Shri K. G. Chainani,
(11) Shri Ishwarlal Naranyi Shah all Trustees of
Jeevan Jagruti Kendra, C/o. Ambubhai and
Diwanji, Solicitors, Lantini Chambers, Dalal
Street, Fort, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respec-
tive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Perpetual leasehold, all that plot of land known as plot
No. 17 of the Koregaon Park Road Area in the village of
Poona city situate in the Poona District and registration
Sub-District of Haveli, containing by admeasurement six
thousand and sixteen and decimal point 33 (6016.33) square
yards equivalent to 5029.33 square metres or thereabouts
Ground floor 3026 sq. feet First floor—2307 sq. feet, Bung-
low constructed in 1953-54 and bounded on or towards the
East by plot No. 33 of the said Koregaon Park Road Area,
On or towards the West by a forty foot road, On or towards
the South by Plot No. 16 of the said Area and on or towards
the North by Plot No. 18 of the said Area.

(Property as mentioned in the registered deed No. 862
of June, 75, in the Registering authority, Bombay).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date 13-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 13th February 1976

Notice No. 109/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of the Property known as Xianchem Tollem Mito, situated at Ambeshim, Pale Village, Bicholim Taluka within Panchayat Limits of Pale, Sub-District of Bicholim (Goa), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bicholim under document number 134 on 15-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jana Shankar Gaudo,
and his wife Satiavoti Jana Gaudo and others as mentioned in the document Registered with the Sub-Registrar, Bicholim.

(Transferor)

(2) M/s. Rajaram Bandekar (Pale) Mines Vasco-da-Gama (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of the property known as "Xianchem Tollem Mixto", situated at Ambeshim, Pale Village, Bicholim Taluka, within village Panchayat Limits of Pale, Sub-District of Bicholim (Goa) Admeasuring 46,500 Square metres and bounded by :

East : Areca Grove of Xeanchem Tollem of Gaudes;
West : Jacadevicho Stone,
North : Part of Areca Grove Xeanchem Tollem;
On the South—Property of Salgaocar.

P. SATYANARAYANA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 13-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th February 1976

Ref. No. 461/Acq./Kanpur/75-76.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Laxmi Devi W/o Gurumukh Das, R/o 120/85, Lajpat Nagar, Kanpur.
2. Smt. Kaushalya Devi W/o Sher Chand Bhatia, R/o 119/555-A, Darshanpurwa, Kanpur.
(Transferor)

- (2) Smt. Santosh Rani W/o Shri Satyapal, R/o 118/177, Kaushalpur, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of half portion of House No. 119/555-A, situated at Darshanpurwa, 80 Ft. Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Chiman Lal,
2. Shri Govindram, S/o late Shri Valaram,
R/o 119/555-A, Darshanpurwa, Kanpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Barkatram S/o Shri Santram,
R/o 118/177, Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 17th February 1976

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. 469/Acq./Kanpur/75-76/2619. —Whereas, I, F. J.
BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at Kanpur on 17-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 119/555-A, Darshanpurwa,
80 Ft. Road, Kanpur (half portion), transferred for an ap-
parent consideration of Rs. 45,000/-.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

F. J. BAHADUR

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s. A. P. Chirukandan and Sons, Calicut.
(By partners Sri A. P. Sankaran & Sri A. P. Vasantha Kumar).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Sri Hassankutty,
(2) Shri Avarankutty,
(3) Shri Muhammed Sheriff,
(4) Shri Mahaboob,
(5) Shri Akbar,
(By guardian Sri Hassankutty),
Timber Merchant, Calicut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
'JYOTHI BUILDINGS', GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 5th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. L.C. No. 51/75-76.—Whereas, I, M. M. KURUP, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. as per schedule situated at Anne Hall Road, Calicut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 28-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th right over 25 cents of land with building known as 'Hotel Ratnagiri' in Anne Hall Road, Calicut.

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 5-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th February 1976

Ref. No. Ac-41/R-II/Gal/75-76.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khatian No. 464 and Dag No. 321 situated at Mouza Ramdashati, P.S. Metiabruz, 24-Prags. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar 24-Prags., Alipore on 5-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. K. Atiber, (2) Khaleka Bibi, (3) Sakina Bibi, and (4) Smt. Ajmira Bibi, all of Ramdashati, Metiabruz, 24-Parganas.

(Transferor)

- (2) Shri Safiuddin Molla, (2) Shri Mohiuddin Molla, (3) Shri Sarauddin Molla, (4) Shri Nijamuddin Molla, (5) Shri Islamuddin Molla, (6) Shri Kurubuddin Molla, (7) Shri Nasiruddin Molla, (8) Shri Sujauddin Molla, (9) Shri Patauddin Molla, (10) Shri Shaha Ilam Bhangi, and (11) Shri Jayanul Abedin Bhangi, all of Ramdashati, P.S. Metiabruz, 24-Parganas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouza Ramdashati, P. S. Metiabruz, Khatian No. 464, Dag No. 321, with dwelling house and tank—Area of the Land=14 Kottahs.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. C. G. Premavathi Bhasker, W/o Dr. C. G. Bhasker, Madras Race Club, Guindy, Madras-32.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1976

Ref. No. RAC No. 257/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-5-291 situated at Sarojini Devinagar Thirupathi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Mrs. J. S. Sarojini Ramamurthy, C/o Dr. C. G. Ramamurthy, Door No. 5-5-291 in T.S. No. 60/1 at Sarojini Devinagar, Tirupathy, Chittoor-Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Door No. 5-5-291 in T.S. No. 60/1 and 59/1 at Sarojini Devinagar, at Tirupathy, Town, Tirupathy Chittoor-District.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-2-1976.

Seal :